MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 06 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-123

इस्तीफा नहीं दूँगी!

ममता के त्रिया हठ से नया संकट

कोलकाता, 05 मई (एजेंसियां) ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीएम पद से इस्तीफा देने से इनकार कर राज्य में संवैधानिक संकट जैसी स्थिति खड़ी कर दी है। ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब ममता से पूछा गया कि क्या वे इस्तीफा देने के लिए राज्यपाल के पास जाएंगी, तो इस प्रश्न का जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि उनके इस्तीफा देने का सवाल ही नहीं उठता है। ममता ने कहा कि नैतिक रूप से उनकी विजय हुई है। ममता ने कहा कि मैं राजभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सदस्यों के साथ आगे की स्ट्रैटेजी पर चर्चा की जाएगी। मैं अब बीजेपी के अत्याचारों को और बर्दाश्त नहीं करूंगी। मैं सड़कों पर लौटूंगी। ममता ने कहा कि हमारा मुकाबला बीजेपी से नहीं था बल्कि चुनाव आयोग से था। चुनाव आयोग ने बीजेपी के लिए काम किया।

ममता का रुख संविधान के खिलाफ?

ममता का ये रुख राज्य में संवैधानिक संकट को जन्म दे सकता है। हालांकि सरकार गठन पर इसका असर नहीं पड़ेगा। वरिष्ठ वकील शेखर नाफड़े ने कहा कि अगर वह इस्तीफा देने से मना करती हैं,

तो संविधान के तहत राज्यपाल उनकी सरकार को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग ने जरूरी अधिसूचना और जनादेश जारी कर दिया है। चुनाव नतीजों को चुनौती देने का उनका अधिकार कोई नहीं छीन सकता, लेकिन जब तक कोई सक्षम अदालत कोई आदेश नहीं दे देती, तब तक उन्हें ईसीआई के जनादेश का पालन करना होगा।

उन्होंने कहा कि विधानसभा का 5 साल का कार्यकाल खत्म होने पर राज्यपाल विधानसभा को भंग कर सकते हैं। बंगाल की मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 7 मई 2026 को खत्म हो रहा है। आर एन रवि इस वक्त बंगाल के राज्यपाल हैं। वरिष्ठ वकील का कहना है कि ममता का राज्यपाल से मिलकर इस्तीफा नहीं देने से कुछ नहीं बदलेगा। राज्यपाल सदन और सरकार को बर्खास्त कर सकते हैं, क्योंकि जनादेश समाप्त हो चुका है।

राज्यपाल के पास क्या हैं विकल्प?

अगर मुख्यमंत्री इस्तीफा नहीं देती हैं या नहीं देते हैं तो राज्यपाल मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने की सलाह दे सकते हैं। अगर मुख्यमंत्री इनकार करते हैं तो राज्यपाल मुख्यमंत्री को बर्खास्त कर सकते हैं। अनुच्छेद 164 के तहत मुख्यमंत्री राज्यपाल की कृपा पर ही सरकार में रह सकते हैं।

संविधान विशेषज्ञ मानते हैं कि ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देंगी तो भी नई विधान सभा के गठन और नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राज्यपाल मौजूदा मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बगैर भी ▶8 पर

चुनाव बाद फिर भड़की हिंसा

ममता ने बनाई जांच कमेटी

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद एक बार फिर हिंसा की खबरें सामने आई हैं। परिवर्तन के नारे के बीच राज्य के कई इलाकों से हत्या, आगजनी और तोड़फोड़ के आरोप सामने आए हैं। टीएमसी ने दावा किया है कि उनके कार्यकर्ताओं और दफ्तरों को निशाना बनाया गया, जबकि बीजेपी ने इन आरोपों को खारिज किया है। चुनाव परिणाम आने के साथ ही सोमवार से कई जगहों पर झड़पों की खबरें आने लगीं। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि बीरभूम के नानूर में उनके एक कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। वहीं पुलिस के अनुसार कोलकाता के टॉलीगंज और कस्बा समेत बारुईपुर, कमरहाटी, बारानगर, हावड़ा और बहारामपुर जैसे इलाकों में तृणमूल कांग्रेस के दफ्तरों में तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भीड़ को लाठी और डंडों के साथ लोगों का पीछा करते हुए देखा गया। तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि उनके समर्थकों को निशाना बनाया गया और कई जगहों पर मारपीट की ▶8 पर

हिंसा में 'पारिबर्तन' नहीं

बुलडोजर के साथ विजय जुलूस

कोलकाता, 05 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के हॉग मार्केट, जिसे न्यू मार्केट से भी जाना जाता है, वहां देर रात बवाल हो गया। आरोप है कि अचानक भीड़ बुलडोजर लेकर इलाके में पहुंची और टीएमसी दफ्तर पर हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार, जिस इलाके में कार्रवाई हुई वह रेस्टोरेंट्स और मार्केट एरिया के लिए जाना जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस ढांचे को गिराया गया, वह पार्टी ऑफिस था और उसी को निशाना बनाया गया।

डेरेक ओ'ब्रायन ने लगाए गंभीर आरोप

इस पूरे मामले में डेरेक ओ'ब्रायन की तरफ से आरोप लगाए गए हैं कि बड़ी संख्या में लोग बुलडोजर के साथ पहुंचे और निर्माण को गिराया गया। उनके मुताबिक, मौके पर सीएपीएफ के जवान भी मौजूद थे। वीडियो में भी बुलडोजर से ढांचे को गिराते हुए देखा जा सकता है।

पश्चिम बंगाल का हिंसा भरा चुनावी इतिहास

पश्चिम बंगाल का चुनावी इतिहास पहले भी हिंसा और टकराव से जुड़ा रहा है। चुनाव परिणाम के बाद कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें और तनाव देखने को मिलता रहा है। ऐसे में इस घटना ने एक बार फिर माहौल को संवेदनशील बना दिया है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। इलाके में पुलिस की गश्त शुरू कर दी गई ताकि हालात काबू में आएं और कोई और बवाल न हो।

हॉग मार्केट क्या है और यह जगह क्यों अहम है?

हॉग मार्केट, जिसे न्यू मार्केट भी कहते हैं, कोलकाता का एक बहुत पुराना और मशहूर बाजार है। यहां रोज हजारों लोग खरीदारी करने आते हैं। यह बाजार कोलकाता की पहचान का हिस्सा है।

चुनाव आयोग का सख्त रुख: हिंसा पर जीरो टॉलरेंस

बंगाल में हिंसा पर सख्ती, चुनाव आयोग ने जारी किया जीरो टॉलरेंस आदेश। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में पोस्ट पोल हिंसा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव, डीजीपी और सीएपीएफ को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी तरह की हिंसा पर तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाए।

टीवीके को कांग्रेस देंगी समर्थन, 7 को शपथ

विजय-राहुल की जोड़ी

चेन्नई/नयी दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

तमिलनाडु में बहुमत से कुछ सीटें दूर रही अभिनेता विजय की तमिलगा वेट्रि कड़गम (टीवीके) पार्टी जल्द ही सरकार बना सकती है। कांग्रेस के समर्थन से टीवीके सरकार बनाने की राह आसान हो गई है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस ने तमिलनाडु में टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक फैसला कर लिया है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दावा किया था कि विजय ने सरकार बनाने के लिए कांग्रेस से समर्थन मांगा है। अब कांग्रेस से जुड़े सूत्रों ने बताया कि विजय की सरकार को समर्थन देने का फैसला कांग्रेस ने कर लिया है। राहुल गांधी भी विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस ने लिया समर्थन का फैसला

सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने साफ तौर पर टीवीके को समर्थन देने के पक्ष में रुख अपनाया था, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चाहते थे कि ये फैसला दिल्ली की बजाय तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) करे। इसलिए दिल्ली में मंथन के बाद तमिलनाडु कांग्रेस के नेताओं की ऑनलाइन मीटिंग बुलाई गई, जिसमें औपचारिक तौर पर टीवीके को समर्थन देने का फैसला किया गया। बताया जा रहा है कि विजय की सरकार में कांग्रेस दो मंत्री पद चाहती है। इसे लेकर प्रभारी गिरीश चोदनकर और प्रवीण चक्रवर्ती टीवीके के संपर्क में हैं।बताया जा रहा है कि 7 मई को विजय तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं । उस दिन गुरुवार है और ऐसा बताया जा रहा है कि विजय उसी दिन शपथ लेना चाहते हैं क्योंकि गुरुवार शुभ दिन माना जाता है। शपथ ग्रहण समारोह चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में होने की संभावना है । टीवीके विधायकों को चेन्नई न छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

तमिलनाडु में इस बार टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। टीवीके ने राज्य की 234 में से 108 सीटें जीती हैं । हालांकि, बहुमत से अभी भी 10 सीटें कम हैं । वहीं, डीएमके को 59 सीटें मिली हैं, जबकि अन्नाद्रमुक ने 47 सीटों पर जीत हासिल की है। तमिलनाडु में कांग्रेस के 5 विधायक हैं।

सीज़फायर जारी

यूएई पर ताबड़तोड़ अटैक

नयी दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

पश्चिम एशिया में संघर्ष विराम के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर फिर से हमले हो रहे हैं। यूएई का कहना है कि ईरान ने उस पर हमला किया है और उसने अपना एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिया है। यूएई का मिसाइल डिफेंस सिस्टम ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमले का जवाब दे रहे हैं। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार रात एक्स पर इस हमले की जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जो आवाजें आ रही हैं वे बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज़ मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट करने से जुड़ी हैं।

ईरान की ओर से लगातार दूसरा हमला

यूएई ने इससे पहले कहा था कि सोमवार को उस पर ईरान की ओर से हमला किया गया था। ये हमला तब हुआ जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की दिशा में कदम बढ़ा रहा था। मंगलवार का हमला ईरान की ओर से यूएई पर लगातार दूसरे दिन किया गया अटैक है। सोमवार को ईरान ने यूएई पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। यूएई ने कहा कि उसने सोमवार को ईरान से दागी गई 15 मिसाइलों और चार ड्रोनों को रोक दिया। 8 अप्रैल को अमेरिका-ईरान के बीच हुए सीजफायर के बाद यह पहली बार था जब उसे निशाना बनाया गया। एक ड्रोन हमले से फुजैराह ऑयल इंडस्ट्री जोन में बड़ी आग लग गई और तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। ▶8 पर

भारत ने की फुजैरा में ईरानी हमले की कड़ी निंदा

नयी दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा तेल क्षेत्र में ईरान के हमले की कड़ी निन्दा करते हुए कहा है कि पश्चिम एशिया में सभी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति से होना चाहिए। सोमवार को किए गए इस हमले में तीन भारतीय नागरिक भी घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा है कि भारत सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए सभी तरह के प्रयासों का समर्थन करता है।

प्रवक्ता ने मंगलवार को अपने बयान में कहा, फुजैरा पर हुआ हमला, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए, पूरी तरह से अस्वीकार्य है। हम इन शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों और नागरिक बुनियादी ढांचे तथा निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने की तुरंत समाप्ति की मांग करते हैं। भारत स्थिति से निपटने के लिए संवाद और कूटनीति का समर्थन करता रहा है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल हो सके।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0

न्यूनतम : 25^0

भाजपा ने शाह को बंगाल और नड्डा को असम के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया

नयी दिल्ली, 05 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बंगाल और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा को असम के लिए पर्यवेक्षक बनाया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में श्री शाह पश्चिम बंगाल में पार्टी के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक होंगे। वहीं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सह पर्यवेक्षक की भूमिका निभाएंगे।

श्री सिंह ने बताया कि श्री नड्डा ओडिशा में पार्टी के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक होंगे। वहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सह पर्यवेक्षक की भूमिका निभाएंगे।

गौरतलब है कि सोमवार को घोषित हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के अनुसार भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ बंगाल में पहली बार सरकार बनाने जा रही है। वहीं असम में जीत की हैट्रिक लगाते हुए पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी।

शराब बेचेगा पाक!

इस्लामाबाद, 05 मई (एजेंसियां) ।

कर्ज से जूझ रहे पाकिस्तान ने 50 साल बाद फिर से दूसरे देशों को शराब बेचना शुरू कर दिया है। देश की इकलौती लोकल कंपनी मरी ब्रूअरी ने अप्रैल 2026 में ब्रिटेन, जापान, पुर्तगाल और थाईलैंड जैसे देशों को बीयर और अन्य अल्कोहलिक ड्रिंक्स एक्सपोर्ट की हैं। कंपनी के एक्सपोर्ट मैनेजर रमीज शाह के मुताबिक, अभी शुरुआत में विदेशों में नेटवर्क बनाया जा रहा है और आगे चलकर प्रोडक्शन बढ़ाने की योजना है।

पाकिस्तान में मुस्लिम आबादी के लिए करीब 50 साल पहले इस्लामिक नियमों का हवाला देकर शराब पर बैन लगाया गया था। इसके बाद शराब का एक्सपोर्ट भी बंद हो गया था। हालांकि, पाकिस्तान में गैर-मुस्लिमों के लिए कुछ छूट थी। पाकिस्तान सरकार ने 2025 में शराब एक्सपोर्ट की अनुमति दी थी, जिसके बाद अब उन देशों में सप्लाई शुरू की गई जो ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) का हिस्सा नहीं हैं।

इस्लाम के नाम पर बट्टा

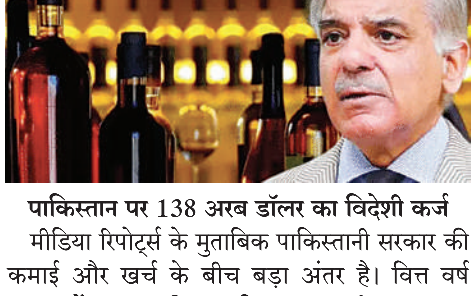

पाकिस्तान पर 138 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सरकार की कमाई और खर्च के बीच बड़ा अंतर है। वित्त वर्ष 2026 में सरकार की वास्तविक आय करीब 11,072 अरब पाकिस्तानी रुपए (40 अरब डॉलर) है, जबकि खर्च 16,286 अरब रुपए (58 अरब डॉलर) तक पहुंच चुका है। इसमें से करीब 8,200 अरब रुपए (30 अरब डॉलर) सिर्फ कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। पाकिस्तान पर इस समय लगभग 38,640 अरब पाकिस्तानी रुपए (138 अरब डॉलर) का बाहरी कर्ज है। इसमें सरकारी कर्ज के अलावा निजी क्षेत्र, बैंकों और कंपनियों की देनदारियां भी शामिल हैं। इसमें से करीब 25,760 अरब पाकिस्तानी रुपए (92 अरब डॉलर) सरकारी कर्ज है।

नॉन-अल्कोहलिक प्रोडक्ट ही बेच रही थी मरी ब्रूअरी

पिछले कई सालों से मरी ब्रूअरी सिर्फ नॉन-अल्कोहलिक ड्रिंक्स का एक्सपोर्ट कर रही थी। इसमें पैकेज्ड जूस, मिनरल वाटर और फ्रूट फ्लेवर वाली ड्रिंक्स शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कमाई 100 मिलियन डॉलर (28 अरब झघठ) रही। कंपनी के उएज इस्फानयार भंडारा ने एक्सपोर्ट लाइसेंस के लिए कोशिश की थी। 2021 में पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में एक चीनी कंपनी को भी शराब बनाने की इजाजत दी थी, ताकि वहां काम कर रहे चीनी नागरिकों की जरूरतें पूरी हो सकें। ▶8 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आर्थिक रिश्तों में नई रफ्तार को जयशंकर ने दी प्राथमिकता

भारत-जमैका संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत

किंग्स्टन

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने नौ दिवसीय कैरेबियाई दौरे के पहले चरण में जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुँचकर द्विपक्षीय संबंधों को एक नई दिशा प्रदान की है। इस उच्चस्तरीय यात्रा के दौरान जमैका के अलावा सूरीनाम और त्रिनिदाद व टोबैगो भी शामिल हैं, जो कैरेबियाई देशों के साथ भारत के बढ़ते रणनीतिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को दर्शाता है।

किंग्स्टन में विदेश मंत्री जयशंकर ने जमैका की विदेश मंत्री कामिना जानसन स्मिथ और कैबिनेट के वरिष्ठ सहयोगियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, डिजिटल सहयोग, पर्यटन और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत और जमैका के बीच यह साझेदारी आने वाले समय में और अधिक मजबूत और प्रभावी होगी।

आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने व्यापारिक नेताओं से भी मुलाकात की और बदलते वैश्विक परिदृश्य में विश्वसनीय व्यापारिक साझेदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ हुई मुलाकात रही, जिसमें राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को और अधिक सक्रिय बनाने पर सहमति बनी। इस अवसर पर भारत ने मानवीय सहायता और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए जमैका को 10 भीष्म क्यूब भेंट किए। यह स्वदेशी तकनीक से निर्मित मोबाइल अस्पताल प्रणाली है, जो आपदा या आपात स्थिति में कम समय में चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सक्षम है। सांस्कृतिक और खेल संबंधों को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने ऐतिहासिक सबिना पार्क स्टेडियम को एक नया स्कोरबोर्ड भी समर्पित किया।

क्रिकेट के प्रति दोनों देशों के साझा प्रेम का जिक्र करते हुए उन्होंने क्रिस गेल और कोर्टनी वाल्श जैसे महान खिलाड़ियों को याद किया, जो भारत और कैरेबियाई देशों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय समुदाय को भारत में हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास और तकनीकी प्रगति से अवगत कराया। यह दौरा न केवल राजनीतिक बल्कि मानवीय और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी भारत–जमैका मित्रता को एक नया आयाम देने वाला साबित हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

छात्र संगठन और ट्रेड यूनियन खत्म करने को लेकर नेपाल के पीएम ने दी सफाई

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र और कर्मचारी संगठनों को

खत्म करने के सरकार के फैसले का बचाव करते हुए इसपर सफाई दी है। उनका तर्क है कि शैक्षणिक संस्थानों और कर्मचारी तंत्र में वर्षों से जड़ जमा चुकी दलगतकरण (पार्टीकरण) को समाप्त कर व्यवस्था सुधार के लिए सरकार ने इन संगठनों को खत्म करने का निर्णय लिया है। मंगलवार सुबह सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात रखते हुए प्रधानमंत्री शाह ने कहा कि छात्र और कर्मचारी संगठन पेशागत हित से अधिक राजनीतिक दलों के स्लीपर सेल बन गए थे, इसलिए यह नया निर्णय दोनों– कर्मचारियों और छात्रों के हित में लिया गया है। उन्होंने लिखा, योग्यता से अधिक पहुँच और क्षमता से अधिक झोला और झंडे का महत्व बढ़ने से पूरी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर हुआ है। इसलिए स्पष्ट निर्णय आवश्यक था—शैक्षणिक संस्थानों में दल का झंडा और कर्मचारी तंत्र में दल का झोला निषेध। उनका कहना है कि यह नई व्यवस्था किसी के अधिकारों को नहीं छीनती बल्कि पेशागत स्वतंत्रता को और मजबूत बनाएगी। अब नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति का आधार राजनीतिक निकटता नहीं बल्कि नियम, योग्यता और दक्षता होगी– यह भी उन्होंने स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, यह कदम किसी विशेष पार्टी के खिलाफ लड़ाई नहीं है बल्कि देश को दलगत कब्जे से निकाल कर संस्थागत मार्ग पर लाने का प्रयास है। बदलाव भाषण से नहीं, निर्णय से आता है।

नेपाल ने एशियाई विकास बैंक से नए नेतृत्व की भावना के अनुसार सहयोग की अपील की

काठमांडू। एशियाई विकास बैंक की 59वीं वार्षिक बैठक में नेपाल की तरफ से कहा गया है कि देश का नया राजनीतिक नेतृत्व एडीबी और अन्य विकास साझेदारों के साथ सहयोग को और गहरा करना चाहता है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में जारी इस बैठक के दौरान बोर्ड आफ गवर्नर्स की बैठक को नेपाल की ओर से अस्थायी वैकल्पिक गवर्नर के रूप में संबोधित करते हुए अर्थ मंत्रालय के अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंध महाशाखा प्रमुख डा. धनीराम शर्मा ने यह बात कही। एडीबी के बोर्ड में सामान्यत: अर्थमंत्री गवर्नर होते हैं, लेकिन बजट निर्माण में व्यस्त रहने के कारण डा. स्वर्णिम वाग्ले इस बैठक में शामिल नहीं हो सके। इसलिए अस्थायी वैकल्पिक गवर्नर के रूप में डा. शर्मा ने बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नेपाल में वर्तमान में एक स्थिर और सुधारोन्मुख सरकार है, जिसे आर्थिक रूपांतरण को तेज करने, गुणवत्तापूर्ण निवेश आकर्षित करने और समावेशी आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने का स्पष्ट जनादेश प्राप्त है। उन्होंने यह भी बताया कि इस जनादेश को पूरा करने के लिए नेपाल सरकार एडीबी जैसे अपने सबसे बड़े बहुपक्षीय विकास साझेदार के साथ सहयोग को विशेष महत्व दे रही है।

बीजिंग पर दबाव बना रहा अमेरिका, कहा- टैरिफ लगाना हमारा अधिकार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को दिया झटका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की अपनी आगामी महत्वपूर्ण यात्रा से पहले आयात शुल्क

(टैरिफ) को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया है। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि सस्ते विदेशी आयात ने घरेलू अमेरिकी कंपनियों को भारी नुकसान पहुंचाया है और उनकी सरकार की टैरिफ नीतियां इस स्थिति को बदलने के लिए प्रभावी साबित हो रही हैं। इस महीने के अंत में चीन के दौरे पर जाने वाले ट्रंप वहां राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे, लेकिन उससे पहले उनके कड़े तेवरों ने वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने तर्क दिया कि चीन और अन्य देशों से आने वाले घटिया मगर सस्ते उत्पादों ने अमेरिकी बाजार को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ के कारण आज अमेरिका के पास पर्याप्त राजस्व है और यदि विदेशी प्रतिस्पर्धा का दबाव इसी तरह बना रहा, तो इन दरों को और भी बढ़ाया जा सकता है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि जो कंपनियां टैरिफ से बचना चाहती हैं, उन्हें अपना उत्पादन वापस अमेरिका में शुरू करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि इस नीति की वजह से आटोमोबाइल क्षेत्र सहित कई खोए हुए उद्योग अब देश में वापस लौट रहे हैं। अमेरिका और चीन के संबंधों पर चर्चा करते हुए ट्रंप ने इसे एक प्रतिस्पर्धी लेकिन मित्रतापूर्ण रिश्ता बताया। उन्होंने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका इस क्षेत्र में चीन से काफी आगे है। पिछली व्यापार नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि दशकों तक देश को ठगा गया ।

ईरान का 30 दिन वाला शांति प्रस्ताव या युद्ध की नई बिसात

होर्मुज में भारी तनाव के बीच ट्रंप का सख्त संदेश

वाशिंगटन

मिडिल ईस्ट में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक स्थिति में पहुंच गया है। एक तरफ जहां कूटनीतिक गलियारों में शांति प्रस्तावों पर चर्चा हो रही है, वहीं दूसरी तरफ समुद्र में जहाजों पर हमलों और नौसैनिक नाकेबंदी ने वैश्विक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। ताजा घटनाक्रम में, रविवार को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग स्ट्रेट आफ होर्मुज के पास एक और मालवाहक जहाज पर हमला हुआ, जिससे क्षेत्र में युद्ध के बादल और गहरे हो गए हैं। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड आपरेशंस के अनुसार, रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास कई छोटी नावों ने एक मालवाहक जहाज को निशाना बनाया। हालांकि इस हमले में चालक दल सुरक्षित है, लेकिन इसने 22 अप्रैल के बाद से बनी शांति को भंग कर दिया है।

इसी बीच, ईरान ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर टोल टैक्स वसूलने की शर्त रखी है और अमेरिका या इजरायल से जुड़े जहाजों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। दुनिया के 20 प्रतिशत तेल व्यापार की जीवनरेखा माने जाने वाले इस रास्ते पर ईरान की अड़ियल नीति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल–पुथल मचा दी है। युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने के लिए ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को एक 14–सूत्रीय प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव में 30 दिनों के भीतर सभी विवादों को सुलझाने का रोडमैप दिया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया कि वे इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ईरान ने पिछले 47 वर्षों में जो किया है, उसकी उसे अभी पर्याप्त कीमत चुकानी बाकी है। ट्रंप के इस बयान से साफ है कि अमेरिका फिलहाल किसी भी बड़ी रियायत के मूड में नहीं है।

दुनिया के सबसे लंबे व्यक्ति का भाषा की वजह से हुआ तलाक

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे लंबे व्यक्ति सुल्तान कोसेन और उनकी पत्नी मर्वे दीबो का तलाक हो गया है। तलाक के बाद दुखी सुल्तान के अनुसार भाषा की दीवार और संवाद की कमी ही उनके रिश्ते की सबसे बड़ी दुश्मन साबित हुई। 8 फीट 2 इंच लंबे सुल्तान ने 2023 में बड़ी धूमधाम से शादी की थी, जब उनका सपना पूरा हुआ था। सुल्तान कोसेन तुर्की के रहने वाले हैं। उनका जन्म 10 दिसंबर 1982 को हुआ था। बचपन से ही उनकी ऊंचाई असामान्य रूप से बढ़ने लगी थी। पिट्यूटरी ग्लैंड में ट्यूमर की वजह से उन्हें गिगेंटिज्म (अत्यधिक लंबाई) की समस्या थी। बाद में इलाज से उनकी बढ़ती ऊंचाई रुक गई, लेकिन वे दुनिया के सबसे लंबे व्यक्ति बने रहे और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में उनका नाम दर्ज है। अपनी असाधारण लंबाई के कारण उन्हें अक्सर सुर्खियों में रहना पड़ता था, लेकिन व्यक्तिगत जीवन में उन्हें प्यार और शादी के लिए संघर्ष करना पड़ा। शादी से पहले सुल्तान कई बार कह चुके थे कि उनका सबसे बड़ा सपना प्यार करना और शादी करना है। लंबाई की वजह से उन्हें सही जीवनसाथी ढूंढने में काफी दिक्कत हो रही थी। आखिरकार 2023 में उनका सपना पूरा हुआ। उन्होंने सीरिया की रहने वाली मर्वे दीबो से शादी की, जो उनसे करीब 2 फीट 7 इंच छोटी थीं। शादी में 1500 से ज्यादा मेहमान शामिल हुए थे, जिसमें गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। शादी के बाद दोनों ने तुर्की के अपने गाँव में खास तरीके से बनाए गए घर में रहना शुरू किया, जहाँ उन्हें अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करनी थी। लेकिन खुशियां ज़्यादा दिनों तक नहीं टिकीं। कुछ साल बाद दोनों में तनाव बढ़ने लगा और आखिरकार उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद सुल्तान ने इंटरव्यू में बताया कि सबसे बड़ी समस्या भाषा की दीवार थी। सुल्तान तुर्की भाषा बोलते हैं, जबकि उनकी पत्नी मर्वे सिर्फ़ अरबी बोलती थीं। दोनों के बीच ठीक से बातचीत न हो पाने के कारण रिश्ते में दरारें पड़ गईं और अंत में तलाक पर सहमति बन गई।

यूएई के फुजैराह तेल संयंत्र पर हमला, ड्रोन व मिसाइल से भड़की आग

अबू धाबी/फुजैराह

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह क्षेत्र में स्थित एक पेट्रोलियम साइट पर हमले के बाद भीषण आग लगने की खबर है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कथित तौर पर ईरान की ओर से किए गए ड्रोन हमले के बाद सामने आई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

फुजैराह मीडिया कार्यालय के अनुसार, हमले के तुरंत बाद पेट्रोलियम इंडस्ट्री एरिया में आग तेजी से फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड और आपातकालीन सेवाओं की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बुझाने का काम शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक, इस हमले में तीन भारतीय घायल हुए हैं।

इससे पहले, यूएई के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि देश की ओर कुछ मिसाइलें दागी गई थीं। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से कई मिसाइलों को वायु रक्षा प्रणाली ने रास्ते में ही निष्क्रिय कर दिया। हालांकि, कुछ हमलों के कारण सीमित स्तर पर नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और संवेदनशील ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। माना जा रहा है कि फुजैराह, जो यूएई का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा और तेल निर्यात केंद्र है, पर हमला क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकता है।

हाल के दिनों में खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और टकराव की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य और आसपास के इलाकों में पहले से ही तनाव बना हुआ है, ऐसे में इस तरह की घटनाएं वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और बाजारों पर असर डाल सकती हैं।

फिलहाल, यूएई प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करने की अपील की है।

दावा: एपस्टीन का सुसाइड नोट पिछले 7 साल से न्यूयार्क की कोर्ट में सील

वाशिंगटन। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के मरने से पहले उसके सुसाइड नोट लिखने का दावा किया गया है। यह कथित सुसाइड नोट पिछले करीब 7 साल से न्यूयार्क की कोर्ट में सील है। इस वजह से इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब तक एपस्टीन की मौत की जांच कर रही एजेंसियों को भी यह अहम सबूत नहीं मिला है, लेकिन यह नोट सच में एपस्टीन ने लिखा था, तो यह उसकी मानसिक स्थिति के बारे में अहम जानकारी दे सकता था। रिपोर्ट के मुताबिक यह नोट जुलाई 2019 में एपस्टीन के साथी कैदी निकोलस टारटाग्लियोने को मिला था। उस समय एपस्टीन जेल में बेहोश हालत में मिला था और उसकी गर्दन पर कपड़ा बंधा था। उस घटना में उनकी जान बच गई थी, लेकिन कुछ हफ्तों बाद जेल में उनकी मौत हो गई, जिसे मेडिकल अधिकारियों ने आत्महत्या बताया था। टारटाग्लियोने के मुताबिक इस नोट में लिखा था कि जांच एजेंसियों ने महीनों तक एपस्टीन की जांच की, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। नोट में यह भी लिखा था– आप मुझसे क्या चाहते हैं, क्या मैं रोऊं अब अलविदा कहने का समय है। हालांकि, अमेरिकी जस्टिस डिपोर्टमेंट का कहना है कि उनके पास यह नोट नहीं है, इसलिए वे इसकी पुष्टि नहीं कर सकते हैं।

दक्षिण कोरिया में एक दशक में 896 वायुसेना पायलटों ने छोड़ी नौकरी

बेहतर वेतन और कम जोखिम वाली कमर्शियल एयरलाइन्स की ज्वाइन

सियोल

दक्षिण कोरिया में वायुसेना के प्रशिक्षित पायलट स्वेच्छा से अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। पिछले एक दशक में 896 वायुसेना पायलटों ने बेहतर वेतन और अपेक्षाकृत कम जोखिम वाली कमर्शियल एयरलाइन्स की नौकरी ज्वाइन कर चुके हैं। हाल ही में जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। वायुसेना के एक अधिकारी ने बताया कि पायलटों के पलायन को रोकने के लिए नए कदम उठाए जा रहे हैं और उनके कल्याण में सुधार की कोशिश की जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2017 से मार्च 2026 तक 896 कुशल वायुसेना पायलटों ने स्वेच्छा से नौकरी छोड़ी। वायुसेना कुशल पायलट उन पायलटों को मानती है जिनके पास 8 से 17 सालों का अनुभव होता है और जो खुद आपरेशन संचालित करने के साथ–साथ जूनियर पायलटों को प्रशिक्षण देने में सक्षम होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना पायलटों ने अपनी नौकरी छोड़ी, उनमें 730 फाइटर पायलट

और 148 कार्गो पायलट और 18 हेलीकाप्टर पायलट शामिल हैं। इनमें से 622 पायलट ने कोरियन एयर की नौकरी ज्वाइन की है, जबकि 146 पायलटों ने एशियाना एयरलाइन्स की नौकरी ज्वाइन की, जिसका विलय कोरियन एयर के साथ हो चुका है। इसके अलावा 103 पायलट लो कास्ट एयरलाइंस से जुड़ गए। कोविड–19 महामारी से पहले हर साल करीब 100 पायलट वायुसेना छोड़ते थे, लेकिन 2021 में वैश्विक हवाई यातायात में गिरावट के कारण केवल 7 पायलटों ने ही सेवा छोड़ी। इसके बाद संख्या फिर बढ़ने लगी और इस साला मार्च तक 47 पायलट वायुसेना छोड़ चुके हैं। हालांकि पायलटों के बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने के लिए वायुसेना ने अनिवार्य सेवा अवधि तय की है, जो एयरफोर्स अकादमी से प्रशिक्षित फाइटर और कार्गो पायलटों के लिए 15 साल, जबकि अन्य पायलटों के लिए 10 साल है। ऐसे में अनिवार्य अवधि पूरी होते ही पायलटों ने वायुसेना की नौकरी को अलविदा कह दिया। 2025 के एक सर्वे के मुताबिक सैन्य और वाणिज्यिक पायलटों के वेतन में बड़े अंतर, सैन्य सेवा में ज्यादा जोखिम, लगातार इमरजेंसी ड्यूटी से तनाव वायुसेना छोड़ने के मुख्य कारण बने।

आकाशगंगा मिल्की वे में जमे बर्फ के विशाल भंडार का पता लगाया

वाशिंगटन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिकों ने हमारी आकाशगंगा मिल्की वे में जमी हुई बर्फ के विशाल भंडार का पता लगाया है। यह बर्फ पानी, कार्बन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड का एक जटिल मिश्रण है, जो अंतरिक्ष में मौजूद सूक्ष्म धूल के कणों पर जमा है। यह खोज न केवल हमें यह समझने में मदद करेगी कि पृथ्वी पर पानी कैसे आया, बल्कि यह भी कि ब्रह्मांड में जीवन के लिए आवश्यक बुनियादी तत्व कैसे बनते हैं और फैलते हैं। इस असाधारण खोज का श्रेय नासा के खास स्पेस टेलिस्कोप स्फेरेएक्स (स्पेक्ट्रो–फोटोमीटर फार द हिस्ट्री आफ द यूनिवर्स, एपोक आफ रीआयोनाइजेशन एंड आइस एक्सप्लोरर) को जाता है, जिसे 11 मार्च, 2025 को लान्च किया गया था। यह टेलिस्कोप इंफ्रारेड लाइट का उपयोग करके पूरे आकाश को स्कैन करता है और रसायनों के फिंगरप्रिंट को पहचान कर बता देता है कि सैकड़ों प्रकाश वर्ष दूर

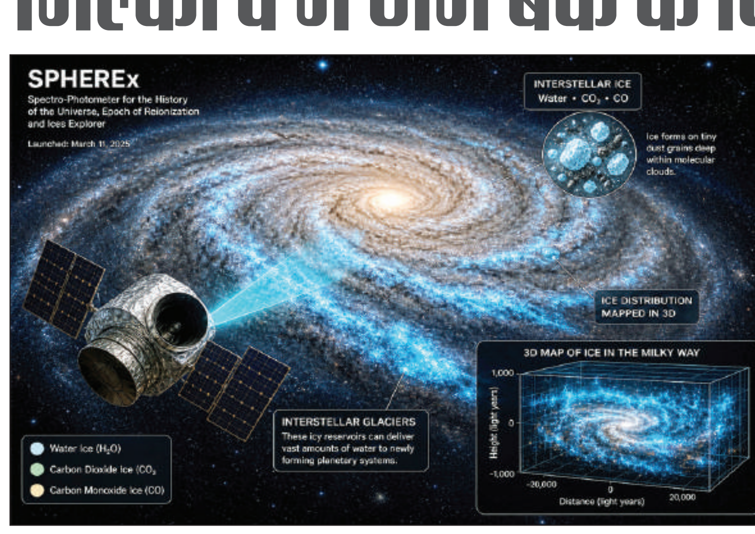

धूल के कणों पर कौन से अणु जमे हैं। स्फेरेएक्स ने पहली बार इतने बड़े पैमाने पर इन बर्फीले क्षेत्रों का मैप तैयार किया है, जिससे हमारी आकाशगंगा में जीवन के निर्माण के लिए जरूरी तत्वों का वितरण स्पष्ट हुआ है। 2025 के अंत तक इसने अपना पहला 3डी मैप पूरा कर लिया था, जिसने वैज्ञानिकों को एक नई दृष्टि दी है। वैज्ञानिकों ने आकाशगंगा के विशाल आणविक बादलों के भीतर धूल के कणों पर बर्फ की मोटी परतें देखी हैं, जो मोमबत्ती की कालिख से भी छोटी होती हैं। मिशन के प्रमुख वैज्ञानिक फिल कोर्नगुट के अनुसार, ये बर्फीले क्षेत्र इंटरस्टेलर ग्लेशियर की तरह काम करते हैं। जब कोई नया सौर मंडल जन्म लेता है, तो ये ग्लेशियर उसे पानी की भारी आपूर्ति कर सकते हैं। यह एक क्रांतिकारी विचार है कि हमारी पृथ्वी पर मौजूद विशाल महासागरों का पानी शायद अरबों साल पहले इन्हीं ठंडे अंतरिक्षीय भंडारों से आया होगा। यह साबित करता है कि जीवन के लिए जरूरी घटक ब्रह्मांड में कोई संयोग नहीं, बल्कि तारों के बनने की प्रक्रिया का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। पहले जेम्स वेब या स्पिट्जर जैसे टेलिस्कोप एक समय में छोटे क्षेत्र या खास तारे पर ही फोकस करते थे, लेकिन स्फेरेएक्स ने पूरे आकाशगंगा का एक व्यापक 3डी मैप तैयार किया है। हार्वर्ड एंड स्मिथसोनियन के खगोलशास्त्री जोसेफ होरा बताते हैं कि अब स्फेरेएक्स पूरे गैलेक्टिक प्लेन में फैली बर्फ को विस्तार से देखने में सक्षम है, चाहे पीछे कोई चमकता तारा हो या न हो। सीएफए के खगोलशास्त्री गैरी मेलनिक के अनुसार, यह टेलिस्कोप विभिन्न वातावरणों में बर्फ के बनने और टूटने की दर को समझने में भी मदद कर रहा है, जिससे हमें यह जानने में सहायता मिलेगी कि किस तरह के तारों के पास पानी वाले ग्रह बनने की संभावना सबसे अधिक होती है। ग्रहों के निर्माण में धूल और बर्फ की जुगलबंदी महत्वपूर्ण है। धूल के कणों पर बर्फ की परत चढ़ी होने से वे आसानी से चिपकते हैं, जिससे धीरे–धीरे कंकड़, चट्टान और अंत में एक पूरा ग्रह बनता है। पर्याप्त बर्फ की उपस्थिति पृथ्वी जैसे वाटर वर्ल्ड का निर्माण कर सकती है। नासा की यह नई मैपिंग हमें उन जगहों की पहचान करने में मदद कर रही है ।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन कारोबार के हिसाब से बहतर हैं लाभ होगा रुकावटें दूर होंगी । आप को अपने तरीकें से ही काम करना चाहिए किसी के दिखावे मे नही आना चाहिए । छात्रों के लिए महनत का समय हैं परिणाम सकारात्मक रहेंगे अनजाने व्यक्ति से निवेश मे सलाहमशवरा करना आपके लिए आर्थिक रूप से समस्या खड़ी कर सकता है । सेवक से बहसबाजी न करें आपकी छवि धूमिल हो सकती है। सूर्य को कनेर के पुष्प से अर्घ्य दें , आय बढेगी शरीर स्वस्थ रहेगा आनंद की अनुभूति होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कार्यालय मे संयम से व्यवहार करना होगा । सरकारी कागजात को सावधानी से पढकर ही काम करना चाहिए । आज नये स्टाफ को जोखिम देने से हानि होगी । मित्रों का व्यवहार आपको पसंद नहीं आएगा आप टेंशन मे आ जाएंगे । पुराने कर्मचारियों से आप खुश होंगे। किसी भी कार्य को अन्तिम रुप देने से पहले बुजुर्गो का आशीर्वाद लेना चाहिए । अपने खराब प्रदर्शन के लिए किसी दूसरे पर आरोप मत डाले घर–परिवार को भी प्रसन्न रखें माता–पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कन्स्ट्रक्शन के कारोबार मे निवेश करें लाभदायक रहेगा । कोई नया काम शुरू कर सकते हैं, सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक लाभ भी ठीक–ठाक रहेगा । दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनेगा समय बहुत मौज मस्ती मे जायेगा । एक ही लक्ष्य लेकर कार्य करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे । कुछ घरेलू मामलों को सुलझाया जा सकता है । किसी भी तरह के नकारात्मक विचार आने से पहले ही कार्य को अन्तिम रुप देदें

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज समय का साथ मिलेगा आप सौभाग्यशाली रहेंगे । भविष्य के संबंध में कोई निर्णय लेना उचित होगा । आप का अथक परिश्रम आप को सफलता की सिढी पर ले जाएगा इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए हर्षोल्लास का समय हैं छात्र पुरस्कृत होंगे । अपने से छोटो को पहले मौका देना आप की पद और प्रतिष्ठा मे बढोत्तरी करेगा । आप को अर्थ का लाभ होगा। मंदिर मे देवमूर्ति को साष्टांग दण्डवत प्रणाम करना चाहिए

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन की शुरुआत धरती को छूकर प्रणाम करके करें । अपने काम की अहमियत को समझना होगा और मजबूती से कदम आगे बढाना होगा । आज सबसे पहले रुके हुए काम पूरे करना चाहिए, जो काफी महत्वपूर्ण है और आप को सरकारी दण्ड से भी बचाएगा । अगर कोई बात उलझ गई हो तो , निःसंकोच बातचीत से ही उसे ठीक करें, तो यह सही होगा । आप को अपना काम बहुत ही समझदारी से करना चाहिए । अपने माता–पिता से किसी को भी बात को गुप्त नही रखना हैं । आप एक अच्छे मित्र के रूप में प्रदर्शित होंगे ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज सबसे पहले अपने घर की जरुरतों को पूरा करें तत्पश्चात अपने व्यवसाय मे निवेश करें वर्तमान सुखमय बितेगा भविष्य के लिए चिंता मुक्त होंगे । विरोधियों से सावधान रहना होगा आप के होते हुए काम बिगाडेंगे । आने वाला समय आप का होगा आप को मित्रों का पूरा समर्थक रहेगा । शिक्षा क्षेत्र मे बाधा आ सकती है। आप एक्सपर्ट के साथ संवाद कर सकते हैं। अपने लक्ष्य को सुनिश्चित करें आप के पूर्व का निवेश भविष्य को फायदा देगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज सदग्रन्थों का अनुसरण करें दिनचर्या मे बदलाव की जरुरत हैं । कारोबार के हिसाब से समय सकारात्मक हैं अपने स्टाफ पर भरोसा रखना होगा आप को बेफिक्री रहेगी । कामर्स के छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी महनत का सही परिणाम आएगा । बिगडे हुए काम आने वाले समय मे बनेंगे बस आप को निरंतर प्रयास करते रहना होगा ऑफिस पर ओवर टाइम होगा । किसी से हाथ पैसा लेना पडेगा परन्तु जल्दी ही आप चुका भी देंगे । कबूतर को दाना डालें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन आप के लिए सौभाग्यशाली है। आज नया कारोबार चालू करने सही समय हैं । कुछ पुराने कामों मे दिक्कतें जरूर आ सकती हैं उस को अच्छी तरह से समझकर सुलझा लें। आज शिक्षकों को छात्रों पर महनत करनी पडेगी तभी परिणाम अच्छे आंएगे । अपने निवेश का लेखाजोखा आप को ही रखना होगा नये और अपरिचित स्टाफ पर पूरा भरोसा करना नुकसानदेह साबित होगा । आप किसी भी तरह की यात्रा का योग बन रहा हैं गुड का सेवन करके प्रस्थान करें । मित्रो के साथ लम्बी बातचीत हो सकती हैं । आज नंदी महाराज को गुड खिलाए रोगमुक्त रहेंगें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप बैंकिंग मे कार्यरत है तो आप का पदोन्नति के साथ ट्रासफर हो सकता हैं आप के बैलेंस शिट में सुधार होगा मुनाफे के साथ स्थाई धन बढेगा । धार्मिक माहौल का आनंद मिलेगा बच्चों के स्वभाव मे अच्छे संस्कार का बदलाव देखने को मिलेगा । आज सामाजिक काम व्यस्तता रहेगी आप अपनी चतुराई से घरेलू समस्याओं को हल निकालने मे सक्षम होंगे । कुछ जातक नौकरीपेशे मे ही अपनी जीविका तलाशेंगे और रिस्क लेने से दूर ही रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

कपडे का व्यवसाय करने वालो के लिए समय मध्यम हैं न लाभ होगा और न हानि बनेगी । नौकरीपेशे से जुडे हुए हैं तो आप को संयम रखने की बहुत जरूरत हैं आप के भाई और बहन के रिश्तों मे कुछ अनबन हो सकती हैं परन्तु आप को अपने पर नियंत्रण रखना पडेगा और रिश्तों को सुध–रते हुए साथ चलना होगा आज स्वास्थ्य दिक्कतें आ सकती हैं कमर के भाग मे कुछ तकलीफे बन सकती हैं डीनर के बाद कुछ कदम चलें हाजमा मजबूत होगा और तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप लिखने का शौक रखते हैं तो आप को नये आफर मिल सकते हैं आप कोई कम्पनी के साथ अनुबंध भी कर सकते हैं आप की प्रतिष्ठा भी बढेगी । परिवार में बनी सुख शान्ति आप को बरकरार रखनी होगी । आप को सबका साथ लेकर चलना होगा । आप के बच्चे परीक्षा मे अच्छे परिणाम लाएंगे आप को गर्व का एहसास होगा । कर्ज लेने से पहले अपनी आय का स्रोत भलीभांति देखले और समझले। रोज गाय और कुत्ते को रोटी खिलाए आमदनी का जरीया बढेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन सफल बनाना है तो गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए । छोटी कन्या के चरण छूकर आशीर्वाद ले और कुछ उपचार दें आप कर्ज मुक्त होंगे । घर की साफ सफाई मे दिन गुजरेगा । लैव मैरेज के पूरे चांस बन रहे हैं अपने मन की बात घर वालो को बताने मे आप घबराएंगे नही आत्मविश्वास पूरा जोरों पर हैं । व्यापार मे भी समय साथ रहेगा आप निडर होकर निर्णय लेंगे । रिश्तेदारी मे कोई दावत का निमंत्रण मिलेगा आप पूरे परिवार के साथ शिरकत करेंगे पूरा लुत्फ लेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 बुधवार 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रात: 07:54 तक
नक्षत्र : मूल सायं 03:54 तक
योग : सिद्ध रात्रि 01:11 तक
करण : बालव प्रात: 07:54 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40, सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 03:54 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मंचेरियाल में धान खरीद केंद्रों का निरीक्षण कलेक्टर दीपक ने दिए संचालन के निर्देश

मंचेरियाल, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार द्वारा स्थापित खरीद केंद्रों के माध्यम से किसानों से निर्धारित मानकों के अनुसार धान की खरीद की जा रही है। मंगलवार को उन्होंने भीमाराम मंडल के पोलमपल्ली गांव स्थित धान खरीद केंद्र का निरीक्षण कर पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया।

कलेक्टर ने बताया कि किसानों के हित में सरकार समर्थन मूल्य पर धान खरीद रही है और किसानों को अपना धान निर्धारित नियमों के अनुसार ही केंद्रों पर लाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीद केंद्रों पर पेयजल, छाया, तौल मशीन, पैडी क्लीनर सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने कहा कि किसानों का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर आधार कार्ड के माध्यम से सत्यापन किया जाए तथा भूमि क्षेत्र और उपज की जानकारी की जांच की जाए। साथ ही धान की गुणवत्ता भी मानकों के अनरूप सुनिश्चित की जाए।कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि खरीदे गए धान का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा किया जाएगा।

इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त कलेक्टर रामुलु ने दिए धान खरीद केंद्रों के संचालन के निर्देश

मंचेरियाल, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) वी. रामुलु ने निर्देश दिया कि खरीद केंद्रों पर किसानों से निर्धारित मानकों के अनुसार ही गुणवत्ता युक्त धान की खरीद की जाए। मंगलवार को उन्होंने लक्षेट्टीपेट मंडल के मिट्टापल्ली स्थित विभिन्न राइस मिलों का निरीक्षण कर प्रबंधन को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में समर्थन मूल्य पर धान खरीद रही है और खरीदे गए धान को निर्धारित प्रक्रिया के तहत राइस मिलों तक पहुंचाया जा रहा है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो, यह सुनिश्चित करना जरूरी है।

अतिरिक्त कलेक्टर ने जनारम मंडल के विभिन्न धान खरीद केंद्रों का भी दौरा किया और किसानों से बातचीत की। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे बिना नमी और अशुद्धियों वाला धान ही केंद्रों पर लाएं। साथ ही केंद्र संचालकों को निर्देश दिया कि केवल निर्धारित गुणवत्ता (एफएक्यू) वाला धान ही खरीदा जाए और किसानों के लिए पेयजल, छाया जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मंचेरियाल के किसानों की समस्याओं पर चर्चा

पीएम मोदी की जनसभा की तैयारी पर भाजपा नेताओं की बैठक

मंचेरियाल, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कसेटी नागेश्वर राव ने हैदराबाद में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के आवास पर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर मंचेरियाल जिले में किसानों को अनाज की बिक्री में आ रही दिक्कतों पर चर्चा हुई और जिले के कई मुद्दों, जिनमें पार्टी संगठन और जन मुद्दे शामिल हैं, पर जातिगत दृष्टिकोण से विचार किया गया।

उन्होंने कहा कि इस महीने की 10 तारीख को हैदराबाद के परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में मंचरियाल जिले से अधिक से अधिक लोगों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सभा के लिए जल्द ही विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की जाएगी और नरेंद्र मोदी की सभा का प्रचार 10 तारीख तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस अभियान की घोषणा जल्द ही की जाएगी और प्रत्येक कार्यकर्ता को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि नरेंद्र मोदी सभा का अभियान 10 तारीख तक जारी रहे और लोगों को स्वेच्छा से सभा में शामिल होने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाए। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता कसेटी नागेश्वर राव, तुला मधुसूदन राव, बोलिसेट्टी तिरुपति दास्य नायक श्रीनिवास रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

यादगिरीगुट्टा मंदिर विकास से भूमिहीन किसान, अब न्याय की मांग

यादाद्री भुवनगिरी, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादगिरीगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के विकास कार्यक्रम में भागीदार भूमिहीन किसान अपनी कहानी लेकर सामने आए हैं। उनका कहना है कि मंदिर विस्तार के नाम पर उनकी ज़मीन और रोज़ीरोटी दोनों चली गई, लेकिन वादे अभी तक पूरे नहीं हुए। ऊपर बताई गई बातों को ध्यान में रखते हुए, हम स्थानीय किसान हैं। यादगिरीगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के रेस्टोरेशन प्रोग्राम के तहत, हमने सरकार के आदेशों का पालन करके और मंदिर के विकास में सहयोग करके अपनी ज़मीन दे दी और भूमिहीन किसान बन गए। हमें सरकार के आदेशों को नज़रअंदाज़ किए बिना करोड़ों रुपये की ज़मीन दी गई थी, इस उम्मीद में कि वे हमें पहाड़ी पर मंदिर में व्यापार करने के लिए दुकानें और नौकरी देंगे।

हमें केवल उस ज़मीन के पैसे दिए गए, जो सरकारी मुआवज़े के तहत ली गई थी। लेकिन किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। मौजूदा हालात में हमने अपने परिवार की रोज़ीरोटी खो दी है। हमने रोज़ीर–ोटी कमाने के लिए अपने शहर छोड़ दिए हैं और रोज़ के काम करके दूर रह रहे हैं। कुछ और लोगों की जान चली गई है और वे मर गए हैं। उनकी ज़मीन चली गई है और वे अब खेती नहीं कर सकते या उनके पास नौकरी के मौके नहीं हैं।

हमने जो ज़मीन दी थी, उसका इस्तेमाल मंदिर के व्रत मंडप, गाड़ी पूजा, अन्नदान कॉम्प्लेक्स, हेलीपैड, गोदाम और गाड़ी पार्किंग बनाकर भक्तों को सुविधाएँ देने के लिए किया जा रहा है। हम, ज़मीनहीन लोग, सड़क पर आ गए हैं।

पेद्दापल्ली में मेगा जॉब ड्राइव आज

68 कंपनियां भाग ले रहीं हैं, 3439 पदों पर बंपर वैकेंसी

पेद्दापल्ली, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली डिस्ट्रिक्ट के युवाओं के लिए रोज़गार के मौके और बढ़ाने के लिए, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन, टास्क और डीईईटी मिलकर 6 मई को पेद्दापल्ली शहर में आरटीओ ऑफिस के सामने वेंकट पद्मावती कन्वेंशन हॉल में एक मेगा जॉब ड्राइव आयोजित कर रहे हैं, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने एक बयान में कहा।

इस जॉब ड्राइव में कुल 68 ऑर्गनाइज़ेशन हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें लगभग 20 लोकल ऑर्गनाइज़ेशन और 48 नॉन–लोकल ऑर्गनाइज़ेशन शामिल हैं, और लगभग 3439 जॉब के मौके उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि सैलरी 18,000/– से शुरू होगी और 80,000/– तक जाएगी। उन्होंने बताया कि ये मौके टेलीकॉम और कम्युनिकेशन, कस्टमर सपोर्ट और बीपीओ, सेल्स और मार्केटिंग, डिजिटल सर्विसेज़, फील्ड एसोसिएट जैसे अलग–अलग सेक्टर में मौजूद हैं।

उन्होंने जिले के युवाओं को सलाह दी कि वे इन मौकों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करें। कलेक्टर ने कहा कि इसका मुख्य मकसद उन्हें सही रोज़गार के मौके देना है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे इस तरह के जॉब ड्राइव के ज़रिए नौकरी पाएं और टास्क और डीईईटी के ज़रिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे अलग–अलग प्रोग्राम के ज़रिए अच्छे लेवल तक पहुंचें।

उन्होंने कहा कि एसएससी, इंटर, आईटीआई, डिप्लोमा, डिग्री, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, चइअ वगैरह क्वालिफिकेशन वाले कैंडिडेट इस प्रोग्राम में हिस्सा ले सकते हैं।

उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे इस मेगा जॉब ड्राइव को एक अच्छा मौका समझें और ज़्यादा से ज़्यादा संख्या में शामिल हों। उन्होंने कहा कि कैंडिडेट अपने रिज्यूमे के साथ आधार और डीईईटी पोर्टल पर रजिस्टर करें और शामिल हों।

उन्होंने कहा कि रोज़गार पाकर जिले के युवा न सिर्फ़ अपने परिवार की फाइनेंशियल हालत सुधारेंगे बल्कि जिले के ओवरऑल डेवलपमेंट में भी हिस्सा लेंगे।

इसके लिए, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने जिले के सभी युवाओं से बड़ी संख्या में हिस्सा लेने और इस मौके का फ़ायदा उठाने को कहा।

विश्व हंसी दिवस : हंसी स्ट्रेस कम करती है : डॉ. गंगाम्बिका अक्का

बीदर में विश्व हंसी दिवस पर खास आयोजन

बीदर, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीदर के पापनाश लाफ्टर योग कूटा के तत्वाधान में रविवार को बीदर के बरीद शाही गार्डन में विश्व हंसीं दिवस खास तौर पर मनाया गया। डॉ. गंगाम्बिका अक्का ने बसवन्ना की तस्वीर की पूजा करके और पौधों को पानी देकर प्रोग्राम की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा, हंसी भगवान का इंसानों को दिया हुआ एक कीमती तोहफा है। खुलकर बात करना और हंसना हेल्दी लाइफ के लिए ज़रूरी है।

उन्होंने कहा कि हंसी स्ट्रेस कम करती है और मेंटल बैलेंस बनाए रखती है। बारहवीं सदी के बसवादी शरणों ने भी लोगों को हंसाने के काम को बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि बुज़ुर्गों का अनुभव समाज के लिए बहुत कीमती है। उनका सम्मान करना और उनकी रक्षा करना हमारा फ़र्ज़ है।

बाद में बोलने वाले अमरनाथ सोलापुर ने सेहत पर हंसी के अच्छे असर के बारे में बताया। मेंटल स्ट्रेस कई बीमारियों का एक बड़ा कारण है। उन्होंने कहा कि हंसी इसे कम करने में मददगार है।

प्रोग्राम में शामिल बुज़ुर्गों ने कई मज़ेदार कहानियाँ और चुटकुले सुनाकर सबको हंसाया।अ इस मौके पर, डॉ. गंगाम्बिका अक्का ने अक्कमहादेवी महिला हंसि योग कूट का उद्घाटन किया और एसोसिएशन के प्रेसिडेंट, वाइस प्रेसिडेंट और दूसरे पदाधिकारियों को सम्मानित किया।

इस मौके पर, सिद्धय्या कवडीमठ, गंगप्पा सावले, शंकरराव चिद्री, अशोक कुमार करंजी, सुनील गंगाश्री, योगेंद्र यदलापुरे, एस.बी. बिरादर, देशप्पा बोरुगुड्डे, पंचाक्षरी मल्लिकार्जुन, अशोक शलाक्के, शिवराज बुक्का और कई दूसरे लोग मौजूद थे।

बेल्लमपल्ली में मारवाड़ी युवा मंच की मानवीय पहल

अनाथ शव के अंतिम संस्कार में सहयोग

बेल्लमपल्ली, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीआरपी पुलिस ऑफिसर ने मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व पअध्यक्ष ओम प्रकाश मारू को फोन करके बताया कि रविवार सुबह बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन पर अंजान रेल की एक्सीडेंट में एक अनजान व्यक्ति की मौत हो गई है। उन्होंने बेल्लमपल्ली शाखा अध्यक्ष कृष्णकांत सोनी को इस दुखद घटना के बारे में बताया। बिना किसी देरी के, ओम प्रकाश और उनकी टीम ने तुरंत अनजान व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार राशि का सहयोग किया और अंतिम संस्कार मे भाग लिया। नगर वासियों ने मारवाड़ी युवा मंच को उनकी सामाजिक सेवाओं के लिए बधाई दी।

मानव अधिकारों पर शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता

30 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करें

आसिफाबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरिता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मानव अधिकारों पर आधारित शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक नागरिक 30 जून 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आयु की कोई सीमा नहीं है। इच्छुक व्यक्ति अपनी प्रविष्टियाँ गूगल ड्राइव के माध्यम से तैयार कर hhrcshortfilmgmail.com पर भेज सकते हैं।

प्रतियोगिता में विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। जिनमें– प्रथम पुरस्कार: 2,00,000, द्वितीय पुरस्कार: 1,50,000 और तृतीय पुरस्कार: 1,00,000 शामिल है।

कलेक्टर हरिता ने जिले के नागरिकों से अपील की कि वे मानव अधिकारों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लें और अपनी रचनात्मकता प्रस्तुत करें।

मंचेरियाल में किसान सप्ताह में कलेक्टर दीपक ने दिया आधुनिक कृषि का मार्गदर्शन, बीज किट भी वितरित

मंचेरियाल, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि किसान यदि वैज्ञानिक खेती की विधियों को अपनाएं तो अधिक उत्पादन प्राप्त कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकते हैं। मंगलवार को चेन्नूर मंडल मुख्यालय में आयोजित किसान सप्ताह कार्यक्रम में उन्होंने किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि एक ही प्रकार की फसल बार–बार उगाने से भूमि की उर्वरता कम हो जाती है, इसलिए फसल चक्र अपनाना आवश्यक है। किसानों को सब्जियां, दालें तथा अन्य नकदी फसलों की खेती पर ध्यान देने की सलाह दी गई। वर्तमान बाजार में कच्चे चावल की मांग अधिक होने के कारण पतले धान की खेती को लाभदायक बताया गया। इस पर सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ 500 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जा रहा है।

कलेक्टर ने ऑयल पाम जैसी कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया और उर्वरकों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कृषि और उद्यान विभाग के अधिकारी किसानों को हर समय मार्गदर्शन देने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस अवसर पर किसानों को बीज किट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम से पहले कलेक्टर ने चेनूर में निर्माणाधीन 100 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों एवं भोजन–शाला के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने सोमणपल्ली में प्रस्तावित आवासीय विद्यालय के निर्माण कार्यों की समीक्षा भी की।

कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी और किसान उपस्थित रहे।

शादी में बारिश का होना कैसा शगुन होता है

मौसम कैसा होगा-सबको चिंता होती है कि कहीं बारिश आफत ना बन जाये। लोगों को चिंता रहती है उस दिन मौसम खराब या अप्रत्याशित ना हो जाये इसलिए लोग भावी मौसम की भविष्यवाणी जानते रहते हैं।

शादी है खुशी का दिन-आपकी शादी का दिन आपके जीवन का सबसे खुशी का दिन होना चाहिए। यह दिन प्यार, खुशी, आशा, उम्मीद, और उत्साह से भरा हुआ होना चाहिए।

बारिश फलदायी है-बारिश से सूखे स्थानों को पानी मिलता है, फसलें लहलहाती हैं, इस प्रकार बारिश फलदायी है और इसे अच्छे भाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे ध्यान रखते हुये शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छी किस्मत की निशानी माना जाता है।

बारिश कई अच्छी चीजों की प्रतीक है-आपके जीवन के इस खास दिन पर होने वाली बारिश को कई कारणों से अच्छे भाग्य की निशानी माना जाता है। बारिश आशीर्वाद, सफाई, एकता, और एक नई शुरुआत की प्रतीक है।

कुछ संस्कृतियों में इसे परिवार के बढने की प्रतीक भी माना जाता है। इन सभी सकारात्मक कारणों से शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छा शगुन माना जाता है। आपका क्या मानना है।

आशा और आशीर्वाद-बारिश आशीर्वाद की प्रतीक है, और हर कोई अपनी शादी में आशीर्वाद प्राप्त करना चाहता है। आशीर्वाद आशा और समर्थन का सूचक है। जब आप एक नई संभावनाओं के साथ नई शुरुआत करने जा रहे हों तो आपको आशावादी जरूर होना चाहिए।

समृद्धि-आशीर्वाद, शारीरिक और भौतिक दोनों अर्थों में समृद्धि का प्रतीक है।

एक खुशहाल जीवन की आशा में, शादी के दिन होने वाली बारिश को अच्छे भाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

नई शुरुआत-बारिश के बाद हर चीज साफ हो जाती है और हर चीज तरोताजा एवं नई नजर आती है। जो लोग शादी करने करने जा रहे हैं वो भी नए सपने बुनते हुये एक साथ एक नई जिंदगी बसर करने जा रहे हैं। बारिश एक नई शुरुआत की सूचक है।

परिवार के बढने का संकेत-इसके साथ ही बारिश परिवार के बढने का संकेत है। पानी से चीजें उगती और बढती हैं। लोगों को उम्मीद होती है शादी के बाद उन्हें बच्चों की प्राप्ति होगी। इसलिए कुछ संस्कृतियों में माना जाता है बारिश नवयुगल के बच्चे पैदा होने और परिवार बढने का संकेत है, इसलिए यह एक प्रकार का आशीर्वाद है।

भौतिक संपत्ति-चीजों में वृद्धि होने तात्पर्य भौतिक धन-धान्य से है इसलिए यह प्रचुर मात्रा में संसाधनों, उत्पादकता, और एक अच्छी फसल आदि का प्रतीक है।

एकता-शादी के दिन बारिश होने को एकता का सूचक भी मान सकते हैं। इसके पीछे तर्क यह है कि शादी वाले आपस में गठजोड़ करते हैं यानि कि ''गाँठ बांधते हैं।''

भारतीय महिलाएं क्यूं लेती हैं अपने सिर पर घूंघट

हमारे भारतीय समाज में महिलाओं को हमेशा समाजिक परंपराओं को निभाते और मानते हुए देखा गया है, जैसे कि वे हमेशा ही पारंपरिक कपडे, और गहने, पहनती हैं, माथे पर बिंदी लगाती हैं और सर पर घूंघट लेती हैं। भारत में महिलाओं दूारा सिर को ढकने की प्रथा ने हमेशा ही हमारे अंदर जिज्ञासा बढाई है, खासतौर पर उन लोगों के लिये जो भारतीय संस्कृति से बिल्कुल अलग हैं। हिंदू परंपराओं के पीछे छुपे विज्ञान को समझना है जरुरी सिर पर घूँघट डालना अपने से बडों के सम्मान के रूप में देखा गया है, इसलिए महिलाएं अपनों से बडों के सामने अक्सर घूँघट करती हैं। शहरों में यह कुछ कम देखने को मिलता है मगर गांवों में आज भी महिलाएं अपने सर, चेहरा और गर्दन को पुरुषों से ढांक के रखती हैं।

भारतीय महिलाएं घूँघट क्यों लेती हैं।

क्या कहता है हिंदू ग्रंथ: आपको यह जान के आश्चर्य होगा कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में महिलाओं को पर्दे में रहने का कोई उल्लेख नहीं है। यहां तक कि पूजा के समय भी सर पर घूँघट रखना जरूरी नहीं है। भारतीय महिलाएं क्यूं पहनती हैं नोज रिंग सुरक्षा के कारण: कुछ धर्मो में पर्दा रखना इसलिए जरुरी है, क्योंकि यह माना जाता है कि अगर महिलाएं खुद को पर्दे में रखेंगी तो वे अन्य पुरुषों से सुरक्षित रहेंगी। महिलाएं केवल अपने पति या पिता के सामने बेपर्दा हो सकती हैं।

मुस्लिम का आक्रमण: महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज मुस्लिम शासन के बाद से हुआ है। भारत में राजपूत शासन के दौरान महिलाओं को आक्रमणकारियों के बुरे इरादों से बचाने के लिए उन्हें पर्दा में रखा जाता था। इसका सबसे बडा उदहारण हैं चित्तौड की रानी पद्मिनीजिनकी खूबसूरती को देख कर अल उद दीन खिलजी ने उन्हें पाने के लिए चित्तौड पर आक्रमण कर था। लेकिन रानी पद्मिनी ने जौहर का प्रदर्शन किया और दुश्मन के चंगुल से बचने के लिए खुद को आग के हवाले कर दिया। तब से भारत में महिलाओं को पर्दे में रखने का रिवाज शुरू हो गया। घूँघट का अस्तित्व मध्यकालीन के बाद से आया है, उस वक्त इसकी आवश्कता थी लेकिन समय के साथ इसे महिलाओं के ऊपर थोपा जाने लगा।

क्या हैं यमराज द्वारा बताये मृत्यु रहस्य

हम सभी जानते हैं कि हम अमर नहीं हैं और एक दिन हमें मरना है। काल की घडी में धनी राज या भिखारी का एक ही स्थान है। जब भी मृत्यु का विषय आता है, चर्चा काफी रोचक हो जाती है क्योकि सभी मृत्यु के बारे में और जानना चाहते हैं। लोग मृत्यु के बारे में सब कुछ जानने के लिये जिज्ञासु हो जाते हैं। जो लोग ऐसी चीजों के बारे में जानना चाहते हैं वो सही जगह पर आये हैं क्योकि बोल्डस्की मृत्यु के देवता यमराज द्वारा मृत्यु के बारे में बताये गये कुछ छिपे रहस्यों को उजागर कर रहा है। प्रचीन धर्मग्रन्थों के अनुसार मृत्यु और आत्मा के रहस्यों के बारे में यमराज और नचिकेत नामक बालक के बीच चर्चा हुई थी। क्या है हिन्दु धर्म में मृत्यु का संकेत यहाँ पर कुछ रहस्यों को उजागर किया जा रहा है जिन्हें मृत्यु के देवता यमराज द्वारा नचिकेत को बताया गया था।

नचिकेत के वरदान-

जब नचिकेत यमराज से मिलने गये तो उन्हों ने तीन वरदान माँगे। पहले वरदान में पिता के प्रेम की कामना, दूसरे में अग्नि विद्या का ज्ञान और तीसरे में मृत्यु और आत्मा का ज्ञान माँगा। यमराज अन्तिम वरदान को नहीं पूरा करना चाहते थे लेकिन बालक ने हठ किया। इसलिये यमराज मृत्यु के बाद क्या होता है, इसके रहस्योद्घाटन के लिये तैयार हो गये।

रहस्योद्घाटन -

धर्मग्रन्थों के अनुसार यमराज ने बताया कि ओउम (ओंकार) परमात्मा का स्वरूप है। उन्होंने यह भी बताया कि मनुष्य के हृदय में ब्रहमा का वास होता है।

आत्मा -

यमराज ने कहा कि आत्मा मनुष्य की मृत्यु के बाद भी नहीं मरती। संक्षेप में, शरीर का आत्मा के विनाश से कोई सम्बन्ध नहीं है। आत्मा कभी जन्म नहीं लेती न मरती है।

ब्रहमरूप -

मृत्यु के बाद मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र को पूरा करता है। इसका मतलब यह है कि मनुष्य जन्म-मत्यु के चक्र अर्थात ब्रहम रूप से मुक्त हो जाता है।

ईश्वरीय शक्ति -

यमराज ने कहा कि जो लोग ईश्वर में आस्था नहीं रखते और नास्तिक होते हैं वे मृत्यु के बाद भी शान्ति की तलाश में रहते है। उनकी आत्मायें भी शान्ति की तलाश करती है।

हम क्यूं चढाते हैं सूर्य देवता को जल

हमारे माता- पिता और दादा-दादी हमें बचपन से सिखाते आये है की सुबह जल्दी उठो और सूर्य को जल चढाओ ऐसे समाज में जहाँ हम संस्कारों, विश्वाशों और मान्यताओं को मानते हैं वहाँ या जानना जरूरी है कि सूर्य को जल चढाना वाकई में लाभप्रद है या एक झूठी मान्यता है।

अनेकों शोधकर्ताओं ने लोटे से सूर्य को जल चढाने के वैज्ञानिक कारण बताये हैं। जब हम दोनों हाथ सूर्य की ओर ऊपर करके लोटे से जल प्रवाहित करते हैं तो लोटे से बहुत हल्की धार नीचे आती है और हम सूर्य की तेज किरणों के कारण उसकी तरफनहीं देख सकते हैं। जब कि हमारे पूर्वज प्रात: काल की बेला में जब सूर्य उदय होता है तो बडे किनारों वाले बर्तन से सूर्य को जल चढाते थे कुछ धर्मों में क्यूं वर्जित है प्याज, लहसुन और मदिरा का सेवन जब वे सूर्य की ओर जल चढाते थे तो गिरते हुए पानी में आँखों के सामने सूर्य की परछाई दिखाई देती थी इससे हमारे पूर्वज ओर साधू संत सूर्य के दर्शन कर लिया करते थे।

इससे सूर्य की किरणें बहते पाने से फिल्टर होकर आती थी जो कि ना केवल आखों के लिए अच्छा है बल्कि इससे हमारे पूर्वजों को शरीर और आत्मा में नई ऊर्जा का संचार होता था।

वैज्ञानिकों के अनुसार सुबह के समय सूर्य की किरणे मनुष्य के लिए लाभकारी है क्यों कि हमारा शरीर ऊर्जा से बना है और एक प्रकाश पुंज की भांति है। मनुष्य का शरीर हवा (वायु), पानी (जल), धरती (पृथ्वी), अग्नि (एनर्जी) और अंतरिक्ष (आकाश) से मिलकर बना है इसलिए शरीर की बिमरियों का ईलाज इन पांच तत्वों में निहित है और उगते हुए सूर्य की किरणें इनमे से एक हैं। सूर्य की किरणों में बहुत सी बिमारियों का ईलाज संभव है जैसे कि हार्ट की बीमारियां, आँख, पीलिया, कुष्ठ और कमजोर दिमाग से सम्बंधित बीमारियां हिंदू क्यूं नहीं खाते गोमांस ऋग्वेद में कहा गया है कि सूर्य हमें जगाता है। इसी के कारण हम एक्टिव रहते हैं और काम कर पाते हैं। सारा चराचर जगत सूर्य पर निर्भर है। सूर्य शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कमजोरियों को हटाकर हमें स्वस्थता और लम्बी उम्र प्रदान करता है। सूर्य के सात रंग स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

यदि व्यक्ति सुबह नहा-धोकर पूजा अर्चना करे और इसके बाद सन- बाथ ले यानि सूर्य की किरणों को अपने ऊपर आने दे तो इससे शरीर को रोगमुक्त रखा जा सकता है और बुद्धिमता भी बढाई जा सकती है।

दूसरी तरफ कुछ लोगों की मान्यताएं हैं कि सूर्य प्यासा नहीं है और क्या इस तरह हमारा जल सूर्य तक पहुँचता है। इसको सिद्ध करने के लिए एक संत ने गंगा के किनारे पानी को निकलने के लिए 2-3 फीट का एक रास्ता बना दिया जब लोगों ने पुछा कि वह गंगा के पवित्र पानी को खराब क्यों कर रहा है तो संत ने कहा कि उसने पानी को अपने खेतों की और मोडा है। अन्य संतों ने क्रोधित होकर कहा कि पानी ऐसे उसके खेतों तक कैसे जा सकता है तो संत ने मुस्कुराते हुए कहा कि तो क्या तुम्हारे द्वारा सूर्य को चढाया हुआ जल क्या उस तक पहुँचता है।

फिर भी 'अर्घ्य' के बारें में हम कौनसी मान्यता को मानें और दो दार्शनिकों में मतभेद बरकरार रहता है।

दुनिया में हर चीज है नश्वर

दुनिया में हर काम में लोग सेवानिवृत्त हो जाते हैं, इसलिए नहीं कि उनमें समझ नहीं रहती है बल्कि वो उस तक अक्षम्य होते जाते हैं, उस काम को करने में, उस काम को उस तरीके से समझने में, उसकी आधुनिकता को समझने में। अगर आप भी किसी काम को बखूबी करने के बाद अचानक से उसमें गिरावट महसूस करते हैं तो समझें कि शायद आपको उसमें भी कुछ नयापन लाने की जरूरत है या फिर आपको उस काम सेवानिवृत्ति ले लेनी चाहिए। दुनिया में जो भी निर्मित है, जिसका भी निर्माण किया गया है, सभी में अध्यात्म का सार होता है, सभी के जीवन का एक चक्र होता है। एक सम्पूर्ण जीवन के बाद उसे खींचना या जबरन इस्तेमाल करना या चलाना सिर्फ मनुष्य की जिद होती है।

सम्पूर्णता होने के बाद संभावनाओं के बारे में सोचना गलत नहीं है लेकिन उसे पाना गलत है। दुनिया में हजारों लोग इस भंवर में फसे रह जाते है, उन्हे समझ नहीं आता है कि यर्थाथ क्या है,सत्य क्या है। कई बार तो वे सत्य जानते हुए भी दूर भागते हैं। खुद को मूर्ख बनाने से बेहतर है कि आपका जीवन के प्रति उठाया गया हर कदम सटीक और भावपूर्ण हों, उसमें कोई आशा और निराशा न हों। शरीर से परे भी दुनिया में पाने को बहुत कुछ है, खुद को समझें, अपने आप को समझें, अपनी सोच को समझें, जो देखा है, दिखा हुआ है, समझा हुआ है, उसे समझकर क्या करना। जो इंसान शरीर को समझता है, उसे लगता है दुनिया में शरीर ही सबकुछ है, उसे बुढापे से डर लगता है, क्योंकि उसे अनुभव से प्यार नहीं होता है। शरीर का बूढा होना समस्या नहीं है, यह तो आर्शीवाद है लेकिन हम इससे ही कतराते हैं क्योंकि हम दुर्बल हो जाते हैं। मछली-जब एक बार आप जीवन में उच्च शिखर पर पहुंच जाते है, तो आपको अपने जीवन की दिशा और ऊर्जा को सही करने का मौका मिलता है, बस उस बिंदु को जिसने समझा वह सच्चा व्यक्ति है। सफलता और सच्चाई में रत्ती भर भी अंतर नहीं है दोनों ही पूरक हैं। लडकी-हर व्यक्ति को याद रखना चाहिए कि जिस दिन उसका जन्म होता है उसी दिन से उसके मरने की स्पीड क्लॉक चलने लगती है, कोई भी नश्वर नहीं होता है। अगर आप एक अच्छे विश्लेषणकर्ता है तो आपको कई बार इसका आभास भी हो जाएगा। अगर आप इन बातों को मजाक मानते हुए शरीर को ही सबकुछ मान लेते हैं तो स्वयं को मूर्ख बनाते हैं। पत्थर-बढती उम्र सिर्फइतना ही नहीं है कि आपका शरीर कांपने लगा है, इसे आप दूसरे तरीके से देख सकते हैं।

आपने इतनी उम्र बिताई, हजारों यादें लोगों को दी और उन्हे प्रेरणा दी, सहारा दिया, प्यार दिया, अच्छे पल दिए , इसलिए जब आखिरी सांसे लें तो मुस्कराएं और सोचे कि जो भी वक्त बिताया वो बेहतरीन था। इस सोच की कमी हमारी गलती नहीं हैं बल्कि हमारी पारंपरिक सोच का नतीजा है, हमारा हर तरीके से न सोचने का परिणाम है। कई बार तो जिंदगी के बुरे अनुभव भी लोग एक-दूसरे के साथ साझा नहीं करते हैं उन्हे लगता है कि इससे बदनामी होगा, उन्हे शायद यह नहीं मालूम होता है कि न अनुभवों से किसी को राह मिल सकती है, किसी को सबक मिल सकता है। पर नही हम कभी ऐसा नहीं करते हैं। हमें अमरता चाहिए, हम डरते हैं कि हम नश्वर है, पर सच ये है कि दुनिया में हर क्षण, हर दिल, हर वस्तु, प्राणी सब कुछ नश्वर है। नाश सभी का होता है पर अनुभव उसे जीवित रखता है। जीवन में मृत्यु में फर्क नहीं होता है, फर्क सोच में होता है।

मां पार्वती के जल से गणेश का अभिषेक

बुधवार को अच्छी बारिश की कामना को लेकर हजारों महिला-पुरुष पार्वती नदी का जल लेकर चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान का जल से अभिषेक किया। उसके बाद विधि विधान से पूजा-अर्चना कर अच्छी बारिश, सुख समृद्धि और अच्छी फसल की कामना की। ज्ञात हो कि हर वर्ष अषाढ के माह में ग्राम पार्वती लोग पार्पती नदी में से जल भरकर व झंडा लेकर हजारों की तादात में पैदल जत्थे के रूप में सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। इस दौरान रास्ते में पडने वाले दर्जनों गांव के लोग उनका स्वागत कर उनके साथ जत्थे में शामिल हो जाते हैं। यह जत्था पार्वती से शुरू होता है, जिसमें पिपलिया नगर, बाबडिया, खजूरी, मूंडला, कराडिया, बक्तल, जगनीखेडी, बिजोरा, बिजोरी, नयापुरा, पीलीखेडी, कोडिया, महोडिया सहित दर्जनों ग्राम के लोग शामिल होते हुए चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचते हैं। जहां पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का अयोजन किया जाता है। यह परम्परा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसमें सभी ग्रामीण बडे सद्भाव और सोहाद्र के साथ हिस्सा लेते हैं, जिसमें बच्चे-बूढे, महिला-पुरुष सभी वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

इस पर्वत पर गिरा था देवी सती का सिर

चंबा-मसूरी मोटर मार्ग पर तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर सुरकुट पर्वत पर सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर स्थित है। मान्यता है कि देवी सती का सिर इस पर्वत पर गिरा था। गंगा दशहरे के मौके पर यहां मेला लगता है, जबकि हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। जब राजा दक्ष ने हरिद्वार कनखल में यज्ञ किया तो उसमें भगवान शिव को आमंत्रित नहीं किया। शिव के मना करने पर भी देवी सती यज्ञ में शामिल होने चली गई। वहां भगवान शिव का अपमान होने पर वे यज्ञ में कूद गई। भगवान शिव को जब यह पता चला तो वह क्रोधित होकर यज्ञ स्थल पर पहुंचे। यहां सती की देह को त्रिशूल में लटकाकर सृष्टि में विचरण करने लगे। इस दौरान सुरकुट पर्वत पर सती का सिर गिरा जिस कारण इसका नाम सुरकंडा पडा। तभी से यह स्थान सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। सिद्धपीठ सुरकंडा मंदिर इकलौता सिद्धपीठ है, जहां गंगा दशहरे के मौके पर मेला लगता है और हर साल नवरात्रि में मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। खास बात यह है कि मंदिर में प्रसाद के रूप में रौंसली (थुनेर) के पत्ते दिए जाते हैं। दूर-दूर से लोग इस सिद्धपीठ के दर्शनों के लिए यहां आते हैं।

बुद्ध संसार के हर प्राणी से इतना प्रेम करते थे

भगवान बुद्ध एक बार उपदेश देने एक गांव में पहुंचे। वहां उनके पडाव का अंतिम दिन था। तब वह उस गांव के एक व्यक्ति के यहां पहुंचे। वो गरीब था। उसके पास भगवान बुद्ध के आतिथ्य के लिए कुछ भी न था। तब उसने घर के बाहर देखा। जहां उसकी नजर बरसात में भीगी लकडियों पर पडी, जिन पर कुकुरमुत्ता(मशरूम) लगे हुए थे। उसने उन्हें तोडा और बडे ही प्रेमपूर्वक उनकी सब्जी बनाई। लेकिन उस गरीब को पता नहीं था की मशरूम काफी कडवे जहर के समान थे। वह बुद्ध से पूछता कि कैसा है भोजन और बुद्ध कहते बहुत ही स्वादिष्ट। मशरूम जहरीले थे। जिसके कारण उसका जहर बुद्ध के शरीर में फैल गया। यह देख उस व्यक्ति ने वैद्य को बुलाया। वैद्य ने बुद्ध से कहा, कि जब आपको मशरूम कडवे लगे तब आपने उस व्यक्ति से क्यों नहीं कहा।

वॉटर थेरपी
जो करे ब्यूटी को बूस्ट

समर सीजन में जहां स्किन टैन हो जाती हैं, वहीं डिहाइड्रेशन से भी प्रॉब्लम होती है। ऐसे में आपके लिए वॉटर थेरपी बेस्ट है। इसके जरिए आप स्किन को फ्रेश रख सकती हैं। खास बात यह है कि इसका हर फॉर्म नैचरल है।

इस समर में अगर ग्लोइंग स्किन चाहिए, तो मेकअप को छोड़ वॉटर थेरपी ट्राई करें। इसमें पानी पीने से लेकर इससे जुड़े ब्यूटी ट्रीटमेंट्स तक शामिल हैं। जानते हैं इसके बारे में...

हाइड्रोस्टेटिक इफेक्ट

पानी में एक्सरसाइज करना काफी रिलैक्सिंग होता है। इस तरह न तो बॉडी का टेंपरेचर बढ़ता है और पसीना भी नहीं आता। इसके अलावा, पानी के हाड्रोस्टेटिक इफेक्ट के कारण मसाज जैसी फीलिंग होती है। स्किन के टच रिसेप्टर्स पर गुदगुदाने जैसा अहसास होता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मसल्स में लचीलापन आता है। यह सब स्किन में ग्लो लाता है।

सुपर हाईड्रेटोर

ब्यूटी एक्सपर्ट लीना चंदा बताती हैं, इस ट्रीटमेंट का यूज ड्राई स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए किया जाता है। इसमें मशीन के जरिए स्किन के अंदर प्रेशर से पानी डाला जाता है। खोए टेक्सचर को लौटाने में भी इस ट्रीटमेंट की तीन से चार सिटिंग ही काफी होती हैं। यह 70 मिनट का ट्रीटमेंट है।

हाइड्रोथेरपी भगाए स्ट्रेस

स्किन स्ट्रेस को दूर भगाने में हाइड्रोथेरपी कारगर है। इससे न केवल स्किन और मसल्स रिलैक्स होती हैं, बल्कि लंग्स, हार्ट और पेट वगैरह भी हेल्दी रहते हैं। दरअसल, स्ट्रेस के दौरान बॉडी की पल्स हार्ड हो जाती है। ऐसे में वॉटर बॉडी पर कूलिंग एजेंट का काम करता है।

मॉडर्न डिटॉक्सिफिकेशन

सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने से डाइजेस्टिव सिस्टम ठीक रहता है, जिससे स्किन हेल्थी रहती है। पेट के पूरी तरह साफ न होने से बॉडी में टॉक्सिन लेवल बढ़ जाएगा, जिससे पिंपल्स हो सकते हैं। इसके अलावा, गुनगुने पानी पीने से ऑयली स्किन से एक्स्ट्रा ऑयल भी क्लीन हो जाता है।

बनिए शॉवर बेबी

शॉवर से बॉडी मसल्स और बॉडी के जॉइंट्स रिलैक्स हो जाते हैं। यही नहीं, स्किन पर पड़ने वाले पानी के ग्लो से ब्लड सर्कुलेशन भी इंपूव होता है।

थकान भगाए यूकेलिप्टर

टेंशन और थकान को दूर करना है, तो यूकेलिप्टर ऑयल लगाएं। इससे तनाव मिनटों में छू हो जाता है और मसल्स को भी रिलैक्स करता है।

बालों की डीप कंडिशनिंग

हेयर की डीप कंडिशनिंग और बॉडी को रिलैक्स करने के लिए इन दिनों वॉटर स्पा थेरपी दी जाती है, जिनमें वाटर स्टीम का यूज किया जाता है। यह 30 से 40 मिनट का प्रोसेस है।

एक्वा रेडियंस

स्किन स्पेशलिस्ट अजय बताते हैं कि इसमें जेट स्प्रे टेक्नॉलजी के जरिए सुपर हाई स्पीड से जरूरत के मुताबिक स्किन में विटामिंस, मिनरल्स और पानी डाला जाता है। निशान, हारमोनल इन्बैलेंस और टेंशन से निजात दिलाने में यह प्रोसेस फायदेमंद है।

स्टीम बाथ

अगर आप टेंस मसल्स और स्ट्रेस के कारण बेचैनी महसूस कर रही हैं, तो ऐसे समय में हॉट शॉवर स्टीम और सोने से अच्छी और क्या बात हो सकती है। इससे स्ट्रेस के साथ-साथ बॉडी की जकड़न और दर्द वगैरह से राहत महसूस होती है।

टमाटर का सूप जितना स्वादिष्ट होता है, खासकर मानसून में उतना ही अधिक फायदेमंद भी होता है। बरसात के मौसम में गर्मागर्म टमाटर सूप शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाता है। टमाटर सूप के फायदे और उपयोग के बारे में बता रही हैं रजनी अरोड़ा

मानसून में फायदेमंद
टमाटर सूप

मधुमेह का प्रहरी

मानसून के मौसम में खाए जाने वाले फ्राइड और चटपटे व्यंजन और मीठे व्यंजन मधुमेह रोगियों में रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा देते हैं। क्रोमियम से भरपूर टमाटर सूप रक्त शर्करा को नियंत्रित और संतुलित करने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन टाइप-2 के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद है।

वजन में कटौती

टमाटर के सूप में कैलोरी बहुत कम होती है और यह शरीर में एकत्रित अतिरिक्त वसा को गलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। फाइबर से समृद्ध सूप वजन कम करने वाले व्यक्ति के लिए आदर्श पेय है। रात के भोजन से पहले पीने से यह न केवल पेट भरा होने का एहसास कराता है, बल्कि भोजन को पचाने में भी सहायक है।

त्वचा निखारे

टमाटर सूप में मौजूद लाइकोपीन प्राकृतिक सन्स्क्रीन का काम भी करता है, जो त्वचा को सूरज की यूवी किरणों से बचाता है। यह शरीर में आवश्यक पानी की आपूर्ति कर नमी का स्तर बनाए रखता है, जिससे त्वचा पर मौसम का असर नहीं पड़ता। अपने एंटीऑक्सीडेंट तत्वों के कारण यह त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभाव पड़ने से रोकता है। यह चेहरे पर झुर्रियां कम करने में अहम भूमिका निभाता है। सूप का नियमित सेवन त्वचा को गुलाबीपन और चमक प्रदान करता है। मानसून में त्वचा पर घमौरियों, फोड़े-फुंसियों और पिंपल्स होने से रोकता है।

टमाटर से बनाए जाने वाले व्यंजनों में टमाटर का सूप दुनिया भर में मशहूर है। फिर जब मानसून का मौसम हो तो टमाटर का गर्मागर्म सूप अपने खट्टे-मीठे स्वाद की वजह से सबका पसंदीदा हो जाता है। इसे फूड एपिटाइजर (पूरक पोषण आहार) के रूप में भोजन से पहले पिया जाता है। यह पोषक तत्वों से तो भरपूर होता ही है, साथ ही इस मौसम में और अधिक फायदेमंद साबित होता है।

कैसे बनाएं टमाटर सूप

- कटे लाल ताजे टमाटर- 500 ग्राम
- कटा प्याज- आधा कप
- बारीक कटा लहसुन-1 चम्मच
- कॉर्नफ्लोर- 2 बडे चम्मच
- नमक-1 चम्मच
- पिसी काली मिर्च- आधा चम्मच
- मक्खन और जैतून का तेल- 1-1 बडे चम्मच
- चीनी-1 चम्मच
- मिल्क क्रीम-1 कप

कैंसर सेनानी

लाल रसदार टमाटर में मौजूद लाइकोपीन और कैरोटिनॉयड एंटीऑक्सीडेंट तत्व कैंसर कोशिकाओं को रोकने में मदद करते हैं। टमाटर का नियमित सेवन महिलाओ में प्रोस्टेट, गर्भाशय, स्तन कैंसर और पुरुषों में फेफड़ों, गले, मुंह के कैंसर के जोखिम को कम करता है।

विधि

टमाटर को मिक्सी में बारीक पीस लें। कडमही में जैतून का तेल गर्म करके कटा प्याज और लहसुन हल्का भूनें। इसमें टमाटर प्यूरी मिलाकर हल्की आंच पर पकाएं। थोड़ा गाढ़ा होने पर कॉर्नफ्लोर को थोड़े-से पानी में घोल कर मिश्रण में मिलाएं। इसे बराबर हिलाते रहें। इसमें नमक, चीनी और काली मिर्च मिला कर एकसार होने तक पकाएं। पानी और नमक स्वाद के अनुसार मिला सकते हैं। आखिर में इसमें मक्खन मिला कर दो मिनट और पकाएं। गैस बंद करके मिल्क क्रीम मिलाएं। गर्मागर्म परोसें।

सर्दी और वायरल से बचाव

टमाटर में मौजूद लाइकोपीन और बीटा केरोटीन हमारे शरीर की रोग-प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है, जो मानसून के दौरान होने वाली सर्दी या वायरल जैसी बीमारियों के खिलाफ सुरक्षा कवच का काम करती है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

मानसून के मौसम में नियमित रूप से टमाटर का सूप पीने से पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है। यह शरीर से विशाक्त पदार्थों को बहुत प्रभावी तरीके से बाहर निकाल कर पाचन शक्ति को बढ़ाता है। अपच, कब्ज, दस्त जैसी स्थिति में इसका सेवन फायदेमंद रहता है।

दिल को रखे सुरक्षित

टमाटर के सूप में मौजूद लाइकोपीन सीरम लिपिड ऑक्सीकरण को रोकता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित कर उच्च रक्तचाप की आशंका को कम कर देता है। इसका नियमित सेवन रक्त में एल डी एल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम करता है, जिससे हृदय की रक्त वाहिनियों में वसा का जमाव और हार्ट अटैक होने से बचाव हो सकता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत

टमाटर सूप में मौजूद विटामिन ए, सी और कैल्शियम हड्डियों के ऊतकों की मरम्मत करते हैं और हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं। इसके नियमित सेवन से बोन हेमरेज होने की आशंका काफी कम हो जाती है। सूप में विटामिन ए काफी मात्रा में पाया जाता है, जो रेटिना के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। इसके नियमित सेवन से दृष्टि में सुधार और रतौंधी में फायदा होता है।

एसिडिटी में राहत

टमाटर का सूप रोजाना पीने से एसिडिटी की शिकायत दूर होती है। इसमें मौजूद क्लोरीन और सल्फर के कारण जिगर बेहतर ढंग से काम करता है और गैस की शिकायत दूर होती है। यह साइट्रिक, क्लोरीन और सल्फर के कारण खट्टापन लिए होता है। ये तत्व एसिडिटी को कम करते हैं।

धूम्रपान के नुकसान की भरपाई करता है

यदि आप धूम्रपान की बुरी आदत को छोड कर स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोजाना एक कटोरी टमाटर सूप पीना फायदेमंद है। टमाटर में क्लोरोजेनिक और काओमेरिक एसिड होते हैं, जो सिगरेट के धुएं में पाए जाने वाले कारसीनोजेनस जैसे विशाक्त पदार्थ से शरीर को होने वाले नुकसान को रोकने में मदद करते हैं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

'परिवर्तन' के जनादेश

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरलम, असम और पुडुचेरी के मतदाताओं ने जो जनादेश दर्ज कराया था, वह सार्वजनिक हो गया और कई मायनों में वह अप्रत्याशित, अभूतपूर्व और आश्चर्यजनक रहा। बंगाल में 1977 में कांग्रेस का दुर्ग ढहा था। वाममोर्चे की पहली सरकार बनी थी। 2011 में 34 साल लंबी सत्ता को, 'लाल किले' को, ममता बनर्जी ने ध्वस्त किया और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत हुई। ममता की 15 साल पुरानी सत्ता इस बार ढह गई और भाजपा 'परिवर्तन की प्रतीक' बनकर उभरी है। मौजूदा कालखंड में यह जनादेश चौंकाता भी है। भाजपा ऐसे राज्य में सत्तारूढ़ हो रही है, जहां वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'जनसंघ' के दिनों से प्रयास कर रही थी, लेकिन बंगालियों ने उसे स्वीकार नहीं किया था। इस बार वह 'राजनीतिक शून्य' भी भर दिया गया। अंततः बंगाल और बंगालियों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी नीतियों तथा सूक्ष्म, माइक्रो स्तर पर काडर की रणनीति को जनादेश दे ही दिया। यह संपादकीय लिखने तक कई चरणों की मतगणना हो चुकी थी और बंगाल में भाजपा तृणमूल कांग्रेस से बहुत आगे चल रही थी। भाजपा को लगभग दो-तिहाई बहुमत मिलने के आसार थे।

> बंगाल में 1977 में कांग्रेस का दुर्ग ढहा था। वाममोर्चे की पहली सरकार बनी थी। 2011 में 34 साल लंबी सत्ता को, 'लाल किले' को, ममता बनर्जी ने ध्वस्त किया और एक नए राजनीतिक दौर की शुरुआत हुई। ममता की 15 साल पुरानी सत्ता इस बार ढह गई और भाजपा 'परिवर्तन की प्रतीक' बनकर उभरी है। मौजूदा कालखंड में यह जनादेश चौंकाता भी है। भाजपा ऐसे राज्य में सत्तारूढ़ हो रही है, जहां वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'जनसंघ' के दिनों से प्रयास कर रही थी, लेकिन बंगालियों ने उसे स्वीकार नहीं किया था। इस बार वह 'राजनीतिक शून्य' भी भर दिया गया। अंततः बंगाल और बंगालियों ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी नीतियों तथा सूक्ष्म, माइक्रो स्तर पर काडर की रणनीति को जनादेश दे ही दिया। यह संपादकीय लिखने तक कई चरणों की मतगणना हो चुकी थी और बंगाल में भाजपा तृणमूल कांग्रेस से बहुत आगे चल रही थी। भाजपा को लगभग दो-तिहाई बहुमत मिलने के आसार थे।

मतगणना के अंतिम आंकड़े स्पष्ट कर देंगे कि जनादेश कितना ऐतिहासिक और प्रचंड है। बंगाल के अलावा, असम में भी भाजपा की सत्ता बरकरार रही है, क्योंकि लगातार दूसरी बार उसे जनादेश हासिल हो रहा है। तमिलनाडु ने चौंकाया है। वहां सत्तारूढ़ रही द्रमुक के खिलाफ जनादेश दिया गया है और सुपरस्टार विजय की नवजात पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। दूसरे स्थान पर अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन रहा। मुख्यमंत्री स्टालिन की द्रमुक तीसरे स्थान पर लुढ़क गई है। केरलम में वाममोर्चे की लगातार 10 साल की सत्ता के बाद इस बार जनता ने उसे भी बदल दिया है और कांग्रेस नेतृत्व के यूडीएफ को जनादेश दिया है। कांग्रेस के लिए यह अत्यंत सुखद राजनीतिक खबर है, क्योंकि एक और राज्य में उसकी सरकार बन रही है।

इसका श्रेय ईसाई और मुस्लिम मतदाताओं को दिया जाना चाहिए। अलबत्ता बंगाल और तमिलनाडु में कांग्रेस के 'हाथ' लगभग खाली रहे हैं। पुडुचेरी संघशासित क्षेत्र है और वहां 30 सदस्यों की विधानसभा है। वहां का जनादेश भी भाजपा-एनडीए के पक्ष में रहा है। इस तरह इन चुनावों को 'परिवर्तन के जनादेश' माना जा सकता है। विपक्ष अब ध्रुवीकरण, हिंदू-मुसलमान, धन-बल, बाहुबल, एसआईआर आदि का रोना रो रहा है। ये उनकी स्वाभाविक कुंठाएं हैं। भाजपा पूरी शिद्दत, ताकत, संगठन के साथ चुनाव लड़ती है, इस पर सवाल नहीं किए जा सकते। बंगाल, तमिलनाडु, केरलम की सत्ताओं को वहां की जनता ने ही खारिज किया है। तमिलनाडु और केरलम में आज भी भाजपा बौनी-सी राजनीतिक ताकत है। बंगाल में भी 2021 से पहले भाजपा हाशिए पर थी, लेकिन इस बार उसे 45 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं और उसने 121 सीटें पहली बार जीती हैं। कोलकाता की लगभग सभी सीटें भाजपा के पक्ष में गई हैं। उसके अलावा, बर्धमान, मालदा, जलपाईगुड़ी, मेदिनीपुर, प्रेसीडेंसी, बांकुरा, झारग्राम, खडग़पुर सरीखे इलाकों में भी भाजपा ने परचम लहराया है। क्या यह महज ध्रुवीकरण का ही जनादेश है? बेशक मुस्लिम बहुल सीटों पर भी तृणमूल की सीटें घटी हैं, मुस्लिम वोट विभाजित हुए हैं, लेकिन हिंदुओं की लामबंदी का फायदा भाजपा को ही मिला है। यह भी चुनावी रणनीति का हिस्सा है। बंगाल के बड़े भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी ने बातचीत में स्वीकार किया है कि हिंदुओं और खासकर हिंदू महिलाओं ने भाजपा को बंपर वोट दिए, नतीजतन भाजपा की ऐतिहासिक जीत तय हुई। बहरहाल तमिलनाडु में फिल्म अभिनेताओं के प्रति घोर आकर्षण रहा है, लिहाजा एमजी रामचंद्रन और जयललिता ने बड़े चुनाव जीते और मुख्यमंत्री बने। इस बार भी यह आकर्षण बरकरार रहा है, क्योंकि सुपरस्टार विजय ने पहली बार चुनाव लड़ा है और उनकी पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है। उनके नेतृत्व में सरकार बनना लगभग तय है, क्योंकि अन्नाद्रमुक उसे समर्थन दे सकते हैं। एक बार फिर भ्रष्टाचार के मुद्दे पर इतना व्यापक जनादेश दिया गया है। भाजपा के पक्ष में अब भी 'चुनावी लहर' है, ये चुनाव साबित करते हैं, लेकिन घुसपैठ, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था सरीखे मुद्दों पर कई चुनौतियां हैं।

पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल था

क्या कहते हैं विधानसभा चुनावों के नतीजे

उमेश चतुर्वेदी

> देश के पूर्वी छोर पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक स्थित चार राज्यों के नतीजों को देखें तो उनमें एक बात समान नजर आती है। सभी राज्यों ने अपने यहां के उन आक्रामक नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जिनसे विकास और नवाचार की उम्मीद है। असम में हिमंत, पश्चिम बंगाल में बीजेपी और तमिलनाडु में विजयन की जीत लोकांक्षाओं के जमीनी हकीकत बनने का भरोसा है। इन राज्यों की जीत में दिखता है कि केंद्र से बिना वजह की लड़ाई का भी कोई मोल नहीं है। आज की जनता विकास चाहती है, महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं और युवा अपने भविष्य और सपनों की गारंटी चाहते हैं। इस बार चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सबसे ज्यादा में चर्चा पश्चिम बंगाल का चुनाव रहा।

बीते अप्रैल में हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों को देखने के कई नजरिए हो सकते हैं। लेकिन देश के पूर्वी छोर पर उत्तर से लेकर दक्षिण तक स्थित चार राज्यों के नतीजों को देखें तो उनमें एक बात समान नजर आती है। सभी राज्यों ने अपने यहां के उन आक्रामक नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जिनसे विकास और नवाचार की उम्मीद है। असम में हिमंत, पश्चिम बंगाल में बीजेपी और तमिलनाडु में विजयन की जीत लोकांक्षाओं के जमीनी हकीकत बनने का भरोसा है। इन राज्यों की जीत में दिखता है कि केंद्र से बिना वजह की लड़ाई का भी कोई मोल नहीं है। आज की जनता विकास चाहती है, महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं और युवा अपने भविष्य और सपनों की गारंटी चाहते हैं। इस बार चुनाव तो पांच राज्यों में हुए, लेकिन सबसे ज्यादा में चर्चा पश्चिम बंगाल का चुनाव रहा। उन्तीस अप्रैल को आखिरी दौर के मतदान के बाद आए एक्जिट पोल के नतीजों को लेकर काफी सवाल भी उठे, खासकर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार की आशंका को लेकर एक्जिट पोल निशाने पर भी रहे। सिर्फ एक एक्जिट पोल एक्सिस माई इंडिया ने तमिलनाडु में अभिनेता से नेता बने विजयन की पार्टी टीवीके के जीत की संभावना जताई थी। जबकि किसी भी एक्जिट पोल को तमिलनाडु में टीवीके की जीत की उम्मीद नहीं थी। सवाल यह है कि आखिर ममता बनर्जी को क्यों हार मिली? इसमें दो राय नहीं कि 2011 से पश्चिम बंगाल की सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी की सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल था। फिर भी बौद्धिकों के एक वर्ग को लगता नहीं था कि भारतीय जनता पार्टी पिछले विधानसभा चुनावों के वोट के अंतर को पाटकर जीत दर्ज कर लेगी। 2021 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को पश्चिम बंगाल में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें मिली थीं। 2016 के विधानसभा चुनाव में तो बीजेपी को 10 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन उसे सिर्फ तीन सीटें ही मिली थीं। उसकी तुलना में देखें तो बीजेपी के लिए 2021 के चुनावी नतीजे बड़ी छलांग थे। इस ट्रेंड के हिसाब से इस बार बीजेपी की जीत सुनिश्चित लग रही थी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को अपने पिछले प्रदर्शन से छह सीटें कम पर संतोष करना पड़ा था। इसलिए बीजेपी की जीत को लेकर संशय भी था। लेकिन जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल में जीत हासिल करने के लिए चुनावी रणनीति बनाई, खुद कई रोड शो किए, झारग्राम जिले में सड़क पर उतर कर बंगाल की प्रसिद्ध झालमुढ़ी का स्वाद चखा, उसने भाजपा की संभावनाओं के द्वार खोल दिए। रही-सही कसर ममता बनर्जी की कुछ गलतियों ने कर दिए। बीते साल अगस्त में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में रेजिडेंट डॉक्टर से दुष्कर्म और उसकी हत्या पर ममता ने जिस तरह की चलताऊ राजनीति की, उससे पश्चिम बंगाल गुस्से में था। इसका असर भी दिखा और महिलाओं ने उनकी लक्ष्मी भंडार योजना में मिल रही डेढ़ हजार

रूपए की रकम पर भरोसा नहीं किया और ममता को हार का सामना करना पड़ा। ममता ने भाजपा से लोगों को डराते हुए कहा कि अगर राज्य में उसकी सरकार आ गई तो वह माछ-भात खाने पर रोक लगा देगी। ममता की खासियत उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली रही है। लेकिन इस बार उनकी वह आक्रामकता ठोस मुद्दों की बजाय हल्की बातों में ज्यादा नजर आई। इसलिए उनके खिलाफ भाजपा का भय बनाम भरोसा का नारा चल गया। भारतीय जनता पार्टी की जीत में उसके रणनीतिकार अमित शाह की बड़ी भूमिका रही। भारतीय जनता पार्टी ने पूरे चुनाव अभियान में घुसपैठ को मुद्दा बनाए रखा। ममता बनर्जी घुसपैठ को चलताऊ और हिंदू-मुस्लिम के बीच खाई बढ़ाने की राजनीति के मुद्दे के तौर पर लेती रहीं। भारतीय जनता पार्टी अब संतोष कर सकती है कि उसके पूर्ववर्ती भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रस्दा मुखर्जी के घर में भी उसका शासन है। असम के लिए घुसपैठ का मुद्दा पुराना है। हिमंत विस्वसरमा ने इस मुद्दे को खूब हवा दी। उन्होंने बार-बार कहा कि वे सत्ता में लौटे तो किसी भी घुसपैठिए को असम में नहीं रहने देंगे। असम की जनसांख्यिकी को घुसपैठ ने बहुत प्रभावित किया है। इससे असम के लोग बहुत प्रभावित हैं। अतीत में कांग्रेस की सरकारों ने इसकी तरफ या तो आंख मूंदे रखा या फिर घुसपैठियों को अपने वोट बैंक के रूप में स्थापित करने की कोशिश की। इससे असम का बहुसंख्यक वर्ग नाराज हुआ। वैसे हिमंत भी पुराने कांग्रेसी हैं। उन्हें कांग्रेस की अंदरूनी कमजोरियां भी पता हैं। फिर अपने पांच साल के कार्यकाल में उन्होंने विकास को गति भी दी है। इसकी वजह से असम के लोगों ने उन पर एक बार फिर से भरोसा जताया है। तीसरे बड़े राज्य तमिलनाडु में पिछले यानी 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने भले ही गठबंधन में चुनाव लड़ा था, लेकिन पच्चीस साल बाद वह अकेले दम पर 133 सीटों के साथ बहुमत की सरकार बनाने में कामयाब रही। लेकिन पूरे पांच साल के शासन काल में स्टालिन की सरकार की उपलब्धि खोजेंगे तो पाएंगे कि वह पूरे कार्यकाल में सनातन पर हमले करती रही। उसके निशाने पर नरेंद्र मोदी की सरकार रही। हिंदी को मुद्दे पर भी वह तमिलनाडु के लोगों की गोलबंदी करती रही। उसने नई शिक्षा नीति को तमिल अस्मिता के लिए खतरा बताया। प्रस्तावित लोकसभा सीटों के परिसीमन को भी मुद्दा बनाया। उसके बरक्स अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजयन की पार्टी टीवीके ने लोगों के बीच पैठ बनाई। लोगों की भलाई के लिए काम किए। ठीक है कि विजयन का क्रेज युवाओं में ज्यादा है। लेकिन लोकभलाई के लिए किए गए कार्यों की वजह से वे तमिलनाडु के वरिष्ठ नागरिकों के भी चहेते बने। यही वजह है कि उनका दल राज्य में सबसे बड़ा दल बनकर उभरा है। सत्ताधारी डीएमके दूसरे स्थान पर पिछड़ गया है। 1977 से तमिलनाडु की राजनीति दो राजनीतिक दलों डीएमके और एआईडीएमके के इर्द-गिर्द सिमट कर रह गई विजयन ने इस परिपाटी को तोड़ दिया है। तमिलनाडु में अभिनेताओं का क्रेज नई बात नहीं है। इसके पहले तमिल फिल्मों के सुपर स्टार एमजी रामचंद्रन की नवेली पार्टी एआईडीएमके को 1977 में बड़ी जीत मिली थी। देखना होगा कि वे किसका साथ लेकर नई सरकार बनाते हैं। देश ही नहीं, दुनिया की सबसे पहली चुनी हुई वामपंथी सरकार देने वाले केरल राज्य में वामपंथी मोर्चा इस बार चुनाव हार गया है। दस साल बाद उसे करारी हार मिली है। इसके साथ ही राज्य में कांग्रेस की अगुआई वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। लगातार चुनाव हार रही कांग्रेस के लिए यह नतीजा राहत का सबब हो सकता है। लेकिन केरल में इस बार बीजेपी ज्यादा सीटें हासिल करने में भले ही कामयाब नहीं हुई हो, लेकिन वह अपनी वोट हिस्सेदारी बढ़ाने में सफल रही है। इस लिहाज से कह सकते हैं कि वह राज्य मे तीसरा कोण बनाने की कोशिश में है। बेशक राज्य में अब पांच साल बाद चुनाव होंगे, लेकिन इस बीच बीजेपी यहां की राजनीति में गहरी सेंध लगाने की कोशिश में जुटी रहेगी। केंद्र शासित प्रदेश पुद्दुचेरी को डीएमके ज्यादातर कांग्रेस को एक तरह से परोसता रहा है। लेकिन उसी कांग्रेस से विद्रोह करके निकली एनआईआरसी के साथ बीजेपी का गठबंधन सरकार बनाता नजर आ रहा है। पांच राज्यों के इन चुनावों ने जहां कांग्रेस और वामपंथ को सोचने का मौका दिया है कि आखिर उन्होंने गलती कहां की तो बीजेपी के लिए परीक्षा का सबब बनकर उभरा है। पश्चिम बंगाल में हिंसा का इतिहास रहा है। वहां के राजनीतिक कार्यकर्ता बदले दौर में बदले दौर की सत्ताओं के साथ चिपकते रहे हैं। बीजेपी की चुनौती होगी कि पहले वाममोर्चा के लठैत और फिर तृणमूल के साथी रहे आपराधिक तत्वों को वह कैसे काबू में करती है। ये चुनाव आने वाले दिनों में भाजपा के उत्साह को बढ़ाने का भी काम करेंगे। इन चुनावों ने तमिलनाडु में विजयन के सामने भी चुनौती रखी है, चुनौती यह कि युवाओं के सपनों को वे कैसे पूरा करते हैं? क्योंकि सबसे ज्यादा भरोसा उन पर युवाओं ने ही जताया है।

कुछ अलग

अदृश्य चेहरे

मुझे जानकारी नहीं कि अर्थशास्त्री एडम स्मिथ द्वारा दिए गए 'अदृश्य हाथ या इनविज़िवल हैंड्स' के सिद्धांत के पहले या बाद किसी अनुसंधानी ने 'अदृश्य चेहरे या इनविज़िवल फेस' की थ्योरी गढ़ी है या नहीं। हां, जॉर्जिया तकनीकी संस्थान ने एक ऐसा मॉडल विकसित किया है जो लोगों की व्यक्तिगत तस्वीरों के लिए अदृश्य डिजिटल मास्क बनाता है ताकि अवांछित ऑनलाइन चेहरे की पहचान को रोका जा सके। इससे पहले केवल पढ़ा या सुना ही था कि गिरगिट ख़तरों से अपनी रक्षा के लिए रंग बदलता है। अब उसी तजऱ्.पर एक नई एआई-संचालित तकनीक लोगों की तस्वीरों को ऑनलाइन गोपनीयता के ख़तरों से बचा रही है। इस नए मॉडल का नाम कैमेलियन रखा गया है। लेकिन फिक्र नॉट, हमारे देश के महान नाला वैज्ञानिक भी पिछले तीन दशकों से चेहरे से सम्बन्धित कई प्रयोग कर रहे हैं। हालांकि उन्हें किसी से ख़तरा नहीं। पर हाल ही में उन्होंने चुनावों के दौरान दक्षिण में चुनावी सभा के लिए गिरगिट की तरह अपना रंग बदला। पर उनकी देखा-देखी देश में इन दिनों एक अजीब फैशन चल पड़ा है। लोग घरों से निकलने पर अपने असली चेहरे घरों में छोडक़र ही निकलते हैं। हर नुक्कड़, हर गली, हर कार्यालय, हर मंच पर आपको बिना असली चेहरों के घूमते हुए लोग मिल जाएंगे। लोगों के असली चेहरे अदृश्य हो चुके हैं। जो दिखते हैं, वे केवल 'पब्लिक वजऱ्न' है, सुन्दर, चमकदार, सुसंस्कृत, और मौके के हिसाब से रंग बदलने वाले। झुन्नू लाल जी इसी तरह चेहरे बदलने में इतने माहिर हैं कि सुबह-सुबह जब मंदिर जाते हैं तो माथे पर तिलक, कलाई में कलावा, हाथ में माला, और होंठों पर मधुर मुस्कान बिखरी रहती है।

देश दुनिया से

क्षत्रिय जिसने दुनिया को जागृति का मार्ग दिखाया

सिद्धार्थ गौतम का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व लुम्बिनी (आज का नेपाल) में हुआ था। वे शाक्य कुल के क्षत्रिय थे। उनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के राजा थे। क्षत्रिय होने के नाते उनसे उम्मीद थी कि वे शासन करें, प्रजा की रक्षा करें और न्याय स्थापित करें। इसलिए बचपन से ही उन्हें एक महान राजा बनाने के लिए घुड़सवारी, धनुर्विद्या, शस्त्र चलाना और राजनीति की शिक्षा दी गई। कहा जाता है कि जन्म के समय ऋषि असित ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक या तो महान सम्राट बनेगा या एक महान संत (बुद्ध)। राजा शुद्धोधन ने अपने पुत्र को हर तरह के दुःख से दूर रखने के लिए महल में सभी सुख-सुविधाएँ दीं ।राजनीति 29 वर्ष की आयु में जब सिद्धार्थ पहली बार नगर भ्रमण पर निकले, तो उन्होंने चार महत्वपूर्ण दृश्य देखे, एक वृद्ध व्यक्ति, एक रोगी, एक मृत शरीर और एक संन्यासी। इन दृश्यों ने उनके मन को गहराई से झकझोर दिया। एक योद्धा जो बाहरी शत्रुओं से लड़ना जानता था, अब जीवन के असली शत्रुओं, बुढ़ापा, बीमारी और मृत्यु से परिचित हुआ। शांत और संतुष्ट संन्यासी को देखकर उनके मन में सवाल उठा कि क्या इन दुखों से मुक्ति का कोई रास्ता है? उन्होंने सोचा, यदि वे अपनी प्रजा को मृत्यु और दुख से नहीं बचा सकते, तो राजा बनने का क्या अर्थ है? यही सवाल आगे चलकर उनके जीवन की दिशा बदलने वाला बना। उसी रात सिद्धार्थ ने चुपचाप महल छोड़ दिया। इस घटना को महाभिनिष्क्रमण कहा जाता है। एक क्षत्रिय के लिए मुकुट, तलवार और राज्य छोड़ना बहुत बड़ा त्याग था। लेकिन उन्होंने यह कदम हार मानकर नहीं, बल्कि जीवन के बड़े सत्य की खोज के लिए उठाया। इसके बाद उन्होंने छह वर्ष तक उरुवेला के जंगलों में कठोर तपस्या की। उन्होंने आलार कालाम और उद्दक रामपुत्त से ध्यान की शिक्षा ली। फिर उन्होंने अपने शरीर को इतना कष्ट दिया कि वे दिन में केवल एक चावल के दाने पर ही रहने लगे। उनका संकल्प बहुत मजबूत था, या तो सत्य मिलेगा या मृत्यु।

लेकिन अंत में उन्हें यह समझ आया कि शरीर को अत्यधिक कष्ट देना सही मार्ग नहीं है। इससे सत्य की प्राप्ति नहीं होती। यही समझ आगे चलकर उनके जीवन में एक नया रास्ता खोलती है। सुजाता नाम की एक कन्या से खीर ग्रहण करने के बाद सिद्धार्थ ने एक नया मार्ग चुना मध्यम मार्ग। यह भोग और कठोर तपस्या, दोनों के बीच का संतुलित रास्ता था। उनका समझना था कि किसी भी अति से शक्ति कमजोर होती है, जबकि संतुलन से ही जीवन का संघर्ष जीता जा सकता है। इसके बाद वे बोधगया में पीपल के वृक्ष के नीचे बैठ गए। उन्होंने संकल्प लिया कि जब तक उन्हें सत्य का ज्ञान (बोध) नहीं मिलेगा, वे उठेंगे नहीं। तभी मार ने उन्हें डर, प्रलोभन और भ्रम से विचलित करने की कोशिश की। लेकिन सिद्धार्थ अडिग रहे। उन्होंने पृथ्वी को साक्षी मानते हुए भूमिस्पर्श मुद्रा धारण की, जैसे कह रहे हों कि उनका संकल्प सच्चा है। अंततः वैशाख पूर्णिमा की भोर में उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, और वे बुद्ध कहलाए—अर्थात जाग्रत व्यक्ति। ज्ञान प्राप्ति के बाद बुद्ध ने लगभग 45 वर्षों तक पैदल चलकर अपने धर्म का प्रचार किया। उन्होंने सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया, जिसे धर्म चक्र प्रवर्तन कहा जाता है। इस उपदेश में उन्होंने जीवन के चार आर्य सत्य समझाए—इस संसार में दुःख है; दुःख का कारण तृष्णा (इच्छाएँ) हैं; दुःख का अंत संभव है; और इस अंत तक पहुँचने का मार्ग अष्टांगिक मार्ग है। इस मार्ग में सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाणी, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक प्रयास, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि शामिल हैं। यही संतुलित, अनुशासित और व्यावहारिक जीवन-पथ बुद्धधर्म के रूप में जाना गया। भारत में जाति-व्यवस्था एक पुरानी सामाजिक संरचना रही है, लेकिन बुद्ध ने इसे स्पष्ट रूप से चुनौती दी। सिद्धार्थ, जो शाक्य कुल के क्षत्रिय राजकुमार थे, ज्ञान प्राप्ति के बाद उन्होंने कहा "मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है।" उन्होंने अपने संघ में पूर्ण समानता स्थापित की। उदाहरण के लिए, नाई उपालि को भिक्षुओं में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया। संघ में प्रवेश करते ही व्यक्ति को अपना पुराना नाम, गोत्र और जाति त्यागनी होती थी—बुद्ध केवल इतना पूछते थे, "क्या तुम मनुष्य हो?"भारतीय संस्कृति उनका धम्म सभी के लिए था राजा हो या व्यापारी, वेश्या हो या चांडाल सबको समान स्थान और सम्मान मिला। उनके संघ में बिम्बिसार और प्रसेनजित जैसे राजा, अनाथपिण्डक जैसे सेठ, आम्रपाली जैसी गणिका, उपालि और सुनीत जैसे साधारण लोग सभी एक साथ थे। बुद्ध स्वयं क्षत्रिय थे, फिर भी उन्होंने जाति-अभिमान को सबसे बड़ा बंधन बताया। उन्होंने अपने पद और पहचान का उपयोग विशेषाधिकार बचाने में नहीं, बल्कि उसे समाप्त करने में किया। उनका संदेश स्पष्ट था सच्ची "आर्यता" जन्म या कुल से नहीं, बल्कि आचरण और कर्म से आती है। बुद्ध ने भिक्षु-भिक्षुणियों का संघ बनाया। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर चलता था। निर्णय बहुमत से होते थे। स्वयं बुद्ध भी संघ के नियमों (विनय) के नियमों से ऊपर नहीं थे। यहाँ उन्होंने क्षत्रिय के संगठन और अनुशासन कौशल को आध्यात्मिक क्षेत्र में लगाया। 80 वर्ष की आयु में कुशीनगर में अंतिम भोजन के बाद गौतम बुद्ध अस्वस्थ हो गए।

आप का नज़रिया

बच्चों के कंधों पर नशा

फिसलते समाज की निशानियों में धूल की कालिख और दलदल में परिवेश को बचाएं भी तो कैसे। यह जुर्म नहीं, गवाही है कि हमारा पतन अब सामने से प्रहार कर रहा है। एक तेरह साल के बच्चे के हाथों को चिट्टे से रंगने वाला उसी का संबंधी निकला। गगल के बनोई में यह महत्त्वपूर्ण नहीं कि 130.48 ग्राम चिट्टा पकड़ा गया, बल्कि यह है कि 13 साल के बच्चे के कंधों पर उसी के जीजा ने चिट्टे का बोझ लाद दिया। इसे एक नायाब तरीका कहें कि बच्चे की मासूमियत में नशा ढोया जा रहा था और इस प्रक्रिया के तहत पहले भी खेप अमृतसर से हिमाचल पहुंचती रही है। एक भयानक तंत्र हमारे करीब इस तरह के मंतव्य को अंजाम दे रहा है, तो स्कूल की पुस्तकों से चिट्टे के दाग कौन मिटाएगा। रिश्तों की आंच में ही अगर घर की बर्बादी लिखी है, तो हर बार डाल-डाल और पात-पात की कहानी के खलनायक बदलते रहेंगे। अब अगर यह घर-घर का धंधा बन जाए, तो कितनी पुलिस और कितनी चौकसी काम आएगी। जाहिर है नशे का पैकेट और कमाई का पॉकेट अब इतना गठजोड़ कर चुके हैं कि नित नए तरीकों में खोट देखना पड़ेगा। नशे के तंत्र में हर वर्ग में सुराख हो चुके हैं, तो कहीं लड़कियां, कहीं औरतें, कहीं सरकारी कर्मचारी, कहीं पुलिस कर्मी, तो कहीं एस आई टीम को ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह पावरफुल नेटवर्क की तरफ इशारा कर रहा है कि संदिग्ध चेहरे हमारे आसपास के तानेबाने को नोच रहे हैं। चिट्टा जिन दरवाजों को लांघ कर आ रहा है वहां प्रश्रय के कई रास्ते और संपर्क के कई हाथ जुटे हैं। हैरानी यह कि नशा वितरण ठीक उसी तरीके से होने लगा है, जैसे आतंकवादी वारदातों में पहले स्लीपर सेल्ज काम पर लगाए जाते हैं। यानी जीजा ने 13 साल के बच्चे के शरीर से नशे का बम बांध दिया। आगे चलकर वह बचे या न बचे। न जाने कौन सा रिश्ता किसे बर्बाद कर दे। इससे पहले कूरियर के माध्यम से भी नशा वितरित होता रहा है। अब तो बस किसी जांच में बस छूने भर की देरी है, खबर यह आती है कि चिट्टे के पहाड़ पर हर कोई चढऩे की फिराक में है। अकसर पर्यटकों की वेशभूषा में चिट्टे की दलाली सामने आ रही है, तो इनके बिक्री के अड्डों पर सफेदपोश हवन कर रहे हैं। यानी चिट्टा सप्लाई और पुलिस प्रबंधों के बीच अभी खाई चौड़ी है। बेशक इस मामले में पुलिस को जहां होना चाहिए था, वहां थी, लेकिन हर वक्त ऐसी चौकसी की दरकार है। नशे के खिलाफ टास्क फोर्स की जरूरत है, जो अंधे रास्तों की सजग प्रहरी बने। हिमाचल में कुछ पुलिस जिला बढ़े हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का प्रबंध अभी पूरा नहीं हुआ है। नशे की खेप का सीधा ताल्लुक परिवहन से है और इसलिए डे-नाइट पैट्रोलिंग की व्यवस्था करनी पड़ेगी। पुलिस जहां चाहिए, वहां होनी चाहिए। पर्यटक सीजन की बाहों में नशे के अलावा कई व्यसन और अपराध भी हिमाचल में आयात हो जाते हैं। मनोरंजन के नाम पर बिखरता माहौल किसी संकट की आहट की तरह है। प्रमुख पर्यटक स्थलों से हटकर यह छूट मिल रही है कि पर्यटक अब अपनी मनमानियों के निर्लज्ज व्यवहार से चुनौती बन रहे हैं। ऐसे वाहनों की चैकिंग के अलावा पर्यटन की चैकपोस्ट कम से कम सीजन के दौरान जरूर स्थापित हों। धार्मिक स्थलों के अलावा प्रमुख पर्यटक स्थलों पर पुलिस के सख्त पहरे शुरू होने चाहिएं, जबकि प्रदेश के प्रमुख प्रवेश द्वारों पर ही वाहनों की चैकिंग से यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई आपत्तिजनक वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति प्रवेश न कर पाए। नागरिक समाज की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि अपने इर्द-गिर्द चिट्टे या नशे के आदी हो रहे बच्चों की जानकारियां संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाए।

> नशे के तंत्र में हर वर्ग में सुराख हो चुके हैं, तो कहीं लड़कियां, कहीं औरतें, कहीं सरकारी कर्मचारी, कहीं पुलिस कर्मी, तो कहीं एस आई टीम को ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह पावरफुल नेटवर्क की तरफ इशारा कर रहा है कि संदिग्ध चेहरे हमारे आसपास के तानेबाने को नोच रहे हैं। चिट्टा जिन दरवाजों को लांघ कर आ रहा है वहां प्रश्रय के कई रास्ते और संपर्क के कई हाथ जुटे हैं। हैरानी यह कि नशा वितरण ठीक उसी तरीके से होने लगा है, जैसे आतंकवादी वारदातों में पहले स्लीपर सेल्ज काम पर लगाए जाते हैं। यानी जीजा ने 13 साल के बच्चे के शरीर से नशे का बम बांध दिया। आगे चलकर वह बचे या न बचे। न जाने कौन सा रिश्ता किसे बर्बाद कर दे। इससे पहले कूरियर के माध्यम से भी नशा वितरित होता रहा है। अब तो बस किसी जांच में बस छूने भर की देरी है, खबर यह आती है कि चिट्टे के पहाड़ पर हर कोई चढऩे की फिराक में है। अकसर पर्यटकों की वेशभूषा में चिट्टे की दलाली सामने आ रही है, तो इनके बिक्री के अड्डों पर सफेदपोश हवन कर रहे हैं। यानी चिट्टा सप्लाई और पुलिस प्रबंधों के बीच अभी खाई चौड़ी है। बेशक इस मामले में पुलिस को जहां होना चाहिए था, वहां थी, लेकिन हर वक्त ऐसी चौकसी की दरकार है। नशे के खिलाफ टास्क फोर्स की जरूरत है, जो अंधे रास्तों की सजग प्रहरी बने। हिमाचल में कुछ पुलिस जिला बढ़े हैं, लेकिन सीमांत क्षेत्रों की निगरानी का प्रबंध अभी पूरा नहीं हुआ है।

दृष्टि कोण

देश वापसी की अपील के मायने

हाल ही में प्रौद्योगिकी, खासतौर पर आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक एवं वैश्विक स्तर पर जानी-मानी सॉफ्टवेयर कंपनी 'जोहो' के प्रोमोटर एवं पूर्व प्रमुख कार्यकारी अधिकारी श्रीधर वेम्बु ने अमरीका में रह रहे भारतीयों को एक खुला पत्र लिखकर देश वापस आकर भारत के भविष्य निर्माण हेतु सहायता की अपील कर देश और दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी है। उनकी इस अपील में मुख्य बात यह है कि भारत का विश्व में सम्मान भारत के प्रौद्योगिक विकास पर निर्भर करता है। पिछले लंबे समय से भारत ने दुनिया को अपनी प्रतिभा का निर्यात किया है, जिसे ब्रेनड्रेन कहा जाता है। उस समय भारत की वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी के निर्माण में पिछड़ गया। लेकिन आज भारत के पास क्षमता है कि वो विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी के विकास पर आगे बढ़ सके। लेकिन उसे जल्द कर सकने के लिए पहली शर्त यह है कि शेष दुनिया में बसे भारतीय जो अवसरों के अभाव में देश छोड़ गए थे, वापस आएं। इससे पहले भी कई बार भारतीयों को वापस आने की अपील कई प्रमुख व्यक्ति समय-समय पर करते रहे हैं, लेकिन उस पर इतनी बहस कभी नहीं छिड़ी, जितनी श्रीधर वेम्बु के आह्वान के बाद छिड़ी है। उसका कारण यह है कि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारतीय मूल के लोगों को लेकर कई प्रकार के अशोभनीय वक्तव्य दे रहे हैं। पिछले काफी समय से वो लगातार कह रहे हैं कि विदेशियों के कारण अमरीकियों के लिए रोजगार के अवसर घट रहे हैं। उन्होंने बार-बार यह कहा है कि एच-1बी वीजा के प्रावधान का इस्तेमाल करते हुए कंपनियां विदेशों से सस्ते श्रमिक लेकर आती हैं, जो अमरीकी कार्मिकों को रोजगार से बाहर कर देते हैं। इसलिए उन्होंने एच-1 बी वीजा के नियमों को कड़ा कर दिया है और विदेशी कार्मिकों की सख्ती से जांच-पड़ताल भी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि एच-1 बी वीजा के माध्यम से अधिकांश भारतीय अमरीका में सॉफ्टवेयर और अन्य प्रकार की प्रौद्योगिकी में कार्यरत हैं, इसके द्वारा अमरीकी और भारतीय कंपनियां भारतीयों को रोजगार प्रदान करती हैं। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व में राष्ट्रपति ट्रंप भारतीयों लोगों और भारतीय नेतृत्व के प्रशंसक भी रहे

हैं। पूर्व में वो यह कहते रहे कि भारत एक महान मित्र और रणनीतिक साझेदार है। हाउडी-मोदी जैसे कार्यक्रमों में उन्होंने भारतीय अमरीकी लोगों की भूरी-भूरी प्रशंसा भी की और कहा कि भारतीय अमरीकी अतुलनीय हैं और वे अमरीकी अर्थव्यवस्था में भारी योगदान भी दे रहे हैं। लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर भारतीय लोगों और भारत के बारे में अपशब्द भी कहे हैं, जिसे भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा अज्ञानपूर्ण, अनुचित और भद्दे स्वाद का बताया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप का यह बयान अमरीका में अमरीकी नागरिकता के जन्मसिद्ध अधिकार बारे में उनके वक्तव्य का एक हिस्सा था। हालांकि अमरीकी प्रशासन ने इस बयान के बाद कहा कि ट्रंप भारत को एक महान देश मानता है और इसके नेतृत्व को अपना अच्छा मित्र समझता है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत समेत अपने लगभग सभी व्यापार साझेदारों पर भारी टैरिफ लगाकार सभी देशों को नाराज करने का काम भी किया है, हालांकि अमरीकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनमें से अधिकांश टैरिफ को रद्द करने का निर्णय भी दिया है। श्रीधर वेम्बु की भारतीयों को वापस आकर अपने देश के प्रौद्योगिकी विकास में मदद करने की अपील आज के संदर्भ में दो कारणों से अधिक मायने रखती है, पहला, बदलते भू-राजनीतिक परिवेश में अमरीकी प्रशासन, विशेषतौर पर राष्ट्रपति ट्रंप के बयान और कार्यवाही, जिससे अमरीका में भारतीयों के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है। और दूसरा, भारत प्रौद्योगिकी की दृष्टि से प्रगति करने के लिए केवल तत्पर ही नहीं है, बल्कि उसकी संभावनाएं भी बढ़ती जा रही हैं।

एक साल बाद क्लासिकल शतरंज में हारे कार्लसन; गुकेश के बाद अब इस डच ग्रैंडमास्टर ने दी शिकस्त

नई दिल्ली

विश्व नंबर-एक मैग्नस कार्लसन को आखिरकार क्लासिकल शतरंज में हार झेलनी पड़ी। नॉर्वे चेस 2025 में भारत के विश्व चैंपियन गुकेश डोम्माराजू से हारने के बाद कार्लसन लगातार अजेय चल रहे थे।

लेकिन अब उनकी यह लय टूट गई है। टेपे सिजमेन चेस टूर्नामेंट 2026 के चौथे दौर में नीदरलैंड्स के ग्रैंडमास्टर जोर्डन वान फॉरेस्ट ने कार्लसन को मात दी।

रोमांचक मुकाबले में पलटा खेल

मुकाबला बेहद तनावपूर्ण रहा। एंडगेम के दौरान दोनों खिलाड़ियों के पास समय कम था और स्थिति जटिल बनी हुई थी। एक समय ऐसा लग रहा था कि कार्लसन मुकाबला ड्रॉ करा लेंगे, लेकिन वान फॉरेस्ट ने दबाव बनाए रखा। आखिर में उन्होंने शानदार चालों की सीरीज से कार्लसन के नाइट को फंसा दिया, जिसके बाद नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी को हार माननी पड़ी।

जीत के बाद क्या बोले वान फॉरेस्ट

मैच जीतने के बाद डच ग्रैंडमास्टर ने कहा, 'मैं तो ड्रॉ के लिए तैयार हो चुका था और उससे संतुष्ट भी था, लेकिन अचानक मुझे मौका मिला और फिर खेल दोबारा नियंत्रण से बाहर हो गया। उन्होंने आगे कहा. 'यह बेहद दिलचस्प मुकाबला था और मुझे लगता है कि उन्हें भी ऐसा ही लगा, इसलिए हमने खेल के बाद काफी चर्चा की।

क्यों खास है यह हार यह हार सिर्फ एक नतीजा नहीं, बल्कि कार्लसन की लंबी अजेय श्रृंखला के टूटने की कहानी है।2022 में विश्व खिताब छोड़ने के बाद कार्लसन ने क्लासिकल शतरंज कम खेला है और वह रैपिड, ब्लिट्ज और फ्रीस्टाइल फॉर्मेट पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। माल्मो में यह टूर्नामेंट नॉर्वे चेस 2026 की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, इसलिए उनकी हार ने टूर्नामेंट में और दिलचस्पी बढ़ा दी है। टूर्नामेंट में 14 वर्षीय प्रतिभाशाली खिलाड़ी यागिज काआन एर्दोगमुस फिलहाल एकल बढ़त पर हैं, जिसने प्रतियोगिता को और रोमांचक बना दिया है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026: आरेंज कैप की रेस में शामिल हुए रिकेल्टन, छठे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। मुंबई इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद आरेंज कैप की रेस में बड़ा बदलाव देखने को मिला। मुंबई के बल्लेबाज रयान रिकेल्टन ने शानदार पारी खेलते हुए एक साथ कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। रयान रिकेल्टन ने इस मुकाबले में सिर्फ 32 गेंदों पर 83 रन की विस्फोटक पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के साथ उनके सीजन में कुल रन 380 हो गए हैं और वह सीधे छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। आरेंज कैप की सूची में शीर्ष पांच बल्लेबाजों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पहले स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ बने हुए हैं, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 433 रन के साथ मौजूद हैं। तीसरे स्थान पर हेनरिक क्लासेन 425 रन, चौथे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी 404 रन और पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 385 रन के साथ हैं। रिकेल्टन से पहले 300 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लंबी सूची थी, लेकिन उनकी इस पारी ने उन्हें सीधे शीर्ष खिलाड़ियों की कतार में ला खड़ा किया है। फिलहाल मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का कोई अन्य बल्लेबाज शीर्ष 20 में शामिल नहीं है।

आरसीबी ने 18 साल तक टीम से जुड़े फिजियो इवान स्पीचली को दी भावुक विदाई, विराट कोहली बोले–आप हमेशा परिवार का हिस्सा रहेंगे

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने लंबे समय तक टीम के साथ जुड़े रहे पूर्व मुख्य फिजियो इवान

स्पीचली को भावुक विदाई दी। स्पीचली ने 2008 से 2025 तक करीब 18 वर्षों तक फ्रेंचाइजी के साथ काम किया और टीम के सबसे पुराने सदस्यों में से एक रहे। इस खास मौके पर टीम ने बेंगलुरु में एक समारोह आयोजित किया, जिसमें खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने एकत्र होकर स्पीचली के योगदान को याद किया और उनका सम्मान किया। टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली ने स्पीचली के साथ अपने लंबे रिश्ते को याद करते हुए कहा, 'मैंने आरसीबी में आपके साथ सबसे ज्यादा समय बिताया है। आप इस टीम के शुरुआती सदस्यों में से हैं। आपकी मेहनत और प्रोफेशनलिज्म के अलावा आपकी दयालुता, देखभाल और ईमानदारी हमेशा याद रहेगी। आप इस परिवार का हिस्सा हमेशा रहेंगे।' टीम के क्रिकेट निदेशक मो बॉबट ने भी स्पीचली के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, 'इवान लंबे समय तक हमारे मुख्य फिजियो रहे हैं। हम उन्हें वापस बुलाकर उनके योगदान को सम्मान देना चाहते थे और उनके साथ समय बिताना चाहते थे।' भावुक हुए इवान स्पीचली ने भी टीम के प्रति अपना जुड़ाव व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'जब मैं कल होटल पहुंचा तो ऐसा लगा जैसे घर वापस आ गया हूं। आरसीबी हमेशा एक परिवार की तरह रहा है। दुनिया का हर क्रिकेटर यहां एक सीजन बिताना चाहेगा, और मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे 18 साल यहां बिताने का मौका मिला।

मुम्बई सबसे अधिक बार 200 से ज्यादा लक्ष्य हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी, रायल्स और सनराइजर्स को पीछे छोड़ा

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 47 वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 6 विकेट से हराने के दौरान एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। ये लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल इतिहास में मुम्बई की अब तक कि सबसे यादगार जीत है। इस जीत के साथ ही मुम्बई 200 या उससे अधिक रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करने के मामले में राजस्थान रायल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। मुम्बई ने सात बार 200 रनों से अधिक का लक्ष्य हासिल किया है जबकि रायल्स और सनराइजर्स के नाम ये छह–छह बार है। हालांकि, इस सूची में सबसे ऊपर पंजाब किंग्स का नाम दर्ज है, जिसने अविश्वसनीय रूप से 11 बार 200 या उससे अधिक के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को सीजन में दूसरी बार हराया, प्लेऑफ की रेस में अब भी जिंदा

नई दिल्ली: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 48वां मैच दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच आज यानी 5 मई को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मैच में चेन्नई ने दिल्ली को 8 विकेट से हरा दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने सीएसके को 156 रन का टारगेट दिया था, जो मेहमान टीम ने 17.3 ओवर में चेज कर लिया। यह चेन्नई की इस सीजन पांचवीं जीत थी और उनके अब 10 पॉइंट हैं। चेन्नई प्लेऑफ की रेस में अब भी बरकरार है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की इस सीजन यह छठी हार थी। यहां से 16 अंक तक पहुंचने के लिए दिल्ली को अपने बचे हुए चारों मैच जीतने होंगे।

कुछ ऐसी रही दिल्ली कैपिटल्स की पारी

अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला करते हुए डीसी ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 155 रन बनाए। इस टीम को पथुम निसांका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 4 ओवरों में 29 रन जुटाए। निसांका 15 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि केएल राहुल ने 13 गेंदों में 2 चौकों के साथ 12 रन टीम के खाते में जोड़े। सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि टीम ने 69 के स्कोर तक 5 विकेट खो दिए थे।

यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने समीर रिजवी के साथ छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी की। स्टब्स 31 गेंदों में 2 छक्कों और 1 चौके के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला। रिजवी ने 24 गेंदों में 4 छक्कों के साथ नाबाद 40 रन बनाए।चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से नूर अहमद ने 3 ओवरों में 22 रन देकर 2 विकेट निकाले, जबकि अकील हुसैन, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह और जेमी ओवरटन ने 1-1 विकेट हासिल किया।

नितीश राणा के साथ हो गया गजब

दिल्ली कैपिटल्स की पारी के दौरान तीसरे नंबर पर आए नितीश राणा के आउट होने के तरीके ने सबको हैरान कर दिया। सीएसके के स्पिनर नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने की कोशिश में राणा का पैर विकेट से जा लगा और बेल्स गिर गईं, लेकिन उसी वक्त गेंद हवा में गई और कार्तिक शर्मा ने उनका कैच भी लपक लिया। तकनीकी रूप से राणा हिट विकेट और कैच आउट एक साथ हुए, जो क्रिकेट के मैदान पर बहुत कम देखने को मिलता है। राणा ने आउट होने से पहले 13 गेंदों का सामना किया और 15 रन बनाए।

फ्लॉप रहा दिल्ली का टॉप ऑर्डर

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। ऑरेंज कैप हासिल करने वाले केएल राहुल आज बल्ले से कोई खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 12 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके जोड़ीदार पाथुम निसांका ने भी केवल 19 रनों का योगदान दिया। दिल्ली का टॉप ऑर्डर चेन्नई के गेंदबाजों, खासकर नूर अहमद और मुकेश चौधरी की सटीक लाइन-लेंथ के सामने संघर्ष करता नजर आया, जिससे टीम एक समय मुश्किल में फंसी हुई थी।जब दिल्ली की टीम सस्ते में सिमटती दिख रही थी, तब मध्यक्रम में समीर रिज़वी और ट्रिस्टन स्टब्स ने मोर्चा संभाला। समीर रिज़वी ने विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मात्र 24 गेंदों में 40 रन कूट दिए, जिसमें 4 शानदार छक्के शामिल थे। स्टब्स ने भी सूझबूझ भरी बल्लेबाजी करते हुए 31 रनों का योगदान दिया, जिसकी बदौलत दिल्ली की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 155 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। अंत में आशुतोष शर्मा (14) और करुण नायर (12) ने भी छोटे लेकिन उपयोगी योगदान दिए।

स्नूकर विश्व चैंपियनशिप खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने वू यीज़े

शेफील्ड

वू यीज़े स्नूकर विश्व चैंपियनशिप के दूसरे सबसे युवा विजेता बन गए, जब 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोमवार को निर्णायक फ्रेम में ब्रिटेन के शान मर्फी को 18-17 से हराया। चीनी खिलाड़ी ने पूर्व चैंपियन मर्फी के खिलाफ कड़े मुकाबले में बढ़त बनाई, जिन्होंने रात भर पीछे रहने के बाद वापसी की और मुकाबले को सोमवार शाम तक खींच लिया।

वू, स्टीफन हेंड्री के बाद यह खिताब जीतने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 1990 में 21 वर्ष की उम्र में अपना पहला विश्व खिताब जीता था। वह चीन के दूसरे विश्व चैंपियन भी बने, इससे पहले उनके हमवतन झाओ शिंतोंग ने पिछले साल क्रूसिबल में जीत हासिल की थी।

झाओ को क्वार्टर फाइनल में मैजिशियन मर्फी ने हराया था, जिन्होंने 2005 में अपना पहला विश्व खिताब जीता था, जब वू दो साल के भी नहीं थे। हालांकि, वू ने क्रूसिबल के दर्शकों के वूऊऊ के नारों के बीच शानदार संयम दिखाया। यह फाइनल मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जिसमें शाम के सत्र में दोनों खिलाड़ी 14-14, 15-15 और 16-16 की बराबरी पर रहे। वू ने उसी शहर में जीत हासिल की, जहां वह 16 साल की उम्र में अपने स्नूकर करियर को आगे बढ़ाने के लिए आए थे। मुकाबला निर्णायक फ्रेम तक गया, जहां वू ने सतर्क शुरुआत के बाद नियंत्रण बनाया और 85 का निर्णायक ब्रेक लगाकर जीत सुनिश्चित की।

मर्फी ने बीबीसी टू से बातचीत में कहा, मुझे बहुत गर्व है। यह मेरे और मेरी टीम के लिए शानदार कुछ हफ्ते रहे। मैंने शेफील्ड में बेहतरीन समय बिताया। हम बहुत करीब थे, बेहद करीब।

उन्होंने कहा, मैं वू यीज़े और उनके परिवार को इस उपलब्धि के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैंने पहले ही कहा था कि वह एक दिन विश्व चैंपियन बनेंगे। बस अफसोस है कि वह दिन आज था।

ट्राफी उठाने के अलावा, जिसकी शुरुआत 1926 में हुई थी, वू को 5 लाख पाउंड (676,400 डालर) की पुरस्कार राशि भी मिलेगी और वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंच जाएंगे।

जैमिमा को टी20 विश्वकप में नंदनी के बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा

मुम्बई। आगामी टी20 विश्वकप के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल उभरती हुई खिलाड़ी नंदनी शर्मा पर सभी की नजरें रहेंगी। टी20 विश्वकप 12 जुलाई से इंग्लैंड में खेला जाएगा। इसी को लेकर भारतीय टीम अभी तैयारियों में लगी है। टीम की आक्रामक बल्लेबाज जैमिमा रोड्रिग्स को उम्मीद है कि नंदनी बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। जैमिमा के अनुसार हाल के दिनो में नंदनी ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा खेला है जिसे अब अब बरकरार रखने पर ध्यान देंगी। जेमिमा ने नंदनी की क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा है कि वह शीघ्र ही टीम के अनुरुप ढ़ल जाएंगी। नंदनी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जैमिमा की कप्तानी में खेला था। लीग में नंदनी ने अपनी प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। नंदनी ने अपन पहले ही डब्ल्यूपीएल लीग में हैट्रिक लगायी थी। उन्होंने पूरे सत्र में सबसे अधिक 17 विकेट लिए थे। ये प्रतियोगिता में किसी खिलाड़ी के सबसे अधिक विकेट रहे है।

चहल को केवल एक ओवर दिये पर हैरान हुए कैफ, पंजाब की रणनीति पर उठाये सवाल

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने स्पिनर युजवेंद्र चहल को कम गेंदबाजी दिये जाने की पंजाब किंग्स की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। ।कैफ के अनुसार पंजाब को चहल की क्षमताओं पर भरोसा बनाये रखना चाहिये। कैफ के अनुसार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में जिस प्रकार से चहल को कम गेंदबाजी मिली उससे मुझे हैरानी हुई है। इस मैच में पंजाब किंग्स को हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद से ही पंजाब की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। इसी को लेकर कैफ ने कहा था कि आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में से एक होने के बाद भी चहल को केवल एक ही ओवर दिये जाने पर उन्हें हैरानी हुई है जबकि वह अपनी कलात्मक लेग-स्पिन और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।

कैफ के अनुसार चहल ने आईपीएल में कुल 228 विकेट लिए हैं और उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल है इसमें से उन्होंने काफी विकेट चिन्नास्वामी स्टेडियम जैसी सपाट पिचों पर लिए थे जहां गेंदबाजों को काफी कम सहायता मिलती है। हालांकि, कैफ ने पिच की स्थितियों को भी ध्यान में रखा और स्वीकार किया कि शायद पिच पर घास मौजूद होने के कारण टीम की रणनीति प्रभावित हुई हो। इसके बावजूद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चहल जैसे असाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज में कठिन हालातों के अनुसार ढ़लने और विकेट लेने की क्षमताएं हैं। साथ ही कहा कि पंजाब को उन पर और ज्यादा भरोसा करने की जरूरत है।

विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए टीम घोषित की, ग्लेन मैक्सवेल और मैट शार्ट ने राज्य अनुबंध नहीं लिया

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में विक्टोरिया ने 2026-27 सत्र के लिए अपनी पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। इस बार सबसे बड़ा फैसला यह रहा कि अनुभवी आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मैट शार्ट ने राज्य अनुबंध लेने से इनकार कर दिया है और स्वतंत्र रूप से खेलने का रास्ता चुना है। हालांकि दोनों खिलाड़ी उपलब्ध रहने पर विक्टोरिया के लिए खेलते रहेंगे।

विक्टोरिया टीम पिछले कुछ वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन खिताब जीतने से चूकती रही है। पिछले पांच सत्रों में टीम चार बार फाइनल तक पहुंची, लेकिन हर बार उपविजेता रही। ऐसे में इस बार टीम आठ साल बाद खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी।

टीम में युवा खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया गया है। ओलिवर पीक को उनके शानदार प्रदर्शन के बाद पहला पूर्ण अनुबंध मिला है, जबकि आस्टिन

एनलेजार्क और टायलर पियर्सन को भी सीनियर टीम में पदोन्नत किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज हैरी होएक्स्ट्रा को रूकी अनुबंध दिया गया है। उनके साथ आर्यन शर्मा और टाम पैडिंगटन को भी नए खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया गया है।

अनुभवी खिलाड़ियों में फर्गस ओनील ने टीम के साथ अपना करार बढ़ाया है। वहीं पीटर हैंड्सकाम्ब, सैम हार्पर और कैंपबेल केलावे ने भी अनुबंध विस्तार किया है। तेज गेंदबाज सैम एलियट और मिच पेरी को भी पिछले सत्र के शानदार प्रदर्शन के बाद नए अनुबंध से नवाजा गया है।

ग्लेन मैक्सवेल, जिन्होंने हाल ही में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया है, अब टी20 और फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वहीं मैट शार्ट भी अंतरराष्ट्रीय और टी20 लीग में सक्रिय रहेंगे।

टीम से जे लेमिरे, जेवियर क्रोन और कैलम स्टो को बाहर किया गया है, हालांकि कुछ खिलाड़ियों को टीम के साथ अभ्यास जारी रखने का मौका मिलेगा।

क्रिकेट विक्टोरिया के पुरुष क्रिकेट प्रमुख डेविड हसी ने कहा कि टीम में स्थिरता और विकास दोनों देखने को मिल रहे हैं और युवा खिलाड़ियों का उभार टीम के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है।

विक्टोरिया टीम 2026-27:

आस्टिन एनलेजार्क, लियाम ब्लैकफोर्ड, स्काट बोलैंड, डायलन ब्रैशर, एशले चंद्रसिंघे, हैरी डिक्सन, सैम एलियट, पीटर हैंड्सकाम्ब, सैम हार्पर, मार्कस हैरिस, कैंपबेल केलावे, ब्लेक मैकडोनाल्ड, कैमरन मैक्लूर, डेविड मूडी, टाड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, मिच पेरी, टायलर पियर्सन, टाम रोजर्स, विल सदरलैंड, डग वारेन, हैरी होएक्स्ट्रा, टाम पैडिंगटन, आर्यन शर्मा।

बायोकान की कमान अब अगली पीढ़ी संभालेगी :फाउंडर किरण मजूमदार ने भांजी क्लेयर को चुना उत्तराधिकारी ; एआई और एडवांस्ड बायोटेक पर फोकस रहेगा

मुंबई

बायोफार्मास्युटिकल कंपनी बायोकान की फाउंडर और चेयरपर्सन किरण मजूमदार शा ने कंपनी के लिए उत्तराधिकार योजना यानी सक्सेशन प्लान का ऐलान कर दिया है। उन्होंने अपनी भांजी क्लेयर मजूमदार को उत्तराधिकारी चुना है। फार्च्यून इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि 37 साल की क्लेयर कंपनी के विकास के अगले फेज का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। किरण मजूमदार शा ने चार दशक पहले बायोकान की नींव रखी थी। उनकी अपनी कोई संतान नहीं है, इसलिए वे कंपनी को सुरक्षित हाथों में सौंपना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि क्लेयर ने खुद को साबित किया है कि वे एक कंपनी चला सकती हैं।

बिकारा थेरेप्यूटिक्स की फाउंडर और सीईओ भी हैं क्लेयर - क्लेयर मजूमदार फिलहाल बिकारा थेरेप्यूटिक्स की फाउंडर और सीईओ हैं। यह कंपनी बायोकान द्वारा ही इंक्यूबेट की गई थी और 2024 में नैस्डैक पर लिस्ट हुई है। बिकारा का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.6 बिलियन डालर से ज्यादा है। क्लेयर के पास एमआईटी और स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी की डिग्री है और उन्होंने कैंसर बायोलाजी में पीएचडी की है।

फैमिली इकोसिस्टम का सपोर्ट, एआई और आन्कोलाजी एक्सपर्ट्स की टीम - भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए किरण मजूमदार ने एक मजबूत फैमिली इकोसिस्टम तैयार किया है। क्लेयर के भाई एरिक मजूमदार कैलटेक में प्रोफेसर और एआई एक्सपर्ट हैं। वहीं उनके पति थामस राबर्ट्स मैसाचुसेट्स जनरल हास्पिटल में आन्कोलाजिस्ट हैं। यह टीम बायोकान के भविष्य के विकास में अहम भूमिका निभाएगी।

स्ट्रक्चर में बड़े बदलाव, जेनेरिक्स और बायोलाजिक्स बिजनेस का मर्जर - बायोकान अपने आर्गेनाइजेशन स्ट्रक्चर में भी बड़े बदलाव कर रही है। कंपनी ने अपने जेनेरिक्स और बायोलाजिक्स व्यवसायों का मर्जर कर दिया है। इसके अलावा कर्ज कम करने और स्ट्रक्चर को सरल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्तमान में कंपनी का 60% रेवेन्यू बायोसिमिलर्स से आता है। बाजार में इसके 12 प्रोडक्ट्स पहले से मौजूद हैं और करीब 20 पाइपलाइन में हैं।

ग्रुप कंपनियों में नई लीडरशिप, जुलाई से कमान संभालेंगे नए सीईओ - सिर्फ मुख्य कंपनी ही नहीं, बल्कि ग्रुप की अन्य कंपनियों में भी लीडरशिप में बदलाव हो रहा है। श्रीहास तांबे ने बायोकान बायोलाजिक्स के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। वहीं, सिद्धार्थ मित्तल 1 जुलाई से सिनजीन इंटरनेशनल का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। फ्यूचर विजन, एआई और ओरिजिनल बायोलाजिक ड्रग्स पर रहेगा जोर किरण मजूमदार शा के अनुसार, ग्रुप के भविष्य की ग्रोथ तीन स्तंभों पर टिकी होगी। इसमें डिफरेंशिएटेड बायोसिमिलर्स, ओरिजिनल बायोलाजिक ड्रग्स और रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्लेटफार्म्स में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल शामिल है।

न्यूज़ ब्रीफ

रेनोल्ट डस्टर के 7-सीटर माडल को लान्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। रेनोल्ट कंपनी इस साल रेनोल्ट डस्टर 7-सीटर माडल को लान्च करने की तैयारी में है, जिसे रेनोल्ट बिगस्टर नाम से पेश किया जा सकता है। टेस्टिंग के दौरान दिखी यह एसयूवी मौजूदा डस्टर से अधिक लंबी और बड़े व्हीलबेस वाली प्रतीत होती है। इसका अगला हिस्सा डस्टर जैसा ही रहने की उम्मीद है, जिसमें ऊंचा ग्राउंड क्लीयरेंस, मजबूत बैश प्लेट्स और चौकोर व्हील आर्चेस शामिल होंगे। पीछे की ओर छोटा विंडस्क्रीन और बड़े बूट स्पेस की संभावना है, जो 7-सीटर वाहन के लिए आवश्यक है। केबिन में नए थीम के साथ तीन पंक्तियों वाली सीटें होंगी, जिनमें स्लाइडिंग और रिक्लाइनिंग के साथ एक टच फोल्डिंग सुविधा मिल सकती है। इसमें 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.1 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, एंबिएंट लाइटिंग, हवादार फ्रंट सीटें और पैनोरमिक सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स होने की उम्मीद है, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करेंगे। पावरट्रेन के तौर पर इसमें 1.3 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिल सकता है, जो 158 हार्सपावर की शक्ति और 280 एनएम का टार्क जनरेट करेगा। इसमें 6-स्पीड मैनुअल या 6-स्पीड डुअल-क्लच आटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प उपलब्ध होगा, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंद के अनुसार गियरबाक्स चुनने की सुविधा मिलेगी।

अमेरिका ने लगाया यूरोपीय वाहनों पर आयात शुल्क

नई दिल्ली। यूरोपीय देशों से आयातित वाहनों पर अमेरिका अब आयात शुल्क वसूल करेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूरोपीय देशों से आयातित कारों और ट्रकों पर 25 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की घोषणा की है। ट्रंप की यह घोषणा अगले सप्ताह से प्रभावी हो जाएगी। यह घोषणा पिछले वर्ष जुलाई में अमेरिका और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए एक महत्वपूर्ण टर्नबेरी समझौते के विपरीत है, जिसके तहत अधिकांश वस्तुओं पर अधिकतम 15 प्रतिशत शुल्क तय किया गया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने आरोप लगाया है कि यूरोप व्यापार समझौते का पालन नहीं कर रहा है, हालांकि उन्होंने इस दावे के समर्थन में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। यह कदम अमेरिका के व्यापार असंतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों को आधार बनाकर नए शुल्क ढांचे को लागू करने की मंशा को दर्शाता है, जिससे दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ सकता है और समझौते के टूटने का खतरा भी मंडरा रहा है। जर्मनी, फ्रांस, इटली और स्पेन जैसे प्रमुख वाहन निर्माता देशों सहित यूरोपीय यूनियन के कुल 27 सदस्यों पर इस फैसले का सीधा असर पड़ेगा।

महिंद्रा की एक्सयूवी 7एक्सओ नए ग्रीन अवतार में पेश

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय एसयूवी एक्सयूवी 7एक्सओ को नए ग्रीन अवतार में पेश करने की तैयारी कर रही है। इसके स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन या फिर फ्लेक्स फ्यूल यानी इथेनाल से चलने वाले माडल के साथ आने की संभावना है। तमिलनाडु के तिंडिवनम हाईवे के पास एक पूरी तरह ढकी हुई एक्सयूवी 7एक्सओ टेस्ट रन के दौरान स्पाट हुई। लान्च के समय इसमें कुछ खास बैजिंग और नए कलर आप्शंस दिए जा सकते हैं। इस स्पाई शाट ने आटो सेक्टर के जानकारों के बीच हलचल बढ़ा दी है, क्योंकि महिंद्रा पहले ही सीरीज-हाइब्रिड और रेंज-एक्सटेंडर तकनीक पर काम करने की घोषणा कर चुकी है। खबरों के अनुसार, एक्सयूवी 7एक्सओ महिंद्रा की पहली ऐसी कार बन सकती है जिसमें स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन मिलेगा, जो मौजूदा 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन पर आधारित हो सकता है। फिलहाल यह इंजन 203 हार्सपावर की शक्ति और 380 एनएम का टार्क जनरेट करता है, लेकिन हाइब्रिड सिस्टम के जुड़ने से इसकी कुल शक्ति और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। दूसरी ओर, कंपनी फ्लेक्स-फ्यूल (ई85) वर्जन पर भी विचार कर रही है, जिसकी झलक महिंद्रा ने 2025 के भारत मोबिलिटी शो में एक्सयूवी 3 एक्सओ के जरिए पहले ही दिखाई थी। हाइब्रिड कारों के बाजार में फिलहाल टोयोटा और मारुति सुजुकी का वर्चस्व है, लेकिन महिंद्रा का यह कदम प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाएगा।

सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च हुआ रिकोड स्टूडियोज का आईपीओ, 12 मई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

ब्यूटी एंड पर्सनल केयर सेगमेंट के लिए काम करने वाली कंपनी रिकोड स्टूडियोज का 44.59 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में सात मई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद आठ मई को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 मई को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 मई को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 150 रुपये से लेकर 158 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। रिकोड स्टूडियोज के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 1,600 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,52,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28,22,400 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 23,58,400 नए शेयर और 3,19,200 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 1,44,800 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.36 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.22 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.13 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए सेरेन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मुद्रा आरटीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं, असनानी स्टाक ब्रोकर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। रिकोड स्टूडियोज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 69 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 27 लाख रुपये और वित्त वर्ष

2024-25 में उछल कर 3.30 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 9.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 22.44 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 36.93 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 47.94 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 57.45 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 3.79 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 7.85 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 7.56 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले वित्त वर्ष में कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त हो गई। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.19 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.46 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 8.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 9.70 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के नेटवर्थ की बात करें तो इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 5.20 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 5.47 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 8.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 17.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी का ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 1.44 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 1.67 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 6.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 13.34 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

फाक्सवैगन कंपनी जल्द लांच करेगी तीन नई कारें

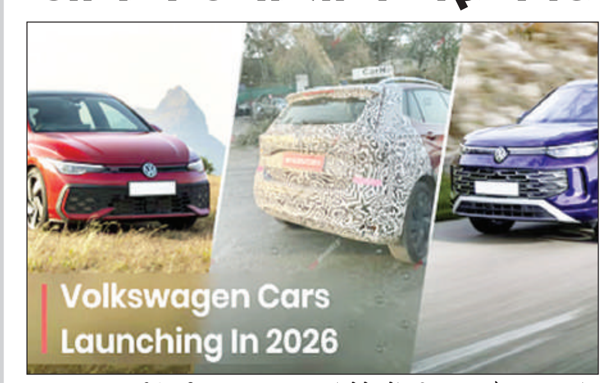

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में फाक्सवैगन कंपनी जल्द ही तीन नई कारें लान्च करने वाली है। इनमें वर्टस का फेसलिफ्ट माडल, गोल्फ जीटीआई का दूसरा बैच और टेरान का एक कम स्पेसिफिकेशन वाला संस्करण शामिल है। 2026 फाक्सवैगन वर्टस फेसलिफ्ट को हाल ही में भारी कैमाफ्लाज के साथ टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। 2022 में भारतीय बाजार में लान्च के बाद यह इस सेडान का पहला बड़ा अपडेट होगा, जिसमें नए डिजाइन वाले बंपर और नए अलाय व्हील्स देखने को मिलेंगे।

केबिन हाल ही में लान्च हुई टाइगुन एसयूवी जैसा होगा, जिसमें 10.1 इंच का सेंट्रल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा। इसमें 1.0 और 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन विकल्प जारी रहेंगे, लेकिन अपडेट में 6-स्पीड टार्क कन्वर्टर यूनिट की जगह एक नया 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स मिलेगा। फाक्सवैगन ने पिछले साल गोल्फ जीटीआई की 250 यूनिट्स लान्च की थीं, जो लगभग तुरंत ही बिक गईं। इस महंगी हैचबैक को मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए, कंपनी अब इसका दूसरा बैच भारत लाने की तैयारी में है। गोल्फ जीटीआई का अगला बैच जल्द ही आने की उम्मीद है और पहले बैच की तरह यह भी सीबीयू (कंट्रोल्ड यूनिट) होगा।

इसमें कुछ ऐसे फीचर्स हो सकते हैं जो पहले बैच में उपलब्ध नहीं थे और यह पहले बैच से थोड़ी महंगी भी हो सकती है। इसमें 2.0 लीटर का टर्बो-पेट्रोल इंजन लगा है, जो 265 बीएचपी की पावर और 7-स्पीड डीएसजी गियरबाक्स के साथ आता है। फिलहाल भारत में फाक्सवैगन की फ्लैगशिप एसयूवी टेरान आर-लाइन है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 47 लाख रुपये है। कंपनी अब टेरान का एक लोअर-स्पेक, नान-आर-लाइन संस्करण लाने की तैयारी कर रही है, जिसकी कीमत मौजूदा आर-लाइन वेरिएंट से कम होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस्तीफा...

नई विधानसभा में नई सरकार का नया मुख्यमंत्री नियुक्त कर सकते हैं। कार्यकाल के बीच मुख्यमंत्री बदलने को लेकर तो संवैधानिक अड़चन है लेकिन विधानसभा का कार्यकाल पूरा होने पर नई विधानसभा के गठन में कोई अड़चन नहीं है। निर्वाचन आयोग ने जिनको जीत का प्रमाण पत्र दिया है वही मान्य होगा।लोकसभा सचिवालय के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य ने इस मुद्दे पर कहा है कि अगर वो इस्तीफा नहीं भी देती हैं तो इसका कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। वैसे भी राज्यपाल ने उन्हें नए सीएम के शपथग्रहण तक कार्यवाहक सीएम का पद संभालने को कहा होता। संवैधानिक प्रावधान कहते हैं कि पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद एक सरकार जारी नहीं रह सकती है। अगर ममता चुनाव को चुनौती दें, तो ऐसा 'चुनाव याचिका' के ज़रिए ही होगा, जिसकी सुनवाई बाद में की जाएगी। ऐसा कुछ भी नहीं है जो उन्हें अपने पद पर बने रहने की अनुमति देता हो।पीडीटी आचार्य ने कहा कि वे एसआईआर की सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर चुनाव को चुनौती दे सकती हैं, लेकिन वह एक अलग याचिका होगी। भले ही यह कदम उठाया जाए फिर भी वह 7-8 मई के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बनी नहीं रह सकतीं। यह सामान्य जानकारी संविधान और प्रथाओं पर आधारित है, वास्तविक स्थिति में राज्यपाल के फैसले, राजनीतिक गठबंधन और सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का भी महत्व होता है। ममता के इस बयान पर शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि संविधान में सरकार गठन की सारी प्रक्रिया लिखी हुई है, इस पर ज्यादा कुछ बोलने की जरूरत नहीं है।

बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने कहा कि आज़ाद भारत के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने चुनाव हारने के बावजूद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। सत्ता से चिपके रहकर ममता बनर्जी न केवल अराजकतावादी रवैया अपना रही हैं, बल्कि वे मतदाताओं की भावनाओं और जनादेश की पवित्रता का भी खुलेआम अपमान कर रही हैं। यह पूरी तरह से संवैधानिक व्यवस्था का चरमराना है।

चुनाव बाद फिर...

घटनाएं हुईं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग दुकानदारों को धमका रहे थे और उन्हें दुकानें बंद करने के लिए मजबूर कर रहे थे। इन घटनाओं के बीच ममता बनर्जी ने 10 सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाकर मामले की जांच के आदेश दिए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इन घटनाओं को मध्यकालीन बर्बरता बताया और कहा कि यह बदलाव नहीं बल्कि डर का माहौल है।

बीजेपी ने खारिज किए आरोप, कहा अंदरूनी कलह का नतीजा

वहीं बीजेपी की तरफ से अलग रुख सामने आया है। पार्टी के नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया है। भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि यह घटनाएं तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी गुटों के बीच संघर्ष का नतीजा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों के बाद पार्टी के अंदर नाराजगी सामने आ रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने प्रशासन से अपील की है कि वह हिंसा के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, चाहे वे किसी भी दल से जुड़े हों।

बंगाल का हिंसा भरा चुनावी इतिहास

राजनीतिक हिंसा पश्चिम बंगाल की राजनीति का पुराना हिस्सा रही है। पहले वाम शासन के दौरान और बाद में तृणमूल कांग्रेस के शासन में भी चुनाव के दौरान हिंसा की घटनाएं सामने आती रही हैं। पिछले चुनावों के आंकड़े भी इस स्थिति को दिखाते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य में कम से कम छह लोगों की मौत हुई थी। साल 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान करीब 17 लोगों की जान गई थी। 2018 के पंचायत चुनाव में 75 लोगों की मौत हुई थी, जो सबसे हिंसक चुनावों में से एक था। 2016 के विधानसभा चुनाव में भी लगभग आठ लोगों की मौत हुई थी।

चुनाव आयोग का दावाइस बार चुनाव शांतिपूर्ण रहा

हालांकि चुनाव आयोग का कहना है कि इस बार चुनाव प्रक्रिया काफी हद तक शांतिपूर्ण रही। आयोग के मुताबिक मतदान के दौरान कोई बड़ी हिंसा या मौत की घटना नहीं हुई। चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी आयोग के पास होती है और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती भी की जाती है। जानकारी के अनुसार, राज्य में करीब 700 कंपनियां यानी 70 हजार केंद्रीय सुरक्षा बल के जवान तैनात किए गए थे। इसके बावजूद नतीजों के बाद हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

पीएम मोदी ने की थी बदले की राजनीति से दूर रहने की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी जीत के बाद कार्यकर्ताओं से बदले की राजनीति से दूर रहने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि ध्यान बदले पर नहीं बल्कि बदलाव और विकास पर होना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की थी कि वे यह न देखें कि किसने किसे वोट दिया, बल्कि राज्य के विकास के लिए मिलकर काम करें। इसके बावजूद जमीनी हालात में तनाव और हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। यह स्थिति दिखाती है कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच राज्य में शांति बनाए रखना अभी भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।ममता बनर्जी ने 10 सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाकर मामले की जांच के आदेश दिए हैं। फिलहाल प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और विभिन्न इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। आने वाले दिनों में जांच और कार्रवाई के बाद ही साफ हो पाएगा कि इन घटनाओं के पीछे कौन जिम्मेदार है।

सीज़...

यूएई के अधिकारियों के अनुसार ईरान ने अबू धाबी की सरकारी तेल कंपनी के एक खाली कच्चे तेल के टैंकर पर भी हमला किया जब वह होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने की कोशिश कर रहा था।

ईरान की सरकार ने इन हमलों पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। लेकिन ईरान ने एक बयान जारी कर इसके लिए ''अमेरिका की सैन्य मनमानी'' को ज़िम्मेदार ठहराया।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान को बहुत बुरी तरह हराया है। ट्रंप ने कहा कि अब वे छोटी-छोटी नावों तक सिमट गए हैं, जिनके आगे मशीन गन लगी हैं। उन्होंने कहा, ''उनके पास जितने भी जहाज थे वे सब समुद्र की तलहटी में पानी के नीचे पड़े हैं।'' ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर उन्होंने कहा, ''ये बीमार लोग हैं, और हम इन पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं जाने देंगे।'' ट्रंप ने कहा कि अब ईरान किसी तरह वजूद बचाने की कोशिश कर रहा है।

शराब...

बैन से पहले मरी ब्रूअरी भारत, अफगानिस्तान और अमेरिका जैसे देशों में शराब का निर्यात करती थी। अब एक बार फिर कंपनी विदेशी बाजार में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है।

भुट्टो ने शराब की बिक्री पर रोक लगाई थी

अप्रैल 1977 में पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो ने देश में शराब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। उस वक्त भुट्टो सरकार के खिलाफ एक बड़ा और हिंसक विरोध आंदोलन चल रहा था। भुट्टो पर 1977 के चुनाव में धांधली करने के अलावा 'पश्चिमी लाइफस्टाइल' अपनाने जैसे आरोप लग रहे थे। जब भुट्टो ने इन विपक्षी नेताओं से बातचीत शुरू की, तो उनकी कुछ मांगें थीं। जैसे नाइट क्लब और बार बंद किए जाएं और शराब की बिक्री पूरी तरह रोकी जाए। इसी दबाव में भुट्टो सरकार ने कराची में बनने वाले एक बड़े कैसीनो की योजना भी रद्द कर दी। इस कैसिनों को मई 1977 में शुरू होना था। यह कैसीनो एक कारोबारी तुफैल शेख बना रहे थे, जिनके पुराने सैन्य शासक अयूब खान और बाद में भुट्टो सरकार से अच्छे संबंध थे। शेख पहले से ही कराची के सद्दर इलाके में होटल और नाइट क्लब चलाते थे और उन्हें उम्मीद थी कि नए कैसीनो खाड़ी देशों और यूरोप से बहुत से टूरिस्ट पाकिस्तान आएंगे। जब भुट्टो ने शराब और नाइट क्लब पर रोक लगाने का फैसला किया, तो शेख परेशान हो गए। लेकिन भुट्टो ने उन्हें भरोसा दिया कि यह सिर्फ कुछ समय के लिए है और हालात ठीक होते ही इसे खत्म कर दिया जाएगा।

कागज पर भले ही बार और शराब की दुकानें बंद हो गई थीं, लेकिन होटलों और दुकानों के पीछे के रास्तों से शराब आसानी से मिल रही थी। लेकिन भुट्टो ज्यादा दिन सत्ता में नहीं रह पाए। जुलाई 1977 में एक सैन्य शासक जिया उल हक ने उनकी सरकार गिरा दी। जिया ने सत्ता में आने के बाद इस कानून को और सख्त कर दिया और इसे इस्लामी कानून से जोड़ दिया। इसमें साफ कहा गया कि मुसलमानों के लिए शराब बेचना और पीना गैरकानूनी है और इसके लिए कड़ी सजा होगी। हालांकि एक रास्ता छोड़ा गया लाइसेंस वाली शराब की दुकानें। ये दुकानें सिर्फ गैर-मुस्लिम लोगों के नाम पर चल सकती थीं और उन्हें ही शराब बेचने की अनुमति थी। विदेशी लोग भी सरकार से परमिट लेकर वहां से शराब खरीद सकते थे।

मुशर्रफ ने कानून में ढील दी

समय के साथ पाकिस्तान में ऐसी लाइसेंस वाली शराब की दुकानों की संख्या बढ़ती गई, खासकर सिंध और बलूचिस्तान में, जैसे कराची और क्वेटा में। जनरल परवेज मुशर्रफ के दौर (199902008) में ये और बढ़ीं। मुशर्रफ खुद को उदारवादी बताते थे। उन्होंने 1979 के कानून को हटाने की कोशिश की, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों के कारण ऐसा नहीं कर पाए। हालांकि उनके समय में शराब से जुड़े कानून को लागू करने में ढील दे दी गई। इस वजह से मुसलमानों के लिए भी शराब हासिल करना आसान हो गया था।

शराबबंदी का क्या हुआ असर? दावा शराब बैन की वजह से कई लोग हेर-ोइन की तरफ चले गए

पाकिस्तान के धार्मिक संगठन आज भी कहते हैं कि सरकारें शराबबंदी को सही तरीके से लागू नहीं करतीं। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग कहते हैं कि इस पाबंदी ने अवैध शराब माफिया को जन्म दिया और जहरीली शराब से सैकड़ों लोगों की मौत हुई। उनका यह भी कहना है कि शराब पर रोक के कारण कई लोग हेरोइन की तरफ चले गए, जो कहीं ज्यादा खतरनाक है।

एक आंकड़ा इस बात को दिखाता है कि 1979 में पाकिस्तान में हेरोइन के सिर्फ दो मामले सामने आए थे, लेकिन 1985 तक पाकिस्तान दुनिया में हेरोइन के सबसे बड़े उपभोक्ताओं में शामिल हो गया। 2008 की एक स्टडी में भी पाया गया कि 1977 और 1979 की पाबंदियों के बावजूद पाकिस्तान में शराब का सेवन जारी रहा, क्योंकि अवैध तरीके मौजूद थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री गुजराती समाज विशाखापत्तनम द्वारा

गुजरात स्थापना दिवस का भव्य आयोजन एवं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 3 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विशाखापत्तनम स्थित श्री गुजराती समाज भवन में समाज द्वारा गुजरात स्थापना दिवस का भव्य उत्सव एवं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के चेयरमैन-ट्रस्टी तथा 'लव फॉर काउ फाउंडेशन' के चेयरमैन श्री जशमतभाई पटेल उपस्थित रहे। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में श्री गुजराती ब्रह्म समाज सोसाइटी (हैदराबाद-सिकंदराबाद) के अध्यक्ष एवं 'लव फॉर काउ फाउंडेशन' के ट्रस्टी श्री तरुणभाई मेहता विशेष रूप से हैदराबाद से पधारे। कार्यक्रम की शुरुआत समाज भवन परिसर में वृक्षारोपण से हुई। समाज के अध्यक्ष श्री हिम्मतभाई पटेल, विजयवाड़ा से आए ट्रस्टी श्री नवीनभाई पटेल तथा भवन समिति के अध्यक्ष श्री संजयभाई पटेल के अनुरोध पर अतिथियों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने पौधारोपण किया। युवाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।कार्यक्रम का शुभारंभ माताजी की स्तुति से हुआ। संचालक श्री आनंदभाई खारा ने पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया, जहाँ समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उनका

शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अध्यक्ष हिम्मतभाई पटेल ने वर्तमान समिति द्वारा किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने समाज भवन के दूसरे चरण के निर्माण की आवश्यकता तथा उससे होने वाले भविष्य के आर्थिक लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले तल के 11 कमरों के लिए दानदाताओं द्वारा बुकिंग की जा चुकी है तथा दूसरे तल के शेष 11 कमरों के लिए समाजजनों से सहयोग का आह्वान किया गया। सभा में 3 मई तक प्राप्त दानदाताओं की सूची प्रस्तुत की गई।

कमरों हेतु दान: नांजीभाई पटेल (हैदराबाद), विश्रामभाई परबतभाई चौहान, परबतभाई हरजीभाई चौहान, व्रजलाल परबत चौहान।

भवन निर्माण हेतु स्वैच्छिक दान: दक्षाबेन जशमतभाई पटेल – 10,000/-, शैलेषभाई पटेल – 11,000/-, गौरव ठक्कर – 5,000/-, रीजुभाई पटेल – 5,000/-ए श्रीमती कोकिलाबेन जोशी – 51,000/- (विशेष दान) शामिल हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

गुजरात स्थापना दिवस के अवसर पर महिलाओं ने विशेष उत्साह दिखाया। 'श्री गुजराती महिला मंडल' एवं 'श्री कच्छी गुर्जर क्षत्रिय महिला मंडल' द्वारा 'गुजरातीनी बोलबाला... अमे लहेरीलाला' और 'द्वारिका नो नाथ मारो राजा रणछोड़ छे' जैसे गीतों पर डांडिया एवं गरबा की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं।

छोटे बच्चों ने महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे महान व्यक्तित्वों की वेशभूषा धारण कर कार्यक्रम में भाग लिया। श्री नवीनभाई पटेल एवं श्री तरुणभाई मेहता ने भजन और गीत प्रस्तुत किए, जिसमें तरुणभाई द्वारा प्रस्तुत गौमाता पर आधारित भावपूर्ण गीत ने सभी का मन मोह लिया।

नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा

सभा के दौरान अनुभवी सदस्यों की एक सलाहकार समिति का गठन किया गया तथा नई कार्यकारिणी समिति के सदस्यों की घोषणा की गई।

कार्यकारिणी सदस्य: श्री महेशभाई टांक, श्री भोगीलालभाई पटेल, श्री ईश्वरभाई पटेल, श्री नरेशभाई परमार, श्री दिनेशभाई पटेल, श्री मावजीभाई वघासिया, श्री सुरेशभाई वाडिया, श्री शैलेषभाई कुचुरिया, श्री आनंदभाई खारा।नए सदस्य: श्री तरुण कुमार मेहता, श्री आशीष कोहली, श्री विहार वीरेंद्र वैष्णव।

कार्यक्रम का सफल संचालन श्री आनंदभाई खारा ने किया। पूरे आयोजन के दौरान 'जय जय गरवी गुजरात', 'भारत माता की जय' और 'जय गौमाता' के नारों से हॉल गूंज उठा। अंत में राष्ट्रगान एवं सुस्वादु भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

खड़ी लॉरी से कार के टकराने से दो लोगों की मौत, तीन घायल

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के जहीराबाद बाईपास रोड पर मंगलवार को एक कार अनियंत्रित होकर एक खड़ी लॉरी से टकरा गई, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि यह हादसा उस समय हुआ जब पीड़ित तुलजापुर से हैदराबाद जा रहे थे। घायलों को इलाज के लिए जहीराबाद एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा द्वारा

50 जरूरतमंद परिवारों को नि:शुल्क इंडक्शन स्टोव का वितरण कल

हैदराबाद, 05 मई, (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अशोकनगर शाखा के माननीय अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल के परिवार, श्री राम सत्यनारायण कानोडिया (तेज़ाबवाले) द्वारा प्रदत्त निःशुल्क इंडक्शन स्टोव वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मानद सचिव सत्यनारायण गुप्ता ने बताया कि समाज सेवा के अंतर्गत यह महत्वपूर्ण पहल की गई है। कार्यक्रम 7 मई 2026, गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे अग्रवाल समाज मीटिंग हॉल, 10वीं मंजिल, राघव रत्न टावर्स, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राहुल हेगड़े (आईपीएस), डीसीपी ट्रैफिक, हैदराबाद को ससम्मान आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर श्रीमती पूजा गुप्ता (संस्थापिका एवं केंद्रीय समिति सदस्य), संजीव कुमार अग्रवाल (अध्यक्ष, अशोकनगर शाखा) एवं युवा प्रतिनिधि युग अग्रवाल भी उपस्थित थे।

शाखा अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल ने बताया कि 22 अप्रैल की विज्ञप्ति के बाद प्राप्त आवेदनों की जांच कर 50 सर्वाधिक जरूरतमंद अग्रबंधु परिवारों का चयन किया गया है। सभी चयनित लाभार्थियों को व्हाट्सएप के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जा रहा है।

इस आयोजन का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद परिवारों को आधुनिक एवं सुरक्षित कुकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके। शाखा ने समाज हित में निरंतर सहयोग देने के लिए श्री राम सत्यनारायण कानोडिया परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

यह सेवा कार्य महाराजा अग्रसेन जी के एक ईंट-एक रुपया सिद्धांत से प्रेरित है और पूर्णतः व्यक्तिगत सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान चयनित लाभार्थियों को इंडक्शन स्टोव वितरित किए जाएंगे।

शाखा के पदाधिकारियों ने कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज के गणमान्य बंधुओं से कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय

पशु वध नियंत्रण कानूनों के सख्त पालन के निर्देश

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने पशु वध से संबंधित कानूनों के सख्त अनुपालन को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। माननीय न्यायमूर्ति एन. तुकारामजी ने रिट याचिका संख्या 30824/2018 में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आंध्र प्रदेश (तेलंगाना) गोवंश वध निषेध एवं पशु संरक्षण अधिनियम, 1977 तथा संबंधित सरकारी आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें।

यह याचिका आंध्र प्रदेश गोशालाल फेडरेशन के मानद अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल द्वारा दायर की गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बिना वैध प्रमाणपत्र के पशुओं का अवैध वध किया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा पर्याप्त कार्रवाई नहीं की जा रही है।

याचिकाकर्ता ने अवैध बूचड़खानों, पशुओं की तस्करी तथा कानून उल्लंघन के विभिन्न उदाहरण भी प्रस्तुत किए थे।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और जीएचएमसी की ओर से बताया गया कि पूर्व में प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की गई है तथा संबंधित कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि जब किसी कानून के तहत अधिकारियों पर दायित्व निर्धारित किया गया है, तो उनका कर्तव्य है कि वे प्राप्त शिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करें।

न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि भविष्य में यदि याचिकाकर्ता द्वारा किसी प्रकार की शिकायत या जानकारी प्रस्तुत की जाती है, तो संबंधित अधिकारी उसे गंभीरता से लेते हुए विधि अनुसार आवश्यक कार्रवाई करें।

उक्त निर्देशों के साथ न्यायालय ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया। साथ ही, इस मामले में कोई लागत निर्धारित नहीं की गई और लंबित अन्य आवेदन भी समाप्त माने गए।

'सेवा परमो धर्म' संस्था ने बांटी खुशियां

जरूरतमंदों में 300 प्लेट इडली वितरित

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेवा के प्रति समर्पित 'सेवा परमो धर्म' संस्था ने सोमवार को राठीफाइल बस स्टैंड, सरोजनी देवी रोड पर एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्था सदस्य श्रीमती शीतल पवार के ससुर जी श्री चांदमल जी पवार के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें मानवता की सेवा के माध्यम से खुशियाँ बांटी गईं।

कार्यक्रम के दौरान राहगीरों एवं जरूरतमंदों को 300 प्लेट इडली वितरित की गई। जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसर को परोपकार से जोड़कर संस्था ने समाज में सकारात्मक संदेश देने का सराहनीय प्रयास किया। संस्था के सदस्यों ने इस नेक कार्य के लिए मुख्य सहयोगी श्रीमती शीतल पवार का हृदय से आभार व्यक्त किया। उनके सहयोग और प्रेरणा से ही यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।किसी के जन्मदिन को सेवा के साथ मनाना समाज के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। शीतल जी का यह योगदान वास्तव में प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में संस्था के अनेक सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने पूरी व्यवस्था संभाली।

बस स्टैंड पर उपस्थित यात्रियों एवं आमजन ने इडली का आनंद लिया और संस्था की इस पहल की सराहना की। अंत में, हेमा मनोत ने सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

समाज सेवा के क्षेत्र में मिसाल बन रहा है राधे-राधे ग्रुप : शिव भगवान अग्रवाल

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा, समर्पण और मानवता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान शिव भगवान अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज के समय में समाज सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त और प्रेरणादायक संगठन के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि निरंतर और निस्वार्थ सेवा के माध्यम से यह समूह जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल समाज को जोड़ते हैं, बल्कि लोगों के भीतर सेवा भावना को भी जागृत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समय-समय पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और मानव सेवा से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाता रहा है। यही कारण है कि आज यह समूह समाज में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है और दिन-प्रतिदिन इसकी लोकप्रियता एवं प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

इस अवसर पर समूह के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रमुख रूप से जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, सुयश अग्रवाल, अर्चना शास्त्री, रेनू शर्मा, रेनू गुप्ता, स्वास्ति अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल एवं नीलम अरुण विजयवर्गीय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राजस्थानी स्नातक संघ का

प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह 7 जून को, यूथ कॉन्क्लेव भी साथ में

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर की सुप्रसिद्ध एवं प्राचीन संस्था राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा गत कई वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों एवं समाज के बंधुओं का सम्मान किया जाता रहा है। इसी क्रम में प्रति वर्ष वरिष्ठ राजस्थानी शिक्षकों का भी सम्मान किया जाता है।

संस्था के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 7 जून, रविवार को प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। साथ ही आरजीए 'युवा साथी' द्वारा उसी दिन यूथ कॉन्क्लेव का भी आयोजन किया जाएगा।

यूथ कॉन्क्लेव के अंतर्गत युवाओं के लिए वाद-विवाद, सामूहिक चर्चा, संगीत, स्टैंडअप कॉमेडी, गायन एवं व्यक्तित्व विकास जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन गतिविधियों के लिए विभिन्न विधाओं के ज्ञाता युवा कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा।

कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करते हुए आयोजन स्थल के चयन के लिए आरजीए अध्यक्ष मनोज गोयल, मंत्री अजय कुमार अग्रवाल, प्रतिभा विकास समिति के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय तथा आरजीए युवा साथी श्री नारायण तोषनीवाल और अनिरुद्ध लाहोटी ने नगर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया।

प्रतिभा विकास एवं शिक्षक सम्मान समारोह के संयोजक जितेन्द्र विजयवर्गीय ने बताया कि इस वर्ष कुछ नए क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिल सके।

राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने बताया कि आरजीए युवा साथियों द्वारा आयोजित यह पहला और नवीन प्रकार का कार्यक्रम है। वहीं, युवा साथी अनिरुद्ध लाहोटी और श्री नारायण तोषनीवाल ने इसे अपने लिए नया अनुभव बताते हुए आयोजन को लेकर उत्साह व्यक्त किया।

उन्होंने इस जिम्मेदारी के लिए संस्था का आभार भी जताया। मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को संस्था से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे समाज में नई ऊर्जा और सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा।

पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद एवं हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल व एम. श्रीनिवासुलु को स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन करते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार। साथ में हैं जैनरत्न जसराज श्रीश्रीमाल, मुरली मनोहर पलोड, प्रवीण पाण्डया, शिवकुमार, कोटी श्रीधर, कालु सिंह, पुरूषोत्तम गुप्ता व अन्य गौरक्षा, गौशाला व गौसेवा समिति के सदस्यगण ।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का स्वर्णिम दौर : जागता भारत, सशक्त सनातन : जगतनारायण अग्रवाल

आज का भारत एक ऐसे ऐतिहासिक कालखंड से गुजर रहा है, जहाँ परिवर्तन केवल शासन या राजनीति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्र की आत्मा, उसकी सांस्कृतिक चेतना और उसकी मूल पहचान के पुनर्जागरण का प्रतीक बन चुका है। यह वह समय है जब भारत अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए आधुनिकता के साथ संतुलन स्थापित कर रहा है एक ऐसा संतुलन, जो उसे विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान प्रदान कर रहा है।

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें, तो पाएंगे कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महान राष्ट्रनायकों ने जिस अखंड और सशक्त भारत का सपना देखा था, वह आज धीरे-धीरे साकार होता प्रतीत हो रहा है। उनका जीवन केवल एक राजनीतिक यात्रा नहीं था, बल्कि वह राष्ट्रभक्ति, त्याग और सिद्धांतों की अटूट मिसाल था। आज के कई महत्वपूर्ण निर्णयों में उनके विचारों की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है।

इसी क्रम में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना भारत की एकता और समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम माना जाएगा।

इस निर्णय ने न केवल एक लंबे समय से चले आ रहे संवैधानिक प्रावधान को समाप्त किया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि देश की अखंडता सर्वोपरि है। यह एक ऐसा निर्णय था, जिसने पूरे राष्ट्र में एक नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया।

दूसरी ओर, राम मंदिर का निर्माण भारतीय आस्था, धैर्य और संघर्ष का एक जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया है। सदियों तक चले संघर्ष और अनगिनत आस्थाओं के संकल्प के बाद जब यह सपना साकार हुआ, तो यह केवल एक मंदिर का निर्माण नहीं था, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और विश्वास की पुनर्स्थापना का ऐतिहासिक क्षण था। यह वह क्षण था, जिसने हर भारतीय के मन में गर्व और संतोष की अनुभूति कराई।

बंगाल जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण प्रदेश में जो वैचारिक परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह भी इस व्यापक जागरण का ही एक हिस्सा है। वहाँ की जनता में अपनी सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं के प्रति जो नई जागरूकता आई है, वह इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी विरासत को लेकर अधिक सजग और आत्मविश्वासी हो रहा है।

हालाँकि, यह अत्यंत आवश्यक है कि हम इस पूरे परिवर्तन को केवल किसी एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में सीमित न करें। यह उससे कहीं अधिक व्यापक और गहरा है। यह भारत की उस सनातन चेतना का उदय है, जो सदियों से इस भूमि की आत्मा में प्रवाहित होती रही है। सनातन धर्म केवल एक धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन जीने की वह समग्र पद्धति है, जो सत्य, अहिंसा, करुणा, सहिष्णुता और समरसता का संदेश देती है।

आज जब कुछ लोग हमारी परंपराओं और मूल्यों का उपहास करते हैं या उन्हें कमजोर करने का प्रयास करते हैं, तब यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम अपनी जड़ों को पहचानें, उन्हें समझें और उनके प्रति गर्व महसूस करें।

लेकिन इसके साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम अपनी अभिव्यक्ति में संयम, शालीनता और सकारात्मकता बनाए रखें। क्योंकि यही हमारी संस्कृति की वास्तविक शक्ति हैवह जोड़ती है, तोड़ती नहीं।

आज का यह स्वर्णिम काल हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि हमें एक बड़ी जिम्मेदारी भी सौंपता है। यह जिम्मेदारी है एक ऐसे भारत के निर्माण की, जो केवल शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, समरस और समावेशी भी हो। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह जागरण समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करे, और हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़े।

अंततः, यही वह मार्ग है जो भारत को न केवल एक महान राष्ट्र बनाएगा, बल्कि उसे विश्व में एक नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करेगा। जब हम अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे, तभी हम उस भारत का निर्माण कर पाएंगे, जिसका स्वप्न हमारे महान राष्ट्रनायकों ने देखा था।

सेवा ही सच्चा धर्म, राधे-राधे ग्रुप दे रहा समाज को नई दिशा : गुरदीप सिंह मक्कड़

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और संतोष साफ दिखाई दिया।

इस अवसर पर गुरदीप सिंह मक्कड़ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज को सही दिशा देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और जरूरतमंदों की मदद करने से जो आत्मिक संतोष मिलता है, वह किसी अन्य कार्य से नहीं मिलता। उन्होंने यह भी कहा कि जब भूखे व्यक्ति को भोजन मिलता है और उसके चेहरे पर मुस्कान आती है, वही पल सेवा का वास्तविक पुरस्कार होता है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई और जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया।

इस दौरान राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारडा, सुरेश डालमिया, गुरबीर सिंह मक्कड़, नंद किशोर अग्रवाल, रविंद्र शर्मा, महेश अग्रवाल, रचित अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहन लाल दायमा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अंत में सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

प्रजा एकता पार्टी में शामिल हुए महंत योगी प्रशांत दास और चंचल देवी सोनी

राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर पर मिली जिम्मेदारी

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रजा एकता पार्टी (पीईपी) के कुनबे में विस्तार करते हुए मंगलवार को दो प्रमुख हस्तियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उदासीन आश्रम के पीठाधिपति महंत योगी प्रशांत दास और तेलंगाना प्रदेश मारवाड़ी समिति (महिला विंग) की पूर्व अध्यक्षा चंचल देवी सुगंध सोनी आधिकारिक रूप से पार्टी में शामिल हो गए।

प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने दोनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई और उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उदासीन आश्रम के पीठाधिपति महंत योगी प्रशांत दास के आध्यात्मिक और सामाजिक प्रभाव को देखते हुए उन्हें प्रजा एकता पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व को भरोसा है कि उनके जुड़ने से पार्टी के राष्ट्रीय विस्तार और वैचारिक मजबूती को नया बल मिलेगा।

गौ सेवक और तेलंगाना प्रदेश मारवाड़ी समिति महिला विंग की पूर्व अध्यक्षा चंचल देवी सुगंध सोनी को पार्टी ने तेलंगाना प्रदेश समन्वयक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सामाजिक कार्यों और विशेषकर गौ सेवा के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव का लाभ पार्टी को प्रदेश स्तर पर मजबूती प्रदान करने में मिलेगा।

नियुक्ति के अवसर पर पार्टी अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने कहा कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से प्रतिष्ठित व्यक्तियों का पार्टी से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि जनता प्रजा एकता पार्टी की नीतियों पर भरोसा कर रही है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पार्टी के मिशन को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया।

अस्पताल में खाली मेडिकल पदों के लिए वॉक-इन इंटरव्य

पेद्दापल्ली, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में खाली मेडिकल पदों को भरने के लिए वॉक-इन इंटरव्य आयोजित किए जा रहे हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों से इसमें शामिल होने का अनुरोध किया गया है। जिला अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. के. श्रीधर ने मंगलवार को एक बयान में इस बात की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि पेद्दापल्ली जिले के तेलंगाना वैद्य विधान परिषद अस्पतालों में कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर 2 पद सिविल असिस्टेंट सर्जन स्पेशलिस्ट (पीडियाट्रिशियन) और 3 पद सिविल असिस्टेंट सर्जन (एमबीबीएस) को भरने के लिए जिला सरकारी अस्पताल में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए जा रहे हैं।

वेतन लंबित : एनएचएम कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एनएचएम कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग कर्मचारी यूनियन (एआईटीयूसी से जुड़ी) ने डीएम एवं एचओ डॉ. सुजाता को एनएचएम कॉन्ट्रैक्ट और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की 4 महीने की पेंडिंग सैलरी तुरंत देने के लिए एक पिटीशन दी है।

इस मौके पर बोलते हुए चंदू ने चिंता जताई कि कर्मचारियों को महीनों से सैलरी नहीं मिलने की वजह से गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि कर्मचारियों की सैलरी हर महीने की 5 तारीख तक सुनिश्चित रूप से जारी करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

चंदू ने बताया कि वेतन में लगातार देरी के कारण कर्मचारियों के सामने रोजमर्रा के खर्च पूरे करना मुश्किल हो गया है। कई कर्मचारी घर का किराया, बिजली-पानी के बिल, दूध के खर्च, बच्चों की स्कूल फीस और ईएमआई तक नहीं चुका पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल महीने का वेतन लंबित है, जिससे हालात और गंभीर हो गए हैं।

डीएम एवं एचओ कार्यालय के कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार इस महीने की 25 तारीख तक वेतन जारी नहीं करती है, तो 26 तारीख से लंच टाइम के दौरान काली रिबन पहनकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

इस दौरान एस.एन.सी.यू. (मैटरनल एंड चाइल्ड केयर सेंटर) के क्लास-4 कर्मचारी, सपोर्टिंग स्टाफ, कंटिंजेंट वर्कर और सिक्योरिटी गार्ड भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राजेंद्र, सुनीता, बड्डुगु सिरिशा सहित कई कर्मचारियों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता दिखाई।

रामभक्तों से माफी मांगें कोंडा सुरेखा: विहिप

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के धर्माचार्य प्रमुख पगुडाकुल बालस्वामी ने मंगलवार को एक बयान जारी कर तेलंगाना की बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा से हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए तत्काल माफी मांगने की मांग की है।

बालस्वामी ने मंत्री के उस कथित बयान पर कड़ा ऐतराज जताया जिसमें उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा था कि क्या 'जय श्री राम' कहने से ऊपर से पैसे गिरेंगे? उन्होंने कहा कि इस तरह की टिप्पणी करना करोड़ों रामभक्तों का अपमान है। उन्होंने कहा कि बंदोबस्ती मंत्री के पद पर रहते हुए देवताओं का अपमान करना उनके गिरते हुए स्तर को दर्शाता है।

विहिप नेता ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हिंदू विरोध कांग्रेस पार्टी के डीएनए में है और कोंडा सुरेखा ने अपने शब्दों से इस बात को एक बार फिर साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, ''भक्त भक्ति भाव से राम नाम का जाप करते हैं; 'जय श्री राम' कोई व्यावसायिक शब्द नहीं है जिसे पैसों के लिए बोला जाए।'' उन्होंने आगे कहा कि राम नाम हर उस व्यक्ति के रोम-रोम में बसा है जो आध्यात्मिक भाव रखता है।

बालस्वामी ने आरोप लगाया कि कोंडा सुरेखा मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति के तहत हिंदुओं की भावनाओं को आहत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में भगवान राम को घसीटना मूर्खता है। बालस्वामी ने चेतावनी दी कि यदि मंत्री ने तुरंत माफी नहीं मांगी, तो उन्हें रामभक्तों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

सत्ता के अहंकार में भगवान राम और हिंदुओं का अपमान करने वाले नेताओं का हश्र याद दिलाते हुए बालस्वामी ने कहा कि ऐसे लोग आज सजा भुगत रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कल के चुनाव परिणामों को देखकर शायद कोंडा सुरेखा सदमे में हैं, इसलिए वे इस तरह की अनर्गल बयानबाजी कर रही हैं। उन्होंने सभी हिंदुओं से दलगत राजनीति से ऊपर उठकर मंत्री के इस बयान का विरोध करने का आह्वान किया।

भाजपा की जीत पर माथुर वैश्य इंटरनेशनल क्लब ने मनाया जश्न

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक जीत एवं असम व पांडिचेरी में सफलता हासिल करने पर हैदराबाद में उत्सव का माहौल देखा गया। इस अवसर पर माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की माइक्रो कैबिनेट सदस्याओं ने भजन-कीर्तन एवं नृत्य के माध्यम से अपनी खुशी व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान अरुणा गुप्ता, अर्चना गुप्ता, परमेश्वरी, दीपा, तनुजा, रीतू, प्रीति और सुनीता सहित अन्य सदस्याओं ने भजन-कीर्तन एवं नाच-गाकर उत्सव मनाया।

उपस्थित सदस्यों ने इस जीत को भाजपा, सनातन धर्म एवं हिंदुत्व की विचारधारा की विजय बताते हुए एक-दूसरे को बधाई दी और खुशी साझा की।

कार्यक्रम में शामिल सभी सदस्यों ने एकजुटता का परिचय देते हुए खुशी का इजहार किया और भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने हेतु अभियान तेज, उद्योगपतियों से मांगा सहयोग

हैदराबाद/सूरत, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौमाता को 'राष्ट्रमाता/राष्ट्र आराध्या' का संवैधानिक दर्जा दिलाने के उद्देश्य से आगामी 7 मई 2026 को सूरत (गुजरात) में आयोजित होने वाले गो सम्मान आह्वान अभियान को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

इस संदर्भ में साध्वी कपीला गोपाल सरस्वती, 'लव फॉर काऊ फाउंडेशन' के चेयरमैन जसमतभाई पटेल एवं अन्य पदाधिकारियों ने भारत के सुप्रसिद्ध उद्योगपति लालजीभाई बादशाह तथा पद्मश्री मथुर सवानी से मुलाकात कर अभियान की विस्तृत जानकारी दी और उनके सहयोग का अनुरोध किया।

प्रतिनिधिमंडल ने दोनों प्रमुख हस्तियों को अभियान के उद्देश्यों, कार्यक्रम की रूपरेखा और समाज में इसके महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह अभियान गौमाता के संरक्षण, संवर्धन एवं सम्मान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गौमाता भारतीय संस्कृति, परंपरा और आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसे 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है।

गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत 7 मई को सूरत में एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से संत-महात्मा, समाजसेवी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

फर्नीचर की दुकानों में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मेडचल-मल्काजगिरि जिले के बाचुपल्ली में फर्नीचर की दुकानों में भीषण आग लग गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात के आसपास प्रगति नगर से बाचुपल्ली जाने वाली मुख्य सड़क पर 'माई स्पेस' के पास स्थित छह फर्नीचर की दुकानों में अचानक से आग लग गई। आग की लपटों ने देखते ही देखते पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई।

आग की सूचना मिलते ही पुलिसकर्मियों के साथ छह दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाने में सफल रहीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इससे पहले भी इलाके में इसी तरह की आग लग चुकी है, जिससे बार-बार होने वाली सुरक्षा समस्याओं को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, संपत्ति को काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

स्कूलों द्वारा अग्रिम शुल्क वसूली पर टीजीएचआरसी सख्त, कार्रवाई के निर्देश

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): माननीय अध्यक्ष डॉ. जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता वाले तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीजीएचआरसी) ने बोडुप्पल के एक निजी स्कूल के खिलाफ दर्ज शिकायत (क्रमांक. 1679/2026) पर कड़ा संज्ञान लिया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि स्कूल शैक्षणिक वर्ष 2026-2027 के लिए वार्षिक शुल्क का 50% हिस्सा अग्रिम रूप से वसूल रहा है, साथ ही किताबों और वर्दी (यूनिफॉर्म) के लिए भी अग्रिम भुगतान का दबाव बना रहा है।

आयोग ने टिप्पणी की कि इस तरह की प्रथाएं अनुचित, मनमानी और शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने वाले स्थापित कानूनी सिद्धांतों के विपरीत हैं। आयोग ने दोहराया कि अनुच्छेद 21 के तहत शिक्षा एक मौलिक अधिकार है और इसे लाभ कमाने वाली गतिविधि के रूप में नहीं देखा जा सकता।

अभिभावकों पर डाले जा रहे अनुचित वित्तीय बोझ और विशिष्ट विक्रेताओं से ही सामान खरीदने के लिए मजबूर करने में पारदर्शिता की कमी को देखते हुए, आयोग ने मेदचल-मलकजगिरि जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) को ऐसे स्कूलों के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश की है। आयोग ने यह सुनिश्चित करने को कहा है कि शुल्क नियमन मानदंडों का पालन किया जाए, जो कि किश्तों में शुल्क वसूली का आदेश देते हैं।

मानवाधिकार आयोग का कड़ा रुख और समयबद्ध रिपोर्ट की मांग

आयोग ने संबंधित अधिकारियों को मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के तहत निर्धारित समय के भीतर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है और इसके साथ ही कार्यवाही को बंद कर दिया है।

नियमों के उल्लंघन पर होगी जवाबदेही तय

टीजीएचआरसी ने स्पष्ट किया है कि कोई भी शिक्षण संस्थान छात्रों या उनके अभिभावकों का शोषण नहीं कर सकता। अग्रिम शुल्क की मांग करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह शिक्षा की सुलभता को भी प्रभावित करता है।

शिक्षा विभाग को अब उन सभी स्कूलों की निगरानी करनी होगी जो नए सत्र के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की शिकायतों की पुनरावृत्ति न हो।

कंभमपति शारदा तेलंगाना सोशल वेलफेयर गुरुकुल की स्टेट सेक्रेटरी बनीं

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकार ने सोमवार को खम्मम ज़िले की कंभमपति शारदा को तेलंगाना सोशल वेलफेयर गुरुकुल के स्टेट इंचार्ज सेक्रेटरी की ज़िम्मेदारी सौंपी। शारदा, जिन्होंने सबसे पहले खम्मम ज़िले में गुरुकुल टीचर के तौर पर नौकरी शुरू की थी, आगे बढ़ते हुए एर्रुपलेम, मुलकमपल्ली और वैरा गुरुकुल में टीजीटी, पीजीटी, लेक्चरर, प्रिंसिपल के पदों पर रहीं। उसके बाद, उन्होंने डीसीओ, आरसीओ और बाद में स्टेट जॉइंट सेक्रेटरी के तौर पर अच्छे से काम किया। अभी, राज्य सरकार ने कंभमपति शारदा को गुरुकुल सेक्रेटरी की ज़िम्मेदारी सौंपी है।

जॉइंट ज़िले की सोशल वेलफेयर टीमों ने गुरुकुल के स्टेट सेक्रेटरी की ज़िम्मेदारी सौंपे जाने पर शारदा को खास बधाई दी है, जो किसी भी ज़िम्मेदारी को लगन और कुशलता से निभा रही हैं। कंभमपति शारदा का करियर एक शिक्षक के रूप में शुरू होकर आज राज्य स्तर के प्रशासनिक पद तक पहुंचा है। उन्होंने विभिन्न गुरुकुल संस्थानों में सेवा देते हुए शिक्षा और प्रबंधन दोनों क्षेत्रों में अपनी दक्षता साबित की है। उनके अनुभव और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए ही सरकार ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

रंगारेड्डी जिले के अमंगल सोशल वेलफेयर स्कूल की प्रिंसिपल विनोला ने मंगलवार को तेलंगाना सोशल वेलफेयर गुरुकुल की नई सेक्रेटरी कंभमपति शारदा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रिंसिपल विनोला ने कंभमपति शारदा को गुलदस्ता भेंट कर उनकी नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

केबीआर पार्क पर सेवा का अनूठा उदाहरण, जरूरतमंदों के लिए अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, तेजप्रकाश अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा भाव के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करना ही सच्ची मानवता है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर अन्नदान जैसे पुण्य कार्यों का आयोजन करता आ रहा है और आगे भी यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। अंत में सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहेंगे और समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को सशक्त बनाएंगे।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक आंधी-तूफान और बिजली गिरने के आसार

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में अगले पांच दिनों के दौरान गरज के साथ बिजली गिरने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। अगले चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। पूरे तेलंगाना में 10 और 11 मई को मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य भर में मौसम शुष्क बना रहा। इस अवधि में सबसे अधिक 43.3 डिग्री सेल्सियस तापमान आदिलाबाद में दर्ज किया गया।

भाकपा ने आज ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन का किया आह्वान

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राज्य सचिव और विधायक कुनमनेनी संबाशिव राव ने ईंधन की बढ़ती कीमतों और कमी के खिलाफ 6 मई को राज्यव्यापी विरोध- प्रदर्शन का आह्वान किया है। उन्होंने अपने बयान में पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से इस आंदोलन को सफल बनाने का आग्रह करते हुए फसल कटाई के मौसम में डीजल की अनुपलब्धता के कारण होने वाली कठिनाइयों को उजागर किया।

उन्होंने सरकार की इस बात के लिए आलोचना की कि वह कमी होने से इनकार कर रही है, जबकि लोग अभी भी ईंधन स्टेशनों पर लंबी कतारों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी और पेट्रोल व डीजल की दरों में प्रस्तावित वृद्धि से जनता पर और बोझ पड़ने और महंगाई बढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने यह चेतावनी देते हुए कि ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर जरूरी चीजों और व्यवसायों पर पड़ेगा, अपील की कि भाकपा के बैनर तले सभी जिलों, मंडलों और गांवों में विरोध-प्रदर्शन किए जाएं, जिसमें विरोध के प्रतीक के तौर पर गैस सिलेंडरों और खाली डिब्बों का इस्तेमाल किया जाए।

तेलंगाना भाजपा ने मोदी की 10 मई की रैली को भव्य बनाने का किया आह्वान

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मंगलवार को जनता से सिकंदराबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी रैली को भव्य सफल बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री के 10 मई को सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड दौरे की तैयारियों के तहत, श्री राव ने तारनाका में एक दीवार लेखन अभियान में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने पार्टी का कमल चिन्ह को पेंट किया। पूर्व महापौर बंदा कार्तिका रेड्डी और अन्य पार्टी नेताओं ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री राव ने कहा कि यह मोदी की तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद तेलंगाना की पहली यात्रा है और उन्होंने पूरे राज्य के लोगों से बड़ी संख्या में रैली में शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता प्रचार-प्रसार के प्रयासों में सक्रियता से लगे हुए हैं, जिनमें पोस्टर लगाना, फ्लेक्स बैनर लगाना और दीवारों पर संदेश लिखना शामिल है।

राष्ट्रीय नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री राव ने कहा कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था चुनौतियों का सामना कर रही है, मोदी भारत को विकास के मार्ग पर तीव्रता से अग्रसर कर रहे हैं और तेलंगाना को उनका हार्दिक स्वागत करना चाहिए। उन्होंने चुनावी अनियमितताओं के आरोपों को लेकर ममता बनर्जी और राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं की आलोचना की। ऐसे दावे करने वालों को हार के बाद लोकतांत्रिक जनादेश पर सवाल उठाने की बजाय उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने बल देकर कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और उसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने साथ में यह भी कहा कि चुनाव आयोग या ईवीएम जैसी संस्थाओं को दोष देना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता है।

लावारिस नवजात को मिला अस्पताल का ममता भरा आंचल, विदाई के वक्त छलके आंसू

बांसवाड़ा, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा में मदीना कॉलोनी में अपने माता-पिता द्वारा छोड़े गए एक बच्चे के लिए बांसवाड़ा एरिया हॉस्पिटल के मेडिकल स्टाफ के प्यार ने सबके दिलों को छू लिया। एक हफ्ते पहले, अनजान लोग मदीना कॉलोनी में एक नवजात बच्चे को छोड़ गए थे। कॉलोनी के लोगों ने बच्चे की जान बचाई और पुलिस को इन्फॉर्म किया, जिसके बाद पुलिस ने बच्चे को बांसवाड़ा एरिया हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया। तब से, हॉस्पिटल की नर्सों और मेडिकल स्टाफ ने बच्चे की देखभाल एक नवजात बच्चे की तरह की है।हॉस्पिटल स्टाफ ने बच्चे को बहुत प्यार से पाला। उसे समय पर दूध पिलाया, दवाइयां दीं और पूरी देखरेख के साथ सुलाया। एक हफ्ते के भीतर ही स्टाफ के बीच बच्चे के प्रति गहरा लगाव बन गया। हर कोई उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह मानने लगा था।मंगलवार को चाइल्ड वेलफेयर डिपार्टमेंट के अधिकारी हॉस्पिटल पहुंचे और ऑफिशियली बच्चे को हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. विजय कुमार से अपने संरक्षण में ले लिया।

यह प्रक्रिया नियमानुसार की गई ताकि बच्चे का भविष्य सुरक्षित किया जा सके।नर्सें और अस्पताल का स्टाफ उस बच्चे को जाते हुए काफी भावुक नजर आए, जो एक हफ्ते से उनकी आंखों के सामने पल रहा था।

सभी ने नम आंखों से बच्चे को अलविदा कहा। इस भावुक दृश्य को देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं।

हीटस्ट्रोक से किसान की मौत पुलिस ने दर्ज किया मामला

बांसवाड़ा, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा मंडल के बोरलाम कैंप टांडा निवासी पतुलोत बस (पुत्र पतुलोत चंदर) की अर्जी पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता का नाम धन सिंह बताया गया है। उनकी उम्र 58 वर्ष थी, वे अनुसूचित जनजाति (डढ) से संबंधित थे और पेशे से किसान थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 मई 2026 को दोपहर करीब 3 बजे धन सिंह अपने रोज़ाना के कार्य के लिए गांव के अंतिम छोर की ओर गए थे। दैनिक कार्य के बाद वह नहाने के लिए नहर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज गर्मी और हीटस्ट्रोक के कारण रास्ते में ही अचानक गिर पड़े। घटना के बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए बांसवाड़ा सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बांसवाड़ा स्टेशन हाउस ऑफिसर के अनुसार, परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

आरटीसी मर्जर प्रक्रिया तेज करने की मांग, स्टेट कमेटी ने सौंपा ज्ञापन

बांसवाड़ा, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्टेट कमेटी के एक डेलीगेशन ने वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर से मुलाकात कर आरटीसी मर्जर प्रोसेस की अपॉइंटमेंट डेट में तेजी लाने के लिए एक ज्ञापन सौंपा।

आरटीसी मर्जर प्रोसेस को सरकार में लागू करने के लिए मुख्यमंत्री से पहले ही अनुरोध किया गया था। इसी बीच भारतीय मजदूर संघ से जुड़ी यूनियन टीजीएसआरटीसी कार्मिक संघ ने 22 अप्रैल 2026 की आधी रात से सभी यूनियनों के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया था।

हालांकि, प्रशासन की पहल पर सेक्रेटेरिएट में ट्रांसपोर्ट विभाग, मंत्रिस्तरीय टीम और आईएएस कमेटी के साथ विस्तृत बातचीत हुई। इस दौरान मजदूरों की समस्याओं, वेतन संशोधन, यूनियन वेरिफिकेशन और मर्जर प्रक्रिया की अपॉइंटमेंट डेट जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई।

मजदूरों की भलाई, यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन को ध्यान में रखते हुए अंतिम दौर की वार्ता में ठोस समझौता हुआ, जिसके बाद हड़ताल समाप्त कर दी गई। यूनियन नेताओं ने इस पहल को सकारात्मक बताते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की।

आरटीसी वर्कर्स यूनियन स्टेट कमेटी ने संगठन के सरकार के साथ मर्जर के लिए अपॉइंटमेंट की तारीख को एकमत से मंजूरी दे दी है। साथ ही अन-ुरोध किया गया है कि पहले से स्वीकृत मर्जर प्रक्रिया और उसकी औपचारिकताएं जून 2026 से शुरू की जाएं, जो तेलंगाना राज्य के गठन का भी महत्वपूर्ण महीना है।

यूनियन ने यह भी मांग रखी है कि आरटीसी पर पहले से लागू श्रम कानूनों और केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नए लेबर कोड्स को मर्जर प्रक्रिया में शामिल किया जाए, ताकि कर्मचारियों के हित सुरक्षित रह सकें।

गंभीरावपेट में बायोगैस संयंत्र की आधारशिला:

डिप्टी सीएम भट्टी ने किसानों से हरित ऊर्जा अपनाने का किया आह्वान

राजन्ना सिरसिला, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को राजन्ना सिरसिला जिले के गंभीरावपेट में एक कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से टिकाऊ और आय बढ़ाने वाले विकल्पों को तलाशने की अपील की।

यह परियोजना पंतुलु गार्डन में 'बायोस्ट्रैटम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' द्वारा स्थापित की जा रही है, जिसका उद्देश्य कृषि संसाधनों का उपयोग करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना है।

न्यूनतम निवेश में अतिरिक्त आय का जरिया

सभा को संबोधित करते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि घास और अन्य कृषि अवशेषों का उपयोग करके बायोगैस उत्पादन से किसान न्यूनतम निवेश के साथ आय के अतिरिक्त स्रोत बना सकते हैं।

स्वच्छ और हरित ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव पर जोर देते हुए, उन्होंने किसानों से टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने और वैकल्पिक तथा बागवानी फसलों की ओर रुख करने का आग्रह किया।

किसानों को न केवल खेती पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, बल्कि पर्यावरण की रक्षा और प्रदूषण को रोकने की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। किसान ही राष्ट्र का सच्चा राजा है, उन्होंने कहा।

राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और केंद्र की आलोचना

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को लाभ पहुंचाने वाले और सतत विकास को बढ़ावा देने वाले उपक्रमों का समर्थन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इसी दौरान, उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आलोचना की कि तेलंगाना की किसी भी परियोजना को अब तक 'राष्ट्रीय परियोजना' का दर्जा नहीं दिया गया है।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कृषि मंत्री थुम्मला नागेश्वर राव, आईटी मंत्री दुद्दिली श्रीधर बाबू, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वेमुलावाड़ा विधायक आदि श्रीनिवास सहित कांग्रेस के कई नेता और समर्थक उपस्थित थे। बायोगैस संयंत्र की स्थापना को जिले में कृषि-आधारित उद्योगों के लिए एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

कौशल विकास और रोजगार के लिए सीएम रेवंत ने पूर्व आरबीआई गवर्नर राजन से मांगे सुझाव

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन से राज्य में सभी स्तरों और सभी क्षेत्रों में शिक्षा पाठ्यक्रम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एकीकरण की जांच के लिए एक समिति के गठन हेतु सिफारिशें मांगी हैं। मुख्यमंत्री ने राजन को मध्य-स्तर के रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए स्किल यूनिवर्सिटी और एडवांस ट्रेनिंग सेंटर (एटीसी) की स्थापना के बारे में भी जानकारी दी।

तेलंगाना की विकास योजनाओं पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक के दौरान, वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लेते हुए राजन ने कहा कि नए उद्योगों की स्थापना और निवेश का प्रवाह काफी हद तक सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' नीतियों पर निर्भर करता है। उन्होंने स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे और भी अधिक लाभकारी परिणाम प्राप्त होंगे।

मानव संसाधन विकास और एआई का व्यवस्थित उपयोग

रघुराम राजन ने कहा कि नौकरी चाहने वालों के बीच कौशल बढ़ाने से उन्हें रोजगार के अधिक अवसर मिलेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मानव संसाधनों के विकास के लिए कुपोषण के मुद्दे को हल करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पूर्व आरबीआई गवर्नर ने टिप्पणी की कि यदि एआई का उचित और व्यवस्थित तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह सभी के लिए फायदेमंद साबित होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि तमिलनाडु जैसी औद्योगिक नीति अपनाने से अधिक निवेश आकर्षित करने में मदद मिल सकती है। राजन ने यह भी देखा कि डेटा सेंटर बिजली और पानी दोनों की महत्व-पूर्ण खपत करते हैं। उन्होंने बताया कि वह अगले तीन से चार महीनों के भीतर हैदराबाद आने का इरादा रखते हैं।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने पुष्टि की कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक भूमि और बुनियादी ढांचे सहित सभी सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बिजली का उत्पादन भी किया जा रहा है। भट्टी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आउटर रिंग रोड सहित अन्य सुविधाएं पूरी तरह से चालू हैं।

क्षेत्रीय रिंग रोड स्थापित करने के अलावा, सरकार रेडियल सड़कों का विकास कर रही है और उद्योगों के लिए विशेष क्लस्टर बना रही है।

उपमुख्यमंत्री ने विस्तार से बताया कि राज्य को विकास के प्रति केंद्रित दृष्टिकोण के लिए पहले से ही तीन अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। भट्टी ने कहा कि प्रशासन ''क्योर, प्योर और रेयर'' मॉडल के आधार पर आगे बढ़ रहा है, जिसमें राज्य को हैदराबाद के मुख्य शहरी क्षेत्र, उसके आसपास के उप-शहरी क्षेत्र और बाकी ग्रामीण क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

युवाओं में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना की गई है। आईटीआई को उन्नत प्रशिक्षण केंद्रों (एटीसी) में बदला जा रहा है।

औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण

आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना में मौजूदा स्थितियां व्यापार करने में आसानी के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं। उन्होंने राजन को समझाया कि सरकार फार्मा, आईटी और डेटा सेंटर क्षेत्रों के लिए आवश्यक अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचा प्रदान कर रही है।

उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अथक प्रयासों का उल्लेख करते हुए रघुराम राजन से तेलंगाना के औद्योगिक विकास के लिए उचित सलाह और सुझाव देने का अनुरोध किया।

बीसी जनगणना पर वी. हनुमंत राव का बड़ा ऐलान

9 मई से करेंगे आमरण अनशन

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव (वीएचआर) ने मंगलवार को घोषणा की कि वे पिछड़ा वर्ग (बीसी) की जाति जनगणना पर केंद्र सरकार के रुख के विरोध में 9 मई से आमरण अनशन शुरू करेंगे। गांधी भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्र सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए जाति जनगणना कराने का स्पष्ट आश्वासन नहीं दे देती। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 मई को प्रस्तावित तेलंगाना दौरे से पहले, 8 मई तक इस मुद्दे पर स्थिति साफ की जाए।

प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार से पूछे तीखे सवाल

हनुमंत राव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी, जो स्वयं को पिछड़ा वर्ग समुदाय से बताते हैं, इस मांग का समर्थन क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जानबूझकर पिछड़ों के अधिकारों की अनदेखी कर रही है। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना में जाति जनगणना की पहल का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी की सराहना की।

बढ़ती महंगाई और जनसामान्य की समस्याओं पर चिंता

वीएचआर ने केवल जनगणना ही नहीं, बल्कि आर्थिक मुद्दों पर भी केंद्र को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के तहत बढ़ती कीमतों और महंगाई ने समाज के सभी वर्गों, विशेषकर गरीबों और पिछड़ों के लिए भारी मुश्किलें पैदा कर दी हैं।

प्राण त्याग दूंगा पर पीछे नहीं हटूंगा

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि बीसी समुदायों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ वे अपना बलिदान देने को तैयार हैं। उन्होंने भाजपा के बीसी सांसदों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और कहा कि यदि केंद्र 8 मई तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाता, तो 9 मई से उनका अनशन शुरू हो जाएगा, जो एक निर्णायक लड़ाई होगी।

आंगनवाड़ी के रिक्त पद जल्द भरे जाएंगे: स्वास्थ्य मंत्री

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने मंगलवार को कहा कि आंगनवाड़ी शिक्षकों, पर्यवेक्षकों (सुपरवाइजर्स) और सहायिकाओं के रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा। वे संगारेड्डी में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहाँ आंगनवाड़ी शिक्षकों को मोबाइल फोन वितरित किए गए थे।

मंत्री ने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। '99-दिवसीय प्रजा पालन – प्रगति प्रणालिका' पहल के तहत जिला महिला, बाल, विकलांग और वरिष्ठ नागरिक कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए, उन्होंने आंगनवाड़ी प्रणाली को मजबूत करने के उपायों की रूपरेखा तैयार की।

उन्होंने घोषणा की कि सभी केंद्रों के लिए समर्पित भवनों का निर्माण किया जाएगा और कर्मचारियों को लापरवाही के खिलाफ चेतावनी देते हुए जोर दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए। जोगीपेट-अंधोले नगर पालिका में आयोजित इस कार्यक्रम में, मंत्री ने 10 विकलांग व्यक्तियों को मुफ्त स्कूटर और 286 आंगनवाड़ी शिक्षकों को स्मार्टफोन वितरित किए।

दामोदर राजनरसिम्हा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। नई नियुक्तियों से जमीनी स्तर पर सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

डिजिटल साक्षरता और आधुनिक उपकरणों का वितरण

कार्यक्रम के दौरान स्मार्टफोन वितरण का उद्देश्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना है ताकि वे डेटा प्रबंधन और रिपोर्टिंग को अधिक कुशलता से कर सकें। मंत्री ने दोहराया कि प्रौद्योगिकी के उपयोग से सरकारी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचेगा। इसके साथ ही, दिव्यांगजनों को स्कूटर वितरण उनके स्वतंत्र आवागमन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक मानवीय प्रयास है।

एक लाख रुपये की रिश्वत लेते जीएचएमसी की कनीय सहायक गिरफ्तार

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जीएचएमसी में कार्यरत एक कनीय सहायक को सोमवार को शहर में रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, खैराताबाद जोन के बोराबंडा सर्कल-37 में तैनात राजस्व/कर विभाग की जूनियर असिस्टेंट बी श्रीलता को यूसुफगुड़ा चेकपोस्ट के पास रत्नादीप के समीप दोपहर करीब 2:00 बजे पकड़ा गया। आरोप है कि उन्होंने एक शिकायतकर्ता से मकान निर्माण की अनुमति प्राप्त करने से संबंधित आधिकारिक काम को सुविध-ाजनक बनाने के लिए कुल पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जब आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की पहली किस्त के रूप में एक लाख रुपये स्वीकार किये, तभी एसीबी कर्मियों ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास से रिश्वत की वह राशि बरामद कर ली गयी और उनकी उंगलियों पर किये गये रासायनिक परीक्षण की रिपोर्ट पॉजिटिव आई, जिससे रिश्वत के पैसों के संपर्क में होने की पुष्टि हुई।

ममता और स्टालिन की हार पर ओवैसी का प्रहार

एसआईआर को बताया चुनावी झटके का कारण

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस की हार के लिए भ्रष्टाचार और मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया ने ममता बनर्जी के अपने निर्वाचन क्षेत्र को भी प्रभावित किया।

हैदराबाद के दारुस्सलाम स्थित पार्टी मुख्यालय में बोलते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा के पक्ष में आए जनादेश का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि धर्मनिरपेक्ष दल एक बार फिर भगवा पार्टी के विस्तार को रोकने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की राजनीतिक रणनीतियों ने परोक्ष रूप से भाजपा के विकास में मदद की। उन्होंने याद दिलाया कि 1990 के दशक के अंत में टीएमसी ने ही भाजपा की पहली संसदीय जीत का मार्ग प्रशस्त किया था।

ओवैसी ने दावा किया कि एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के कारण हार हुई और उन्होंने ममता बनर्जी की आलोचना की कि उन्होंने प्रभावित लोगों की सहायता नहीं की। उन्होंने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जाने के कदम को केवल प्रतीकात्मक बताया।

ओवैसी ने कहा, एसआईआर ममता बनर्जी और तमिलनाडु के एम.के. स्टालिन दोनों के निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित किया गया था, और दोनों ही हार गए। नागरिकता को एसआईआर से जोड़ना गलत है। गृह मंत्रालय के पास नागरिकता के लिए नियम हैं, साथ ही एनआरसी और एनपीआर के नियम भी हैं। यह केवल वोट डालने के बारे में नहीं है, बल्कि अपनी नागरिकता को बरकरार रखने के बारे में भी है।

त्रुटिमुक्त मतदाता सूची के लिए दी चेतावनी

उन्होंने उन क्षेत्रों के लोगों को सलाह दी जहाँ एसआईआर किया जा सकता है, कि वे अपने नामों की त्रुटिमुक्त मैपिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने चेतावनी दी कि मसौदा सूची के प्रकाशन के बाद हटाए गए नामों को बहाल करना कठिन हो सकता है। ओवैसी ने बताया कि एआईएमआईएम लोगों को उनके नामों के सत्यापन में मदद कर रही है और तेलंगाना की कांग्रेस सरकार से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने का आग्रह किया।

असम में भाजपा की जीत को स्वीकार करते हुए ओवैसी ने कहा कि मतदाताओं ने फिर से भाजपा में विश्वास जताया है। उन्होंने वर्तमान सरकार के तहत लगभग 50,000 मुसलमानों के कथित विस्थापन पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने तर्क दिया कि यदि बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ की उपस्थिति मजबूत होती, तो असम की 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी को अधिक सशक्त आवाज मिलती।

मेट्टू साई ने रेवंत का किया बचाव, भाजपा नेताओं पर साधा निशाना

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मत्स्य पालन विभाग के अध्यक्ष मेट्टू साई ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का पुरजोर बचाव किया और उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की अपमानजनक टिप्पणियों की तीखी आलोचना की।

गांधी भवन में मीडिया से बातचीत में श्री साई ने श्री रेड्डी को गेम-चेंजर, योद्धा तथा एक सैनिक बताया और कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व ने राज्य में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक गति पैदा की है। उन्होंने दावा किया कि जिन क्षेत्रों में श्री रेड्डी ने चुनाव प्रचार किया, वहां उम्मीदवारों ने शानदार जीत हासिल की है।

उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण भारत के राज्य श्री रेड्डी के नेतृत्व की ओर देख रहे हैं। भाजपा के भीतर एकजुटता की कमी का भी आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को भी अपनी पार्टी पर भरोसा नहीं है और उनके बीच स्पष्ट रूप से गुटबाजी बनी हुई है।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार पर निशाना साधते हुए श्री साई ने टिप्पणी की कि वह अब भी एक कॉर्पोरेटर की तरह बात करते हैं। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि उनकी अपनी पार्टी के नेता ही उनका सम्मान नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने श्री संजय पर तंज कसते हुए सलाह दी कि वे इस ग्रीष्मकालीन गर्मी में बाहर न निकलें, क्योंकि भीषण मौसम उनकी बयानबाजी को प्रभावित कर रहा है।

तेलंगाना के जंगलों में हिरण और मोर का अवैध शिकार, छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): कमिश्नर टास्क फोर्स और वन विभाग ने एक संयुक्त अभियान चलाकर शादनगर और मकतल के वन क्षेत्रों में जंगली जानवरों के अवैध शिकार में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने छह व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

मंगलवार को जारी एक पुलिस बयान के अनुसार, आरोपी एयरगन का उपयोग करके हिरण, मोर, खरगोश, बटेर और कबूतर सहित विभिन्न जानवरों का शिकार कर रहे थे और इन कृत्यों को मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड भी कर रहे थे। पुलिस ने उनके पास से हथियारों का जखीरा बरामद किया है, जिसमें चार एयरगन, 20 जिंदा कारतूसों के साथ एक लाइसेंस प्राप्त राइफल, आठ मोबाइल फोन और एक स्कॉर्पियो वाहन शामिल है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 8 लाख बताई गई है।

एक साल से सक्रिय था गिरोह, प्रोफेशनल शूटर भी शामिल

जांच में यह खुलासा हुआ है कि यह समूह पिछले एक साल से अधिक समय से शिकार गतिविधियों में लिप्त था। वे शिकार किए गए जानवरों के मांस का सेवन करते थे और अवशेषों को नजदीकी इलाकों में फेंक देते थे। गिरफ्तार आरोपियों में से एक पेशेवर शूटर (प्रोफेशनल शूटर) है, जिसके पास से लाइसेंस प्राप्त राइफल मिली है, जबकि दूसरा आरोपी वन्यजीवों का पता लगाने के लिए गाइड के रूप में काम करता था।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 (Wildlife Protection Act, 1972) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सभी आरोपियों को वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया है।

हथियार और वाहन बरामद, सघन जांच जारी

अधिकारियों ने बताया कि इस गिरोह के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए सघन जांच जारी है। जब्त की गई स्कॉर्पियो और हथियारों के इस्तेमाल की गहनता से पड़ताल की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस गिरोह के तार अन्य अंतर्राज्यीय शिकारियों से भी जुड़े हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कालेश्वरम जांच पर स्पष्टता की मांग

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने केंद्र को घेरा

हैदराबाद, 05 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने मंगलवार को केंद्र सरकार से मांग की कि 10 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैदराबाद दौरे से पहले कालेश्वरम परियोजना की सीबीआई जांच पर अपना रुख स्पष्ट करे। गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कालेश्वरम परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले ही सीबीआई को पत्र लिखकर जांच की मांग कर चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि भाजपा नेताओं द्वारा पूर्व में लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के बावजूद अब तक कोई आधिकारिक जांच क्यों शुरू नहीं की गई है

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय पर साधा निशाना

गौड़ ने केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वह इस तरह बोल रहे हैं जैसे भूल गए हों कि वह एक केंद्रीय मंत्री हैं। उन्होंने मांग की कि मंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि केंद्र सरकार इस मामले में कार्रवाई करने से क्यों कतरा रही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के खिलाफ अब तक कोई कदम न उठाए जाने पर भी सवाल उठाए और इसके पीछे राजनीतिक उद्देश्यों का आरोप लगाया।

किसान कल्याण और राज्य सरकार का बचाव

राज्य सरकार का बचाव करते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों के लिए ऋण माफी और खरीद समर्थन जैसे कल्याणकारी उपाय लागू कर रही है। उन्होंने भाजपा पर 'दोहरे मापदंड' अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ वे भ्रष्टाचार की बात करते हैं और दूसरी तरफ जांच से पीछे हटते हैं।

पश्चिम बंगाल के चुनावी घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए गौड़ ने वहां चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाया। उन्होंने तेलंगाना के मतदाताओं से सतर्क रहने और अपने मताधिकार की रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी राज्य के विकास और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के लिए प्रतिबद्ध है और कालेश्वरम जैसे मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.